राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 राम मंदिर के डकैतों को सजा दिलाने के लिए....

बडी उपलधि अपने नाम करेगे एमबाप्पे.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 77 | नई दिल्ली, शनिवार, 11 जुलाई, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 43.0°C

न्यूनतम तापमान 32.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	40%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,43,620

चांदी 2,40,000

संसेक्स 77,569.39

निफ्टी 24,206.90

रेखा गुप्ता ने मांडी मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का गडकरी से किया आग्रह

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से दक्षिण दिल्ली के महत्वपूर्ण मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का आग्रह किया है। श्रीमती गुप्ता ने शुक्रवार को श्री गडकरी को पत्र लिखकर 8.8 किलोमीटर लंबे इस रणनीतिक सड़क कॉरिडोर के विकास का कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सौंपने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे दिल्ली-एनसीआर में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि मांडी रोड छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास महरौली-गुरुग्राम रोड (एनएच-148ए) को दिल्ली-हरियाणा सीमा पर गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड से जोड़ता है। यह मार्ग दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क कड़ी के रूप में कार्य करता है तथा प्रतिदिन बड़ी संख्या में अंतर-राज्यीय वाहनों की आवाजाही इसी सड़क से होती है। इसलिए इस सड़क का उन्नयन और बेहतर प्रबंधन समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूनिफाइड ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग एंड इंजीनियरिंग सेंटर (यूटीटीआईपीईसी) की गवर्निंग बॉडी ने 27 सितंबर 2023 को आयोजित अपनी 68वीं बैठक में मांडी रोड के महत्व को स्वीकार करते हुए इसके चौड़ीकरण और व्यापक विकास के प्रस्ताव का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सड़क के रणनीतिक महत्व, वर्तमान और भविष्य की यातायात आवश्यकताओं तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-148ए से इसके सीधे जुड़ाव को देखते हुए इसे एनएचएआई के अधीन लाना उपयुक्त होगा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि मांडी रोड को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर इसके विकास की जिम्मेदारी एनएचएआई को सौंपी जाए, ताकि एकीकृत योजना, समान इंजीनियरिंग मानकों और समयबद्ध तरीके से इस महत्वपूर्ण सड़क का उन्नयन सुनिश्चित किया जा सके।

मोदी और अल्बनीज ने भारत-ऑस्ट्रेलिया खेल सहयोग रोडमैप जारी किया

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने शुक्रवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड का दौरा किया और दोनों देशों के बीच खेल में सहयोग बढ़ाने के लिए खेल सहयोग रोड मैप जारी किया। इस अवसर पर विक्टोरिया की प्रीमियर जैसिंटा एलन भी मौजूद थी। तीनों नेताओं ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में भारत-ऑस्ट्रेलिया खेल संबंधों के उत्सव के अवसर पर एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में स्टीव वॉ तथा लीसा स्थालेकर सहित ऑस्ट्रेलिया के अनेक प्रसिद्ध खेल दिग्गज उपस्थित थे। इस यात्रा ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक सामरिक साझेदारी के प्रमुख आधारों के रूप में खेल, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच परस्पर संबंधों के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त रूप से भारत-ऑस्ट्रेलिया खेल सहयोग रोडमैप जारी किया, जो खेल प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण, खेल विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा खेल उद्योग एवं निवेश के क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देगा।। इसका उद्देश्य भारत-ऑस्ट्रेलिया युवा खेल महोत्सव का आयोजन करना भी है। दोनों नेताओं ने खेल के क्षेत्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बढ़ते सहयोग का स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए श्री मोदी ने लोगों को एकजुट करने में खेलों की विशिष्ट भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि यह रोडमैप दोनों देशों को अपनी खेल साझेदारी में विविधता लाने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने महिला क्रिकेट विश्व कप जीतने के लिए ऑस्ट्रेलिया को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया अंतरराष्ट्रीय खेलों के एक महत्वपूर्ण दशक में साथ-साथ प्रवेश कर रहे हैं, जिसमें भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा और ऑस्ट्रेलिया 2032 में ब्रिस्बेन ओलंपिक की मेजबानी करेगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ये घटनाक्रम खेल तथा उससे संबंधित उद्योगों में दोनों देशों के बीच अधिक घनिष्ठ द्विपक्षीय सहयोग के स्वाभाविक अवसर प्रदान करते हैं। यात्रा के दौरान नेताओं ने कबड्डी, ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल और क्रिकेट के प्रदर्शनी मुकाबलों में भाग ले रहे युवा खिलाड़ियों के साथ संवाद किया।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने की गुजरात के राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा

प्रात : किरण, एजेंसी

गांधीनगर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को गांधीनगर में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश के राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाइवे) परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक की। राज्य सूचना विभाग ने अपने बयान में बताया कि इस बैठक में नवंबर 2025 में आयोजित समीक्षा बैठक के बाद हुई प्रगति की जानकारी मुख्य सचिव एम.के. दास और मुख्यमंत्री के सलाहकार एस. एस. राठौड़ ने प्रस्तुत की। इस पर केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न परियोजनाओं में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इसके प्रस्तुतीकरण के दौरान वडोदरा-मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग-48 के सिक्स लेन कार्य, मोरबी-सामाखियाली मार्ग के सामाखियाली-मालिया सेक्शन, राजकोट-गोंडल-जेतपुर रोड, अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे, अहमदाबाद-गोधरा-इंदौर रोड, जामनगर-अमृतसर एक्सप्रेसवे, पालनपुर-सामाखियाली कॉरिडोर तथा अहमदाबाद-शामलाजी सिक्स लेन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेस वे को भावनगर तक विस्तारित करने का कार्य अगले तीन महीनों में शुरू किया जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार से केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि (सीआरआईएफ) के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए प्रस्ताव शीघ्र केंद्र सरकार को भेजने का भी अनुरोध किया।

संक्षिप्त खबरें

केरल के वायनाड में भीषण भूस्खलन: अब तक 7 लोगों की मौत

वायनाड। केरल के वायनाड में कल्लाडी इलाके के पास निर्माणाधीन टनल रोड परियोजना स्थल पर हुए भूस्खलन से स्थिति गंभीर बनी हुई है। मलबे से एक और शव बरामद होने के बाद मृतकों की कुल संख्या सात हो गई है, जबकि एक अन्य लापता व्यक्ति की तलाश जारी है। खराब मौसम और दुर्गम पहाड़ी इलाके के कारण एनडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त बचाव अभियान में लगातार बाधाएं आ रही हैं। मलबे को हटाने के लिए भारी मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, लेकिन लगातार बारिश से खतरा बना हुआ है। परियोजना की सुरक्षा पर उठे सवाल यह त्रासदी उस समय हुई जब वायनाड की महत्वाकांक्षी टनल रोड का निर्माण कार्य प्रगति पर था। हादसे के बाद से ही परियोजना की सुरक्षा मानकों और निर्माण प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी बहस छिड़ गई है। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीसन ने इस पूरे मामले की विस्तृत जांच के लिए विशेषज्ञों की एक विशेष टीम गठित करने की घोषणा की है, जो सुरक्षा नियमों के पालन और मानवीय चूक के पहलुओं की पड़ताल करेगी। न्यायपालिका की निगरानी और आगामी जांच हादसे पर केरल उच्च न्यायालय ने भी संज्ञान लेते हुए एक विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। राजस्व मंत्री ए.पी. अनिल कुमार ने स्पष्ट किया है कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट आने तक किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच जारी बयानबाजी के बीच, अब सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं। यह रिपोर्ट ही तय करेगी कि यह भीषण हादसा केवल एक प्राकृतिक आपदा थी या इसके पीछे प्रशासनिक लापरवाही का भी हाथ है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने ओमान की यात्रा में अपने समकक्ष से वार्ता की

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार को ओमान का आधिकारिक दौरा किया और अपने समकक्ष सैयद बदर अल-बुसैदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों मंत्रियों ने भारत-ओमान रणनीतिक साझेदारी के सभी पहलुओं की समीक्षा की और पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार जयशंकर ने हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रमों के दौरान भारतीय नाविकों को त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए ओमानी सरकार की प्रशंसा की। विदेश मंत्री ने ओमान में रहने वाले जीवंत भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ भी बातचीत की और बहुआयामी भारत-ओमान संबंधों को और मजबूत करने में उनके निरंतर योगदान की सराहना की। उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 5 से 10 जुलाई तक कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान की आधिकारिक यात्रा पर रहे। इस यात्रा न चारों देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और साथ ही क्षेत्रीय घटनाक्रमों और पारस्परिक हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान किया। विदेश मंत्री अब 13 जुलाई को न्यूयॉर्क का दौरा करेंगे। यहां वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 2028-29 कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरूआत करेंगे। इसके बाद वे 14-15 जुलाई को ब्रुसेल्स में आयोजित होने वाली तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक में भाग लेंगे और यूरोपीय संघ और बेल्जियम के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे।

जेपी नड्डा ने तीसरी एमएसजी बैठक की अध्यक्षता की, तकनीक-आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर जोर

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी. नड्डा ने शुक्रवार को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की तीसरी मिशन संचालन समूह (एमएसजी) बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने देश के डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव, अनुप्रिया पटेल और जितिन प्रसाद सहित नीति आयोग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए), आयुष मंत्रालय और विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए जे.पी. नड्डा ने नागरिक-केंद्रित, इंटरऑपरेबल और तकनीक-आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब मिशन के अगले चरण में पूरे देश में इसके अधिकतम उपयोग अपनाने पर विशेष ध्यान देना होगा। नड्डा ने कहा कि डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, उपलब्धता और पारदर्शिता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। प्रत्येक नागरिक को अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक सुरक्षित और सहमति-आधारित पहुंच उपलब्ध कराना एबीडीएम का प्रमुख उद्देश्य है। उनके अनुसार, तकनीक यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज के लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, बशर्ते यह समावेशी, सुलभ और उपयोग में आसान हो। बैठक के दौरान मिशन संचालन समूह ने एबीडीएम के तहत अब तक हासिल की गई उपलब्धियों की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम में से एक के रूप में उभर चुका है। अब तक देशभर में 93.95 करोड़ से अधिक एबीएचए नंबर बनाए जा चुके हैं, जबकि 105 करोड़ से ज्यादा स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप से लिंक किए गए हैं। इसके अलावा, नेशनल डिजिटल हेल्थ रजिस्ट्री में 5.33 लाख स्वास्थ्य संस्थान और 9.85 लाख स्वास्थ्य पेशेवर पंजीकृत हो चुके हैं। मिशन के तहत 2.72 लाख स्वास्थ्य संस्थानों ने एबीडीएम समर्थित सॉफ्टवेयर अपनाया है।

असम बजट 2026-27

रोजगार, इंफ्रा और स्वास्थ्य पर विशेष फोकस, सरकार ने किए कई ऐलान

गुवाहाटी। असम के वित्त मंत्री जयंत मल्ला बरुआ ने शुक्रवार को विधानसभा में वर्ष 2026-27 का राज्य बजट पेश किया। बजट में रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे के विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण पर विशेष जोर दिया गया है। सरकार ने राज्य के विकास को गति देने के लिए 10 प्रमुख पहलों की रूपरेखा भी पेश की। बजट में सरकार ने दो लाख सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य रखा है। साथ ही स्पष्ट किया गया कि अरुणोदय, निजुत मोइना और अन्य प्रमुख सामाजिक सुरक्षा योजनाएं बिना किसी रुकावट के जारी रहेंगी। विमानन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने गुवाहाटी हवाई अड्डे को 8 करोड़ (80 मिलियन) यात्रियों की वार्षिक क्षमता वाला एयरपोर्ट बनाने का लक्ष्य तय किया है। इससे असम की हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होगी और पूर्वोत्तर में इसे एक प्रमुख एविएशन हब के रूप में विकसित किया जाएगा। ऊर्जा क्षेत्र के लिए बजट में 72,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि यह राशि तापीय, जलविद्युत, सौर ऊर्जा और बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं पर खर्च की जाएगी, जिससे राज्य की बिजली व्यवस्था मजबूत होगी और भविष्य की ऊर्जा जरूरतें पूरी की जा सकेंगी। कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए ब्रह्मपुत्र घाटी में सिंचाई परियोजनाओं के लिए 4,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

श्री अमरनाथ यात्रा के लिए 8,796 तीर्थयात्रियों का नौवां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में श्री अमरनाथ यात्रा के लिए शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच 8,796 तीर्थयात्रियों का नौवां जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास आधार शिविर से दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह 8,796 तीर्थयात्री 354 हल्के और भारी वाहनों के काफिले में जम्मू आधार शिविर से रवाना हुए। इस जत्थे में बालटाल के लिए 3,450 और पहलगाम के लिए 5,346 तीर्थयात्री शामिल थे। सुरक्षित और सुचारू यात्रा के लिए नागरिक प्रशासन, पुलिस, सुरक्षा बलों और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने मिलकर बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है। गौरतलब है कि यात्रा शुरू होने के बाद से पिछले सात दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों से कुल 1,71,501 तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन किए हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे पक्का रजिस्ट्रेशन और तय तारीख पर ही यात्रा करें, क्योंकि बिना रजिस्ट्रेशन वाले किसी भी तीर्थयात्री को आधार शिविर तक जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गत दो जुलाई को जम्मू से यात्रा के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

मुख्यमंत्री विजय ने 32 परिजनों को सौंपे सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र

प्रात : किरण, एजेंसी

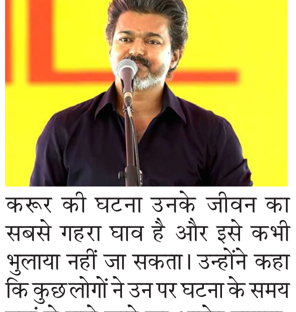

करूर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं तमिलगा वेत्रि कड़गम (टीवीके) के अध्यक्ष जोसेफ विजय ने शुक्रवार को करूर में पिछले वर्ष चुनावी प्रचार सभा के दौरान हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले 32 लोगों के परिवारों के एक-एक सदस्य को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र सौंपे। करूर के एटलस मैदान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, मृतकों के परिजन और स्थानीय लोग मौजूद रहे। जोसेफ विजय तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे से सड़क मार्ग से करूर पहुंचे। रास्ते में विभिन्न स्थानों पर पार्टी कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद उन्होंने करूर भगदड़ को अपने सार्वजनिक जीवन की सबसे दुखद घटनाओं में से एक बताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अपने संबोधन में विजय ने कहा कि करूर की घटना उनके जीवन का सबसे गहरा घाव है और इसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने उन पर घटना के समय वहां से चले जाने का आरोप लगाया, लेकिन उनके लिए जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। विजय ने कहा, इंसान चाहे कितनी भी ऊंचाई पर पहुंच जाए, कुछ दर्द और कुछ घाव कभी नहीं भूल सकता। मेरे जीवन का सबसे बड़ा दर्द और सबसे गहरा घाव करूर की घटना है। उन्होंने कहा, कुछ लोग कहते हैं कि उस कठिन समय में मैं वहां से चला गया था। यदि मुझसे पूछा जाए कि पैसा महत्वपूर्ण है या जनता, तो मेरा उत्तर हमेशा जनता ही होगी। मुख्यमंत्री ने करूर पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि नामक्कल से करूर पहुंचने के दौरान पुलिस ने उन्हें किसी प्रकार की पूर्व चेतावनी नहीं दी। उनका कहना था कि यदि समय रहते प्रशासन आवश्यक जानकारी देता तो कार्यक्रम को स्थगित या रद्द किया जा सकता था और हादसे को टाला जा सकता था। उन्होंने कहा कि पेरंबलूर से अरियालुर जाते समय पुलिस ने पहले ही सतर्क कर दिया था, जिसके कारण वह कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था, लेकिन करूर के मामले में ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने करूर भगदड़ की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। उधर, मृतकों के परिजनों को सरकारी नौकरी दिए जाने से संबंधित मामले में मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ में दायर याचिका पर भी शुक्रवार को सुनवाई हुई।

सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए....

वंदे मातरम ने देशभक्ति को राष्ट्रीय कर्तव्य बनाया, सरदार पटेल ने राष्ट्र की एकता की नींव रखी: उपराष्ट्रपति

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि वंदे मातरम ने मातृभूमि के प्रति प्रेम को पवित्र राष्ट्रीय कर्तव्य में बदल दिया और इसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान असंख्य सेनानियों को साहस, त्याग और आशा से प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने केवल रियासतों का ही नहीं, बल्कि देशवासियों के दिलों का भी एकीकरण किया और एक राष्ट्र, एक संविधान तथा साझा राष्ट्रीय भविष्य की मजबूत नींव रखी। उपराष्ट्रपति शुक्रवार को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी (आईआईएएस), शिमला द्वारा आयोजित वंदे मातरम की यात्रा पर स्थाई प्रदर्शनी के उद्घाटन तथा सरदार पटेल का विजन : एकीकरण, एकजुटता और संघवाद विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को आभासी माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की स्वतंत्र चेतना का प्रतीक है। इसने देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाया और स्वतंत्रता आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की। उन्होंने कहा कि आज भी यह गीत राष्ट्र के प्रति समर्पण, आत्मगौरव और राष्ट्रीय एकता का प्रेरक स्रोत बना हुआ है। सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने देशी रियासतों का सफलतापूर्वक विलय कर आधुनिक भारत के राजनीतिक और प्रशासनिक एकीकरण को साकार किया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने भारत को एक मजबूत और संगठित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि सच्ची देशभक्ति केवल शब्दों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि ईमानदारी, उत्कृष्ट कार्य संस्कृति और राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पण के रूप में प्रतिदिन हमारे आचरण में दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे वंदे मातरम के शाश्वत संदेश और सरदार पटेल के राष्ट्रनिर्माण के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए एक एकजुट, आत्मविश्वासी और समावेशी भारत के निर्माण के लिए अपने संकल्प को और मजबूत करें। इस अवसर पर भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान द्वारा वंदे मातरम की यात्रा विषयक स्थाई प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया तथा सरदार पटेल की राष्ट्र एकता, एकीकरण और भारतीय संघीय व्यवस्था संबंधी दृष्टि पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ भी हुआ।

संक्षिप्त समाचार

जलभराव वाले क्षेत्रों में गन्ने की फसल के नुकसान का आकलन करने के निर्देश

नैनीताल, एजेंसी। गन्ना विकास परिषद कार्यालय में एससीडीआई बीरेंद्र कुमार चौधरी की अध्यक्षता में नैनीताल जनपद के अंतर्गत आने वाले ब्लॉक प्रभारी अधिकारियों की समीक्षा बैठक की गई। बैठक में चौधरी ने सभी ब्लॉक प्रभारियों एवं गन्ना विकास निरीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण कर गन्ना फसल को हुए संभावित नुकसान का आकलन करने और शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों से जलभराव वाले खेतों से पानी की निकासी करने का आग्रह किया ताकि फसल को होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। बैठक में यह बताया गया कि क्षेत्र के किसानों को गन्ना उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करते हुए शरदकालीन गन्ना बुवाई की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस दौरान ब्लॉक प्रभारी राकेश कुमार ने कोसी नदी के निकटवर्ती क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा प्रस्तुत की। बैठक में दीपक कुमार शर्मा, योगेश चंद्र भट्ट, सोमपाल सिंह, सुभाष चंद्र आदि रहे।

बोर्ड ने सुधार परीक्षा के जारी किए प्रवेश पत्र

रामनगर, एजेंसी। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद ने 22 जुलाई से होने वाली हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाफल सुधार के प्रवेश पत्र जारी कर दिए हैं। बृहस्पतिवार को बोर्ड के सचिव विनोद कुमार ढौंडियाल ने बताया कि परीक्षाफल सुधार परीक्षा साल 2026 प्रथम और परीक्षाफल सुधार परीक्षा साल 2025 तृतीय में 25 हजार से अधिक परीक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 97 परीक्षा केंद्रों पर 22 जुलाई से 29 जुलाई तक परीक्षाएं कराई जाएंगी। परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाइट पर जारी कर दिए गए हैं।

अल्मोड़ा हाईवे पर मलबा और पेड़ गिरने से थमे पहिये

गरमपानी/धानाचूली/पहाड़पानी(नैनीताल), एजेंसी। पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश अब मुसीबत बनने लगी है। धानाचूली क्षेत्र में निर्माणाधीन आयुर्वेदिक अस्पताल की सुरक्षा दीवार के एक ही बारिश में गिरने से लाखों की लागत से बन रहे अस्पताल के भवन को खतरा पैदा हो गया है। स्थानीय लोगों ने सुरक्षा दीवार के गिरने पर विभाग और ठेकेदार की ओर से भवन निर्माण में किए जा रही सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। लोगों ने जिला प्रशासन से जांच करने की मांग की है। इधर लगातार हो रही बारिश से शिप्रा और कोसी नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। भवाली-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रातीघाट और पाडली के पास पेड़ गिरने से वाहन चालकों और यात्रियों को दो घंटे तक जाम का सामना करना पड़ा। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लगी रही। गनीमत रही कि पेड़ के गिरते समय कोई वाहन सड़क पर नहीं था। घटना की सूचना पर एसडीआरएफ, पुलिस और एनएच के अधिकारियों ने पेड़ काटकर सड़क पर यातायात सुचारु किया। लोहाली में बुधवार की रात सड़क किनारे खड़ी कार पर बोल्डर गिरने से गाड़ी पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। कैंची धाम क्षेत्र में भी मलबा और पत्थर गिरने से जाम की समस्या बनी रही। धानाचूली-पहाड़पानी मोटर मार्ग पर मलबा आने से यातायात बंद रहा।

नरेश पांडे प्रकरण में नया मोड़, पहली शिकायतकर्ता युवती पुलिस हिरासत में

नैनीताल, एजेंसी। भवाली व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष नरेश पांडे से जुड़े चर्चित प्रकरण में बृहस्पतिवार को नया मोड़ आया है। मामले में नरेश पांडे के खिलाफ सबसे पहले शिकायत दर्ज कराने वाली युवती को एक अन्य युवती की शिकायत पर मल्लीताल कोतवाली पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। गौरतलब है कि नैनीताल के एक शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत छात्रा ने भवाली व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष नरेश पांडे पर शारीरिक शोषण, दबाव बनाकर गर्भपात कराने समेत कई गंभीर आरोप लगाते हुए मल्लीताल कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में नरेश पांडे की अग्रिम जमानत याचिका पहले निचली अदालत और फिर उत्तराखंड हाईकोर्ट से भी खारिज हो चुकी थी। इसके बाद से आरोपी पांडे फरार चल रहा था। इस बीच एक अन्य युवती की शिकायत पर पुलिस ने मंगलवार देर रात नरेश पांडे को गिरफ्तार किया। बुधवार को मेडिकल परीक्षण के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इसी क्रम में पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाते हुए बृहस्पतिवार को पहली शिकायतकर्ता युवती को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। देर शाम तक कोतवाली में उससे पूछताछ जारी रही। नई शिकायतकर्ता युवती ने नरेश व पूर्व शिकायतकर्ता युवती पर ब्लैकमेलिंग, शारीरिक शोषण व जबरन शारीरिक संबंध बनवाने के आरोप लगाए हैं। युवती को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया जा सकता है।

विधायकों व अनुषांगिक संगठनों के साथ भी चुनावी तैयारियों पर मंथन

देहरादून, एजेंसी। कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल का पहले दिन देर रात तक बैठकों का दौर जारी रहा। उन्होंने विधायक, पूर्व विधायकों के साथ ही पार्टी के अनुषांगिक संगठनों के अध्यक्षों के साथ बैठक चुनावी तैयारियों मंथन कर फीडबैक लिया। विधायकों व पूर्व विधायकों की बैठक में राष्ट्रीय महासचिव ने आगामी चुनाव की तैयारियों पर चर्चा करने के साथ सुझाव भी लिए। इसके बाद उन्होंने युवा, महिला, एनएसयूआई, सेवा दल, पूर्व सैनिक विभाग के अध्यक्षों की बैठक में निर्देश दिए कि अनुषांगिक संगठनों को सक्रिय रूप से काम करना है। जनता के बीच जाकर भाजपा सरकार की गलत नीतियों को बेनकाब करें।

नैनीताल के कई इलाकों में भूस्खलन का खतरा, पौड़ी में 35 सड़कें बंद, लोनिवि परिसर में गिरा पेड़

नैनीताल/पौड़ी, एजेंसी। उत्तराखंड में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है. इसके साथ ही पहाड़ों में भूधंसाव और भूस्खलन की घटनाएं भी सामने आने लगी हैं. नैनीताल में लगातार 8 घंटे तक हुई भारी बारिश के बाद सात नंबर क्षेत्र, आल्मा कॉटेज और जिला पंचायत रोड पर भूधंसाव से हालात चिंताजनक हो गए हैं. जिसका प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया.

प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने और तत्काल राहत एवं सुरक्षा कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं. इधर, पौड़ी जिले में देर रात से लगातार हो रही भारी बारिश का असर जनजीवन पर पड़ने लगा है. जिले में भूस्खलन और मलबा आने के कारण 35 से ज्यादा सड़कें बंद हो गई हैं. संबंधित विभागों की ओर से सभी बंद मार्गों को जल्द से जल्द खोलने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है.

नैनीताल के सात नंबर और सिल्वर्टन क्षेत्र में भूस्खलन का खतराः लगातार बारिश के बाद नैनीताल के सात नंबर स्थित आल्मा कॉटेज क्षेत्र में एक बार फिर भूधंसाव शुरू हो गया है. पिछले साल से ही यहां सड़क और

पहाड़ी में दरारें पड़ रही थीं, लेकिन स्थायी सुरक्षा कार्य नहीं होने से इस मानसून में हालात और बिगड़ गए.

अब पहाड़ी का बड़ा हिस्सा खिसकने से मलबा नीचे नाले में जा गिरा, जिससे आसपास रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल है. बताया जा रहा है कि सड़क के ऊपर बने पांच और नीचे स्थित सात परिवारों के मकान खतरे की जद में हैं. हालात का जायजा लेने एसडीएम नवाजिश खालिक ने लोक निर्माण विभाग और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया.

उन्होंने विभागों को तत्काल बचाव कार्य शुरू करने, प्रभावित सड़क पर वाहनों की आवाजाही रोकने और जोखिम वाले भवनों में रह रहे परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए है. वहीं, पहाड़ों में लगातार हो रही तेज बारिश के बाद नैनीताल कैंची धाम मार्ग पर जगह-जगह भूस्खलन जैसी समस्या देखने को मिल रही है.

पहाड़ों से बड़े पत्थर और पेड़ लगातार सड़कों पर गिर रहे हैं. जिससे राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा है. सुबह से कैंची धाम मार्ग पर दो स्थानों पर मलबा सड़क पर गिरने से यातायात घंटे तक बाधित रहा. इसके बाद लोक निर्माण विभाग और नेशनल हाईवे अथॉरिटी की जेसीबी की ओर से सड़क से मलबा हटाकर यातायात सुचारू करवाया गया है. पौड़ी में भारी बारिश से 35 से ज्यादा सड़कें बाधित, लोनिवि परिसर में गिरा पेड़ः पौड़ी जिले में बुधवार देर रात से लगातार हो रही भारी बारिश के चलते जनजीवन प्रभावित हो गया है. बारिश के कारण कई प्रमुख सड़कों पर मलबा और बोल्डर आने से यातायात बाधित हो गया है. पौड़ी-कोटद्वार मोटर मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण कार्य के दौरान कई स्थानों पर भारी मलबा आने से मार्ग बंद हो गया है. वहीं, ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर फरासू के पास भूस्खलन होने से हाईवे पर यातायात ठप हो गया है. लोक निर्माण विभाग और संबंधित एजेंसियां बंद पड़े मार्गों को खोलने में जुटी हुई हैं. प्रशासन ने यात्रियों और स्थानीय लोगों से अपील की है कि भारी बारिश के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और अत्यंत आवश्यक होने पर ही पूरी सावधानी के साथ आवाजाही करें. भारी बारिश के चलते लोक निर्माण विभाग पौड़ी प्रांतीय खंड परिसर में एक बड़ा पेड़ अचानक टूटकर गिर गया. गनीमत रही कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई. पेड़ परिसर में स्थित एक पुराने भवन पर गिरा, जिससे भवन को नुकसान पहुंचा. वहीं, पौड़ी जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने बताया कि लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए जिले के सभी उपजिलाधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं. जिले में भारी बारिश से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है. इसके लिए राजस्व विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर नुकसान का सर्वे कर रही हैं और विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है.

उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में ज्यादा नुकसान हुआ है, वहां जिला प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी. चारधाम यात्रा मार्ग पर आवागमन करने वाले श्रद्धालुओं से मौसम और सड़क की स्थिति को देखते हुए सावधानीपूर्वक यात्रा करने की अपील की जा रही है.

चुनाव जीतने के लिए एकजुटता व अनुशासन जरूरी : वेणुगोपाल

देहरादून, एजेंसी। अखिल भारतीय कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने कहा, चुनाव जीतने के लिए एकजुटता व अनुशासन बहुत जरूरी है। 2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता में लाने के लिए कार्यकर्ताओं को एकजुटता से काम कर जन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाना है।

उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर राष्ट्रीय महासचिव वेणुगोपाल ने पहले दिन राजपुर रोड स्थित एक होटल में जिला व महानगर अध्यक्षों की बैठक ली। साढ़े तीन घंटे चली बैठक में उन्होंने एक-एक जिला व महानगर अध्यक्ष से आगामी चुनाव तैयारियों का फीडबैक लेने के साथ संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा, पार्टी पदाधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर 2027 की चुनावी जंग लड़नी होगी। संगठन स्तर पर आपस में कोई मतभेद है तो उसे लेकर सार्वजनिक रूप से बयानबाजी करने के बजाए पार्टी फोरम में रख कर समाधान करें। चुनाव के समय बयानबाजी से दूर रह कर एक मंच पर आना होगा। राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि आगामी चुनाव के लिए मुद्दों की कमी नहीं है। बेरोजगारी, महंगाई, मंदिरों में चढ़ावा चोरी, पेपर लीक, भ्रष्टाचार, महिला अपराध समेत स्थानीय स्तर के मुद्दों को उठाकर जनता के बीच जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन बूथ, ब्लॉक व जिला कमेटियों का गठन नहीं हुआ है वे 10 अगस्त तक कमेटी का गठन करें, वरना पद छोड़ दें। बैठक में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत मौजूद रहे।

दुष्कर्म मामले में फंसे भवाली व्यापार मंडल अध्यक्ष, कोर्ट ने भेजा जेल, बड़े खुलासे होने के आसार

नैनीताल, एजेंसी। दुष्कर्म, जबरन शारीरिक संबंध बनाने, गर्भपात कराने और अन्य गंभीर आरोपों के मामले में भवाली व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेश पांडे को जिला न्यायालय ने बुधवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है. पुलिस ने आरोपी को मेडिकल परीक्षण के बाद न्यायालय में पेश किया. जहां सुनवाई के उपरांत अदालत ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए. इस दौरान कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए हैं कि हिरासत के दौरान पुलिस आरोपी से पूछताछ कर सकती है.

बताते चले की आरोपी को मंगलवार देर रात भवाली के कहलक्वीरा स्थित आवास से हिरासत में लिया गया. पुलिस के पहुंचने पर आरोपी ने फेसबुक पर लाइव आकर कार्रवाई का विरोध किया और हंगामा किया. इसी दौरान उसने कथित तौर पर बाथरूम में रखा बॉडी वॉश पी लिया. जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई. पुलिस उसे तत्काल बीडी पांडे जिला चिकित्सालय, नैनीताल ले गई. जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर किया गया. स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार के बाद बुधवार को उसे दोबारा नैनीताल लाकर मेडिकल कराने के बाद जिला न्यायालय में पेश किया गया.

दूसरी युवती ने भी लगाए शारीरिक शोषण के आरोपः मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया जब एक अन्य युवती भी सामने आई. पुलिस ने बुधवार को दूसरी युवती को भी जिला न्यायालय में पेश कर उसके न्यायिक बयान दर्ज कराए. युवती ने नरेश पांडे पर शारीरिक शोषण के आरोप लगाए हैं. पुलिस ने उसके बयान दर्ज कराने के बाद मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 और धारा 226 सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं की बढ़ोतरी की है.

गौरतलब है कि इससे पहले मल्लीताल कोतवाली में दर्ज मुकदमे की शिकायतकर्ता युवती के न्यायालय में बीएनएस की धारा 183 (पूर्व में सीआरपीसी की धारा 164) के तहत बयान दर्ज कराए गए थे. पुलिस के अनुसार, उस दौरान युवती ने अपने पूर्व आरोपों से अलग बयान देते हुए आरोपी के पक्ष में बयान दिया था. इसके बाद पुलिस ने जांच आगे बढ़ाते हुए दूसरी युवती के बयान भी न्यायालय में दर्ज कराए हैं.

यूपी का एक लाख का इनामी गैंगस्टर काशीपुर में गिरफ्तार, अवैध हथियार भी बरामद

रुद्रपुर, एजेंसी। उधम सिंह नगर पुलिस को ऑपरेशन प्रहार के तहत बड़ी सफलता मिली है. काशीपुर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के एक लाख रुपये के इनामी और मोस्ट वांटेड गैंगस्टर योगेश मालिक उर्फ भदौरिया को गिरफ्तार किया है. आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं. आरोपी पर हत्या, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत 45 से अधिक संगीन मुकदमे दर्ज हैं. पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके नेटवर्क और उत्तराखंड में आने के उद्देश्य की भी जांच कर रही है. पुलिस ने बताया कि आरोपी लंबे समय से उत्तर प्रदेश पुलिस की वांछित सूची में शामिल था और उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था. पुलिस के अनुसार डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि काशीपुर के चैती मेला रोड क्षेत्र में एक संदिग्ध व्यक्ति घूम रहा है. सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और पुरानी चैती चौकी के पास स्थित एक खंडहर की घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में ले लिया.

तलाशी लेने पर उसके पास से अवैध तमंचा और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए. गहन पूछताछ और अन्य राज्यों की पुलिस से समन्वय करने पर आरोपी की पहचान योगेश मालिक उर्फ भदौरिया, निवासी ग्राम भदौड़ा, थाना रठौड़ा (मेरठ जनपद क्षेत्र), उत्तर प्रदेश के रूप में हुई.

जांच में सामने आया कि आरोपी उत्तर प्रदेश पुलिस का एक लाख रुपये का इनामी अपराधी है. उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में 45 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं. इनमें डेढ़ दर्जन से अधिक मामले हत्या और हत्या के प्रयास से जुड़े बताए गए हैं.

काशीपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है. साथ ही उत्तर प्रदेश पुलिस और संबंधित जनपदों को आरोपी की गिरफ्तारी की सूचना भी भेजी जा रही है. पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि आरोपी उत्तराखंड में किस उद्देश्य से आया था और क्या वह यहां किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में था.

केदारनाथ में बारिश, खाली कराया गया संगम घाट, अलर्ट हुआ प्रशासन

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। भारतीय मौसम विभाग ने भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है. रुद्रप्रयाग जिले में भी लगातार मूसलधार बारिश हो रही है. इस बीच केदारनाथ यात्रा को सुरक्षित बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह हाई अलर्ट मोड में आ गया है. जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देश पर यात्रा मार्ग के सभी संवेदनशील एवं भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है. प्रशासन, पुलिस, आपदा प्रबंधन, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और डीडीआरएफ की संयुक्त टीमें लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं.

सोनप्रयाग, गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ धाम तक पूरे पैदल यात्रा मार्ग का सेक्टर अधिकारियों एवं प्रशासनिक टीमों द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है. यात्रियों, स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों को मौसम की गंभीरता से अवगत कराते हुए संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने तथा प्रशासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने की अपील की जा रही है.

सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए केदारनाथ धाम स्थित संगम घाट क्षेत्र को एहतियातन खाली कराया गया. वहां मौजूद सभी श्रद्धालुओं को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया. प्रशासन ने यह

कदम संभावित भारी वर्षा, नदी के जलस्तर में अचानक वृद्धि तथा किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए उठाया, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके.

जिला प्रशासन ने यात्रा मार्ग के प्रत्येक संवेदनशील बिंदु पर निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ कर दिया है. पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, डीडीआरएफ सहित सभी संबंधित विभागों की टीमें किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद हैं.

जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने सभी श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए अफवाहों पर ध्यान न दें, केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचना एवं दिशा-निर्देशों का ही पालन करें.

देहरादून कारगी डंपिंग जोन पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग सख्त, डीएम से मांगी एक्शन टेकन रिपोर्ट

देहरादून, एजेंसी। कारगी चौक स्थित डंपिंग जोन को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने सख्त रुख अपनाया है. देहरादून निवासी मनीष गुप्ता की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए आयोग ने 19 जून को जिलाधिकारी देहरादून को पत्र भेजकर चार हफ्ते के भीतर एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) मांगी है. आयोग का कहना है कि शहर के बीचों-बीच, आईएसबीटी, स्कूलों, घनी आबादी और हाईवे के पास स्थित यह डंपिंग जोन लोगों के स्वास्थ्य और स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है.

बता दें कि देहरादून के कारगी चौक स्थित डंपिंग जोन को लेकर अब राष्ट्रीय स्तर पर मामला पहुंच गया है. शहर के बीचों-बीच संचालित इस डंपिंग ग्राउंड पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गंभीर चिंता जताते हुए जिला प्रशासन से एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) मांगी है. आयोग ने देहरादून के जिलाधिकारी को पत्र भेजकर चार हफ्ते के

भीतर इस मामले में की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं.

यह कार्रवाई देहरादून निवासी मनीष गुप्ता की ओर से की गई शिकायत के आधार पर की गई है. शिकायत में कहा गया था कि कारगी चौक के पास स्थित डंपिंग जोन घनी आबादी, स्कूलों और आईएसबीटी के बेहद करीब है. इसके कारण आसपास रहने वाले लोगों को दुर्गंध, प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. साथ ही यह डंपिंग जोन राष्ट्रीय राजमार्ग से भी सटा हुआ है, जिससे शहर की छवि पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है.

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अपने 19 जून को जारी पत्र में स्पष्ट रूप से कहा है कि शहर के बीच स्थित यह डंपिंग ग्राउंड आम नागरिकों के स्वास्थ्य और जीवन के अधिकार से जुड़ा गंभीर विषय है. आयोग का मानना है कि सरकार को इस डंपिंग जोन को शहर की सीमा से बाहर स्थानांतरित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए. इसी को लेकर आयोग ने जिलाधिकारी देहरादून से चार हफ्ते के भीतर एक्शन टेकन रिपोर्ट पेश करने को कहा है.

देहरादून डीएम ने नगर निगम के अपर नगर आयुक्त से मांगी विस्तृत रिपोर्टः राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के पत्र का संज्ञान लेते हुए देहरादून जिलाधिकारी ने नगर निगम देहरादून के अपर नगर आयुक्त से इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट तलब की है. अब नगर निगम को यह बताना होगा कि डंपिंग जोन को लेकर अब तक क्या कार्रवाई की गई है और भविष्य में इसे स्थानांतरित करने की क्या योजना है

कारगी डंपिंग जोन का मुद्दा कोई नया नहीं है. पिछले कई सालों से स्थानीय लोग और सामाजिक संगठन इसके विरोध में आवाज उठाते रहे हैं. विपक्षी दल, विशेषकर कांग्रेस, भी समय-समय पर इस डंपिंग ग्राउंड को हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करती रही है. बावजूद इसके अब तक डंपिंग जोन को स्थानांतरित करने की दिशा में कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है.

देहरादून नगर निगम भी लंबे समय से वैकल्पिक स्थान की तलाश और अन्य तकनीकी कारणों का हवाला देता रहा है, लेकिन आज तक डंपिंग जोन को शिफ्ट नहीं किया जा सका. इस बीच आसपास के क्षेत्र में आबादी लगातार बढ़ी है और लोगों की स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं भी गहराती गई हैं. अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के हस्तक्षेप के बाद इस पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया है,. आयोग की ओर से मांगी गई एक्शन टेकन रिपोर्ट के बाद यह उम्मीद जरूर जगी है कि सरकार और नगर निगम इस मामले में गंभीरता से कदम उठाएंगे.

आप सांसद संजय सिंह की पीएम को चिट्ठी, पूछा- क्या भारत में इसाईयों को रहने का हक नहीं

● यूपी, हरियाणा, मध्य प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ़ के बाद अब पश्चिम बंगाल में चर्चों को तोड़ा जा रहा है: संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संसदीय दल के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने देश भर में इसाई समाज के लोगों, पादरियों, उनकी चर्चों और संस्थानों पर हमले की बढ़ती घटनाओं को लेकर प्रधानमंत्री को एक चिट्ठी लिखकर चिंता जताई है। उन्होंने पत्र में पीएम से पूछा है कि मोदी जी, क्या इस देश में ईसाई धर्म के लोगों को रहने का हक नही यू पी, हरियाणा, मध्य प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और अब वेस्ट बंगाल, हर जगह ईसाई समुदाय के लोगों के खिलाफ हिंसक हमले हो रहे हैं, चर्चों को तोड़ा जा रहा है। आप कुछ बोलते क्यों नहीं हैं? क्या इन घटनाओं में शामिल गुंडों को आपका मूक समर्थन है? उन्होंने पीएम से संविधान की रक्षा, धार्मिक स्वतंत्रता की सुरक्षा और धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने वाले लोगों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। संजय सिंह ने पत्र में कहा है कि मैं देश भर में चर्चों, ईसाई संस्थानों, पादरियों और ईसाई समुदाय के सदस्यों पर हो रहे चिंताजनक और बढ़ते हमलों पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूं। पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और विभिन्न राज्यों से सामने आई घटनाएं केवल हिंसा की छिटपुट घटनाएं नहीं हैं। ये डराने-धमकाने, तोड़फोड़ करने, शांतिपूर्ण पूजा में बाधा डालने और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के लिए धर्मांतरण के आरोपों के दुरुपयोग का एक चिंताजनक पैटर्न दिखाती हैं। संजय सिंह ने कहा है कि पश्चिम बंगाल की हालिया घटनाएं बेहद चौंकाने वाली हैं। रिपोर्टें बताती हैं कि सोनारपुर, पूर्व बर्धमान, पश्चिम मेदिनीपुर और खड़गपुर में चर्चों और ईसाई सभाओं पर बार-बार हमले हुए हैं। कथित तौर पर सोनारपुर में एक निर्माणाधीन चर्च में एक बड़ी भीड़ ने तोड़फोड़ की, छत पर लगे क्रॉस को नष्ट कर दिया, सभा को धमकाया और परिसर को भारी नुकसान पहुंचाया। पश्चिम मेदिनीपुर में कथित तौर पर चरमपंथियों द्वारा एक ईसाई जोड़े की धन्यवाद प्रार्थना सभा और वेडिंग रिसेप्शन को बाधित किया गया, सभा में शामिल महिलाओं के साथ मारपीट की गई और उनके पारंपरिक वैवाहिक चिन्ह जबरन हटा दिए गए। पूर्व बर्धमान के फरीदपुर कॉलोनी में ग्रेस चर्च पर कथित तौर पर रविवार की प्रार्थना के दौरान हमला किया गया, जिसमें प्रार्थना कक्ष में तोड़फोड़ की गई और धमकियों के संबंध में पुलिस को पहले ही शिकायत करने के बावजूद कीमती सामान लूट लिया गया। रिपोर्टों में पुलिस की निष्क्रियता और कुछ मामलों में हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के बजाय पादरियों के खिलाफ ही आपराधिक कार्रवाई शुरू किए जाने के भी आरोप लगाए गए हैं।

75 सीएम श्री स्कूलों में स्थापित किए जाएंगे आधुनिक रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कैच द रेन पहल के तहत इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल), शिक्षा निदेशालय और एहसास एनजीओ के बीच एक महत्वपूर्ण त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर शुक्रवार को हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके तहत दिल्ली के 75 सीएम श्री स्कूलों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग परियोजना को लागू किया जाएगा। यह परियोजना आईजीएल की सीएसआर पहल के अंतर्गत संचालित की जाएगी। इसके तहत स्कूल परिसरों में मौजूद रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का ऑडिट, उनका पुनरुद्धार और नए रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर चल रही है। यह पहल सरकारी विद्यालयों में सतत जल प्रबंधन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। सरकार का लक्ष्य राजधानी के सरकारी विद्यालयों को इतना उत्कृष्ट बनाना है कि भविष्य में अभिभावक निजी विद्यालयों के बजाय सरकारी विद्यालयों में अपने बच्चों का प्रवेश कराने को प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल केवल 75 विद्यालयों तक सीमित नहीं रहेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में यह मॉडल दिल्ली सरकार के लगभग 800 विद्यालयों तक विस्तारित होगा, जिससे राजधानी में व्यापक स्तर पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग और भूजल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। इस पहल का क्रियान्वयन एहसास एनजीओ द्वारा किया जाएगा। संस्था स्कूलों में सुरक्षा मानकों और निर्माण गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ-साथ परियोजना के सफल संचालन की जिम्मेदारी निभाएगी। वहीं, शिक्षा निदेशालय स्कूल परिसरों में आवश्यक अनुमति और प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराएगा और परियोजना पूर्ण होने के बाद इन प्रणालियों के रखरखाव की जिम्मेदारी संभालेगा। आईजीएल इस पूरी परियोजना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। परियोजना की अवधि और उद्देश्यों इस परियोजना की अवधि 12 माह निर्धारित की गई है और इसकी प्रगति की निगरानी जियो-टैग्ड तस्वीरों, उपयोग प्रमाणपत्रों और नियमित मूल्यांकन के माध्यम से की जाएगी। जल संरक्षण के लाभ इस परियोजना के माध्यम से प्रत्येक विद्यालय में प्रतिवर्ष लगभग दो लाख लीटर भूजल पुनर्भरण होने का अनुमान है, जिससे राजधानी में जल संरक्षण और भूजल स्तर को मजबूत करने में सहायता मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

बेटियों और महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने की पहल

नई दिल्ली। सड़क हो, सार्वजनिक परिवहन या कार्यस्थल... महिलाओं की सुरक्षा आज भी चुनौती बनी हुई है। ऐसे में उत्तर-पूर्व जिला प्रशासन ने बेटियों और महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाने की पहल की है। उत्तर पूर्व जिले के डीसी कार्यालय परिसर में निशुल्क सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में काफी संख्या में छात्राएं और महिलाएं हिस्सा लेकर आत्मरक्षा की तकनीकें सीख रही हैं। प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को पाम स्ट्राइक, एल्बो स्ट्राइक, नी स्ट्राइक और प्रैक्टिकल जैसी तकनीकों का अभ्यास कराया। साथ ही समझाया कि किसी भी आपात स्थिति में घबराने के बजाय सूझबूझ और आत्मविश्वास से कैसे खुद को सुरक्षित रखा जा सकता है। जिला प्रशासन का कहना है कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए केवल कानून के भरोसे छोड़ना पर्याप्त नहीं है। बल्कि जरूरत इस बात की है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए खुद भी तैयार रहें। यह शिविर रोजाना शाम 5 से 6 बजे तक होगा। डीएम अजय कुमार ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी बेटियों और महिलाओं को इस प्रशिक्षण से जोड़ें।

फीस रेगुलेशन कमेटी पर हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने निजी स्कूलों की उस याचिका पर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है, जिसमें स्कूल स्तर पर फीस रेगुलेशन कमेटी (एसएलएफआरसी) बनाने संबंधी शिक्षा निदेशालय (डीओई) के सर्कुलर को चुनौती दी गई है। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ ने सरकार को नोटिस जारी करते हुए आपत्तियां दाखिल करने को कहा। मामले की अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी। निजी स्कूलों का कहना है कि हाईकोर्ट पहले ही मौजूदा शैक्षणिक सत्र के लिए एसएलएफआरसी बनाने के आदेश पर रोक लगा चुका है। इसके बावजूद शिक्षा निदेशालय ने 30 जून को नया सर्कुलर जारी कर फिर से कमेटी बनाने और फीस प्रस्ताव जमा करने के निर्देश दे दिए। स्कूलों ने अदालत से अनुरोध किया कि जब तक मामले का फैसला नहीं हो जाता, तब तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि यदि सरकार इस बीच कोई प्रतिकूल कार्रवाई करती है तो स्कूल दोबारा अदालत का रुख कर सकते हैं। यह मामला दिल्ली स्कूल एजुकेशन (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम, 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं से जुड़ा है।

सस्ती के लालच में जहर का खेल: नकली दवाओं का जाल, सरगना गिरफ्तार; 10 आरोपी दबोचे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली। पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराज्यीय नकली दवाइयों के निर्माण और सप्लाई करने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए उसके सरगना को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य साजिशकर्ता मोहम्मद अकदस सिद्दीकी (28) को उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से दबोचा है। इस गिरफ्तारी के साथ ही मामले में कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 10 हो गई है। सस्ती दवाइयों के नाम पर चल रहे इस खेल में मरीजों की जिंदगी से सीधा खिलवाड़ किया जा रहा था। जांच में सामने आया कि आरोपी सिद्दीकी इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड था, जिसने दिल्ली में नकली दवाइयों का अवैध निर्माण यूनिट संचालित कर रखा था। एक अप्रैल 2026 को क्राइम ब्रांच की छापेमारी के बाद वह फरार हो गया था और उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए गए थे। तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया। शुरूआती जांच में ही नेटवर्क के कई राज्यों तक फैले होने के संकेत मिले हैं। इससे पहले पुलिस इस मामले में नौ अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनमें दवा विक्रेता, सप्लायर, फर्जी जीएसटी फर्म उपलब्ध कराने वाले और बैंक खाताधारक शामिल हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह नामी कंपनियों की दवाइयों की नकली पैकेजिंग और लेबल तैयार कर कम लागत में दवाइयां बनाता था और उन्हें असली बताकर बाजार में सप्लाई करता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी जीवनरक्षक दवाइयों की नकली खेप को असली कीमत से करीब 60 प्रतिशत कम दाम पर बेचते थे, जिससे उनका नेटवर्क तेजी से फैलता गया। इस अवैध कारोबार से जहां कंपनियों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ, वहीं आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ भी किया गया। पुलिस अब इस गिरोह के अन्य लिंक, कच्चा माल सप्लायर और वितरण नेटवर्क की जांच कर रही है।

एमसीडी के 11 जोनों में वार्ड कमेटी अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पदों के लिए आम आदमी पार्टी ने किया नामांकन- अंकुश नारंग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के 12 जोनों में होने जा रहे वार्ड कमेटी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के लिए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों ने भी शुक्रवार को 11 जोनों में नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। सभी उम्मीदवारों ने सिविक सेंटर स्थित निगम सचिव कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया। इस बाबत जानकारी साझा कर एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि वार्ड कमेटी के साथ ही 4 जोन से स्थायी समिति सदस्य पद के लिए भी पार्टी के उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया है। उन्होंने सभी को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वार्ड कमेटी और स्थायी कमेटी सदस्य के चुनाव 15 जुलाई को आयोजित होंगे। मतदान संपन्न होने के बाद उसी दिन मतगणना होगी और परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। अंकुश नारंग ने कहा कि सभी 11 जोनों में आप पार्टी के चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन पद के प्रत्याशी बेहद मजबूत हैं। पार्टी पूरी एकजुटता और मजबूती के साथ यह चुनाव लड़ रही है। हमें अपने सभी प्रत्याशियों और पार्षदों पर पूरा विश्वास है कि उनके समर्थन और जनता के भरोसे के दम पर आप पार्टी वार्ड कमेटी और स्टैंडिंग कमेटी में शानदार जीत दर्ज करेगी। एमसीडी आप के सह-प्रभारी प्रवीण कुमार ने कहा कि भाजपा ने अपने इस कार्यकाल में चार इंजन की सरकार के जरिए दिल्ली का बुरा हाल कर दिया है। इससे पहले आम आदमी पार्टी के जो चेयरमैन रहे हैं, उन्होंने तमाम अड़चनों के बावजूद बहुत शानदार काम किया। इससे लोगों की आस्था आप में लगातार बढ़ी है। इसी के मद्देनजर आप ने दोबारा इस बार जोन चुनाव लड़ने का फैसला किया और हमारे कैंडिडेट ने दोबारा जोन चुनाव के लिए आज पर्चा भरा। चेयरमैन, डिप्टी चेयरमैन और जहां-जहां स्टैंडिंग कमेटी के पद रिक्त हैं, उन सभी जगहों पर स्टैंडिंग कमेटी के लिए हमारा पर्चा दाखिल हुआ है और हमें पूरी उम्मीद है कि हमारे जितने प्रत्याशी हैं, वे चाहे चेयरमैन हों, डिप्टी चेयरमैन हों या स्टैंडिंग कमेटी के हों, सब जगह जीत कर आएंगे। वे आप की राजनीति, अरविंद केजरीवाल की ईमानदार, काम करने और सच्चाई की राजनीति को मजबूत करेंगे। आप की संख्या घटने के सवाल पर प्रवीण कुमार ने कहा कि मुझे हंसी आती है, क्योंकि जिस पार्टी का आप नाम ले रहे हैं, उस तरह की कोई पार्टी नहीं थी। वह हमेशा भाजपा का ही प्रतिबिंब रही है और सिर्फ एक फोटो खिंचवाने के लिए, फोटोशूट के लिए आज वह फोटोशूट हुआ है, उसमें कोई नई बात नहीं है। वे लोग पहले से ही भाजपा में थे और आज भी उसमें हैं। इससे आप को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। आप बहुत मजबूत है और हमारे सभी जोन में जो चेयरमैन कैंडिडेट हैं, वे सारे बहुत मजबूत हैं। आप पूरी ताकत से जोन के चुनाव लड़ेगी और जीतेगी।

द्वारका बनेगा दिल्ली का आर्थिक हब, निवेश और रोजगार बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। डीडीए ने द्वारका उपनगर को देश की राजधानी का प्रमुख आर्थिक और व्यावसायिक केंद्र बनाने की दिशा में नई पहल शुरू की है। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू की अध्यक्षता में शुक्रवार को उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में द्वारका को निवेश, रोजगार और आधुनिक शहरी विकास का नया केंद्र बनाने पर चर्चा हुई। उपराज्यपाल ने कहा कि द्वारका का विकास ऐसा होना चाहिए जो पूरी तरह स्वच्छ, प्रदूषण-मुक्त और पर्यावरण के अनुकूल हो। ऐसे उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा जो स्थानीय लोगों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करें और दिल्ली की अर्थव्यवस्था को मजबूती दें। आर्थिक विकास का लाभ सीधे स्थानीय युवाओं और कामगारों तक पहुंचना चाहिए। बैठक में रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थकेयर, हॉस्पिटैलिटी और अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि एशिया के सबसे बड़े नियोजित उप-नगरों में शामिल द्वारका के पास इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की निकटता, एक्सप्रेसवे, मेट्रो और अन्य आधुनिक परिवहन सुविधाओं जैसी बड़ी ताकत है।

भाजपा ने ही तोड़े थे आप के पार्षद, आज इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी का मुखौटा भी उतर गया: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने यह बातें कही। उन्होंने कहा कि इंद्रप्रस्थ विकास

नई दिल्ली। पिछले एक साल से आम आदमी पार्टी जिस बात को कह रही थी, शुक्रवार को वह सच साबित हुई। शुक्रवार को इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी ने भाजपा में अपना विलय करके साबित कर दिया कि पिछले साल भाजपा ने ही आम आदमी पार्टी के पार्षदों को तोड़कर अलग पार्टी बनवाई थी। इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के भाजपा में विलय के बाद आम पार्टी का भाजपा में विलय की घटना कोई आश्चर्यजनक नहीं है। यह तो हमें पहले दिन से ही मालूम था कि इस तोड़फोड़ के पीछे भाजपा का ही हाथ है और वह किसी भी हालत में चोर दरवाजे से ही सही, एमसीडी की सत्ता अपने पास रखना चाहती है। आज इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के चेहरे से यह मुखौटा भी उतर गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सिर्फ दिल्ली की जनता को दिखाने के लिए आप में तोड़फोड़ के बाद एक अलग इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी बनवाई ताकि जनता इनसे नाराज न हो। इन्हें डर था कि लोग इन्हें कोसेंगी। इसलिए तीसरी पार्टी बनवा दी। उन्होंने कहा कि आप परिवार को छोड़कर भाजपा में अपनी पार्टी का विलय करने वाले लोगों ने दिल्ली की जनता के साथ धोखा किया है। दिल्लीवालों ने इन्हें भाजपा के खिलाफ अपना वोट देकर जिताया था, लेकिन ये भाजपा में ही चले गए। दिल्ली सब देख रही है और इस धोखे का जवाब जरूर देगी।

आईपीएल और जैन इरिगेशन मिलकर गुजरात में बढ़ाएंगे सतत गन्ना खेती

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) और जैन इरिगेशन सिस्टम्स लिमिटेड (जेआईएसएल) ने गुजरात में वैज्ञानिक एवं सतत गन्ना खेती को बढ़ावा देने के लिए समझौता (एमओयू) किया है। यह समझौता 8 जुलाई को नई दिल्ली स्थित आईपीएल के कॉर्पोरेट कार्यालय में संपन्न हुआ। समझौते के तहत दोनों संस्थाएं ड्रिप सिंचाई प्रणाली के सर्वेक्षण, डिजाइन, आपूर्ति और स्थापना के साथ किसान प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण तथा खेतों में प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित करेंगी। इसका उद्देश्य किसानों को आधुनिक सिंचाई, फर्टिगेशन और उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। साझेदारी के तहत जल उपयोग दक्षता बढ़ाने, गन्ने की उत्पादकता और गुणवत्ता सुधारने, जागरूकता कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं का आयोजन करने तथा पात्र किसानों को माइक्रो इरिगेशन प्रणाली अपनाने के लिए ऋण और अनुदान उपलब्ध कराने में भी सहयोग किया जाएगा। जेआईएसएल के स्टेट हेड (गुजरात) गिरधर लोह ने कहा कि यह पहल ड्रिप सिंचाई को बढ़ावा देकर खेती की लागत कम करेगी, जल संरक्षण सुनिश्चित करेगी और किसानों की आय बढ़ाने के साथ चीनी एवं जैव ईंधन क्षेत्र के सतत विकास में योगदान देगी। आईपीएल ने कहा कि यह साझेदारी आधुनिक तकनीक और व्यावहारिक समाधानों के माध्यम से गन्ना किसानों को सशक्त बनाने तथा गुजरात में टिकाऊ कृषि विकास को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बारिश के बाद बीमारियों का खतरा बढ़ा, सरकार पर बरसे देवेंद्र यादव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजधानी में लगातार बारिश के बाद जलभराव, कचरे के ढेर और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जलभराव और गंदगी के कारण डेंगू तथा मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि नगर निगम शहर की सफाई, नालों की देखरेख और जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने में विफल रहा है। उनका कहना था कि कई स्थानों पर नालों और सीवरों में जमा कचरे के कारण वर्षा का पानी नहीं निकल सका, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी नगर निगम के कार्यों पर ध्यान देने के बजाय राजनीतिक गतिविधियों में अधिक व्यस्त है। यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले किए गए बुनियादी सुविधाओं, सड़कों की मरम्मत, जल निकासी, अस्पतालों की व्यवस्था और यमुना की सफाई से जुड़े वादे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। देवेंद्र यादव ने कहा कि राजधानी के नागरिक महंगाई, बेरोजगारी, जलभराव और खराब नागरिक सुविधाओं जैसी अनेक समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने सरकार से राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप छोड़कर जनसुविधाओं में सुधार और वर्षा से उत्पन्न समस्याओं के स्थायी समाधान पर ध्यान देने की मांग की।

तीन महीने से फरार आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। नजफगढ़ में गोलीबारी की घटना से जुड़े मामले में वांछित आरोपी विवेक उर्फ खंजर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी करीब तीन महीने से फरार था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि विवेक नजफगढ़ थाने में दर्ज प्राथमिकी के संबंध में वांछित था। 23 अप्रैल को हुई गोलीबारी की घटना के बाद से वह गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। यह मामला संजय मलिक उर्फ संजू की शिकायत से जुड़ा है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि नजफगढ़ के रोशन गार्डन में उसके परिचित आयुष और गौरव उर्फ मसालेवाला तथा प्रिंस मित्तल के बीच हुए विवाद में हस्तक्षेप करने पर उसके पैर में गोली मार दी गई थी।

क्वेस कॉर्प और अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन की सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं नियमित विदेशी प्रवासन हेतु साझेदारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भारत। भारत की सबसे बड़ी और वैश्विक स्तर पर अग्रणी स्टाफिंग समाधान कंपनी क्वेस कॉर्प ने आज संयुक्त राष्ट्र की प्रवासन एजेंसी अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (IOM) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी का उद्देश्य विदेश में रोजगार की तलाश करने वाले श्रमिकों के लिए एक संगठित सहायता तंत्र विकसित करना है, जिसमें भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए सुरक्षित, नियमसम्मत और पारदर्शी प्रवासन मार्ग उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह पहल ऐसे समय में की गई है जब वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, निर्माण, लॉजिस्टिक्स और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में भारतीय और दक्षिण-पूर्व एशियाई कार्यबल की मांग लगातार बढ़ रही है। पिछले एक दशक में क्वेस ने 25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वर्तमान में एशिया के विभिन्न बाजारों में 4.8 लाख से अधिक कर्मचारियों के कार्यबल का प्रबंधन कर रही है। भारत, फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित अन्य वैश्विक बाजारों में अपनी उपस्थिति के साथ, क्वेस के पास सीमापार कार्यबल प्रबंधन का व्यापक अनुभव और परिचालन क्षमता है, जो एशिया में नैतिक श्रम गतिशीलता ढांचे को सुदृढ़ करने में सहायक होगी। भारत विश्व के सबसे बड़े प्रवासी समुदायों में से एक है, जहाँ भारतीय मूल के 3.5 करोड़ से अधिक लोग दुनिया भर में निवास करते हैं, जिनमें बड़ी संख्या प्रवासी श्रमिकों की है। वर्ष 2014 में शुरू की गई भारत सरकार की ई-माइग्रेट (e-Migrate) प्रणाली के माध्यम से अब तक 50 लाख से अधिक भारतीय श्रमिकों को, विशेषकर निम्न और अर्द्ध-कुशल श्रेणियों में, विदेशों में रोजगार प्राप्त हुआ है। यद्यपि भारत में भर्ती की एक विनियमित व्यवस्था मौजूद है, फिर भी विदेश मंत्रालय ने 3,000 से अधिक अनधिकृत भर्ती एजेंटों की पहचान की है, जिससे सुरक्षित, सुव्यवस्थित और नैतिक प्रवासन व्यवस्था की आवश्यकता स्पष्ट होती है। क्वेस कॉर्प की व्यापक कार्यबल विशेषज्ञता और प्रवासन प्रबंधन में IOM के वैश्विक अनुभव को एक साथ लाकर यह पहल भ्रामक सूचनाओं के स्थान पर सत्यापित, सुरक्षित और नियमित प्रवासन मार्ग उपलब्ध कराने का प्रयास करेगी। इस पहल के अंतर्गत टेली-माइग्रेंट रिसोर्स सेंटर (Tele-MRC) की स्थापना की जाएगी, जो एक राष्ट्रीय हेल्पलाइन के रूप में कार्य करेगा और प्रवासन की पूरी प्रक्रिया के दौरान–दस्तावेजीकरण, कानूनी प्रक्रियाओं, शिकायत निवारण सहित–कई भाषाओं में मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

संस्कृत का संरक्षण राष्ट्र के भविष्य में निवेश : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा है कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा नहीं, बल्कि भारत की सभ्यतागत चेतना और सांस्कृतिक पहचान की जीवंत आधारशिला है। उन्होंने कहा कि संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन का प्रत्येक प्रयास राष्ट्र के भविष्य में किया गया एक महत्वपूर्ण निवेश है। दिल्ली विधानसभा परिसर में संस्कृत महाकाव्य मंगल महर्षि चरितम् के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि संस्कृत विश्व की सबसे वैज्ञानिक और सुव्यवस्थित भाषाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि इसकी तार्किक व्याकरणिक संरचना आधुनिक संगणक प्रोग्रामिंग भाषाओं से उल्लेखनीय समानता रखती है, जिससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के युग में भी इसका महत्व निरंतर बढ़ रहा है। कार्यक्रम में संस्कृत एवं हिंदी के विद्वान परशुराम शर्मा द्वारा संपादित महाकाव्य का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर संस्कृत के विद्वान, साहित्यकार, विशिष्ट अतिथि तथा दिल्ली विधानसभा के अधिकारी भी उपस्थित रहे। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि मलयालम सहित अनेक भारतीय भाषाओं पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है, जो भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि को दशार्ता है। उन्होंने संस्कृत के अध्ययन और उसके व्यापक प्रयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि यह भाषा आज भी बौद्धिक चिंतन को दिशा देने और भारतीय भाषाओं को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि वेद, उपनिषद, पुराण, आयुर्वेद, अर्थशास्त्र, ज्योतिष तथा अन्य शास्त्रीय ग्रंथों ने भारत की दार्शनिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक परंपरा को विश्व में विशिष्ट पहचान दिलाई। विदेशी आक्रमणों और औपनिवेशिक शासन के लंबे दौर के बावजूद देश के ऋषियों, मनीषियों और विद्वानों ने इस अमूल्य विरासत को सुरक्षित रखा।

यथार्थ हॉस्पिटल ओमेगा 1 ने एडवांस्ड रोबोटिक व्हिपल सर्जरी कर 65 वर्षीय महिला को दिया नया जीवन

ग्रेटर नोएडा। यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पहली सफल रोबोटिक व्हिपल (pancreaticoduodenectomy) सर्जरी कर 65 वर्षीय महिला को नया जीवन दिया। प्रयागराज निवासी मरीज को लगातार पेट दर्द और पीलिया की शिकायत थी। जांच में उन्हें डिस्टल बाइल डक्ट कैंसर (पित्त नली का कैंसर) होने का पता चला। साथ ही उनकी हृदय की कार्यक्षमता भी कमजोर थी, जिससे यह सर्जरी अत्यंत जटिल और उच्च जोखिम वाली बन गई थी। इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को डॉ. मनोज गुप्ता, सीनियर डायरेक्टर एवं विभागाध्यक्ष झ्र रोबोटिक एवं लेप्रोस्कोपिक जीआई सर्जरी, जीआई ऑन्कोलॉजी एवं लिवर ट्रांसप्लांट, तथा उनकी टीम ने latest रोबोटिक तकनीक की सहायता से सफलतापूर्वक पूरा किया। ऑपरेशन के बाद मरीज की रिकवरी सामान्य रही और अब वह स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जी रही हैं। मरीज अस्पताल में लगातार पेट दर्द और पीलिया की समस्या लेकर पहुंची थीं। विस्तृत जांच और आधुनिक इमेजिंग तकनीकों से यह पुष्टि हुई कि उन्हें डिस्टल बाइल डक्ट कैंसर है। मरीज की उम्र और कमजोर हृदय की स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञों ने पारंपरिक ओपन सर्जरी की बजाय रोबोटिक सर्जरी का विकल्प चुना, जिससे सर्जरी अधिक सुरक्षित, सटीक और कम जोखिम वाली हो सके। व्हिपल सर्जरी को गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी की सबसे जटिल प्रक्रियाओं में से एक माना जाता है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 11 जुलाई, 2026

संक्षिप्त खबरें

फर्जी दस्तावेज से मैड्रिड पहुंचा भारतीय, केस दर्ज

नई दिल्ली। फर्जी दस्तावेज के सहारे स्पेन जाने के आरोप में हरियाणा के कुरुक्षेत्र निवासी 24 वर्षीय रवि के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज किया है। रवि को स्पेन की राजधानी मैड्रिड के एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन जांच के दौरान फर्जी पोलिश रेजिडेंट परमिट के साथ पकड़ा गया। स्पेनिश इमिग्रेशन अधिकारियों ने दस्तावेजों की जांच में फर्जीवाड़ा सामने आने पर उसे देश में प्रवेश देने से इनकार कर दिया और इनएडमिसिबल यात्री के रूप में भारत वापस भेज दिया। सात जुलाई की रात रवि कतर एयरवेज की उड़ान से दिल्ली पहुंचा, जहां एयरलाइंस कर्मचारियों ने उसे आईजीआई एयरपोर्ट के डिपोर्टी सेल को सौंप दिया। जांच के दौरान भारतीय अधिकारियों को स्पेन इमिग्रेशन की रिपोर्ट मिली, जिसमें स्पष्ट किया गया कि रवि द्वारा प्रस्तुत पोलिश रेजिडेंट परमिट फर्जी था। स्पेनिश अधिकारियों ने मूल दस्तावेज जब्त कर लिया, जबकि उसकी प्रति भारतीय एजेंसियों को उपलब्ध कराई गई। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि रवि तीन जुलाई को दिल्ली से मैड्रिड के लिए रवाना हुआ था।

लगातार बारिश से दिल्ली बेहाल, सरकार पर बरसे परमानन्द शर्मा

नई दिल्ली। राम नगर वार्ड से कांग्रेस के पूर्व निगम प्रत्याशी परमानन्द शर्मा ने लगातार हो रही बारिश के बाद राजधानी में जलभराव और भीषण यातायात जाम को लेकर दिल्ली सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मानसून से पहले किए गए जलभराव रोकने के दावे लगातार बारिश के बीच धरातल पर असफल साबित हुए हैं। परमानन्द शर्मा ने कहा कि राजधानी के अनेक प्रमुख मार्गों, बाजारों और निचले इलाकों में पानी भरने से वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई और लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि जल निकासी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति बारिश के दौरान सामने आ गई। उन्होंने बताया कि लगातार वर्षा के कारण अनेक स्थानों पर जलभराव से यातायात गंभीर रूप से प्रभावित हुआ। यातायात पुलिस की सलाह के बावजूद लोगों को लंबे समय तक जाम का सामना करना पड़ा। शर्मा ने कहा कि विशेष रूप से यमुनापार के क्षेत्रों में स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण रही, जबकि कई अभिभावकों ने जलभराव के कारण बच्चों को विद्यालय नहीं भेजा।

घर में भरे पानी में डूबने से युवक की मौत

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के सुंदर नगरी इलाके में गुरुवार को घर के अंदर भरे बारिश के पानी में डूबने से धीरज नामक युवक की मौत हो गई। धीरज पेशे से कारपेंटर थे और सुंदर नगरी के एफ-ब्लॉक स्थित एक मकान में अकेले रहते थे। उनका मकान गली के जमीनी स्तर से करीब ढाई फुट नीचे बना था, जिससे गुरुवार सुबह हुई भारी बारिश का सारा पानी सीधे उनके घर में घुस गया। सुबह धीरज ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर जलभराव का वीडियो भी बनाया था, लेकिन शाम को जब बारिश रुकी तो वे घर से पानी निकालने लगे। इसी दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वे गिरकर चोटिल हो गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, संभवतः युवक ने शराब पी रखी थी, जिस वजह से चोट लगने के बाद वे उठ नहीं पाए और घर में भरे ढाई फुट पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई। शाम करीब 5 बजे पड़ोसी ने गेट के अंदर धीरज को अचेत देखा, जिसके बाद पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल भेजकर मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

नवजात शिशुओं की खरीद-बिक्री में दस और गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिला पुलिस ने नवजात शिशुओं की खरीद-बिक्री में दस और लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें बेचने वाले बच्चे के माता-पिता और खरीदने वाले भी शामिल हैं। अब तक पुलिस कुल 23 लोगों को गिरफ्तार कर नौ बच्चों को बरामद कर चुकी है। एडिशनल डीसीपी प्रशांत चौधरी ने बताया कि पांच जून को नवजात शिशुओं की खरीदफरोख्त करने वाले गिरोह की गिरफ्तारी शुरू हुई थी। पुलिस ने गिरोह की महिला सरगना डाक्टर विवेकी अग्रवाल, बच्चा मुहैया कराने वाला साया भाई घामर उर्फ कालिया समेत 13 लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने पहले चरण में पांच नवजात शिशुओं को भी बरामद किया था। गिरफ्तार लोगों में दो दंपति भी शामिल थे जिन्होंने बच्चा खरीदा था। मामले की जांच कर रही एसआईटी में एसीपी ऑपरेशंस, एसीपी पहाड़गंज सहित इंस्पेक्टर और एसआई शामिल हैं। टीम ने पछताछ के आधार पर आगे छापेमारी जारी रखी और अगले चरण में ज्योति नाम की आशा कर्मी को गिरफ्तार किया।

राम मंदिर के डकैतों को सजा दिलाने के लिए रविवार को सुंदरकांड पाठ कर सिग्नेचर कैंपेन की शुरूआत करेगी आप- केजरीवाल

- रोहिण सेक्टर 10 के जापानी पार्क में रविवार सुबह 10 बजे सुंदरकांड पाठ के बाद देश भर सिग्नेचर कैंपेन चलाया जाएगा- केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राम मंदिर में डकैती डालने वाले महा पापियों को सजा दिलवाने को लेकर रविवार को सुंदरकांड पाठ कराने और देश भर में सिग्नेचर कैंपेन चलाने की घोषणा की। रविवार को दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-10 स्थित जेएमडी टेंट, जापानी पार्क में सुबह 10 बजे सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद हनुमान जी का आशीर्वाद लेकर देश भर में सिग्नेचर कैंपेन चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों का घटनाक्रम दशार्ता है कि राम मंदिर में डकैती करने वाले महा पापियों को मोदी सरकार बचाने में लगी है। जबकि सनातन के इन गुनहगारों को फांसी मिलनी चाहिए थी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब हर सनातनी हिंदू का धर्म है कि इन महा पापियों को सजा दिलवाने के लिए अपने आप को समर्पित करे। जो लोग इन पापियों को सजा दिलवाने के लिए प्रयास करेंगे, प्रभु श्री राम उनका और उनके परिवार का कल्याण करेंगे। इसके लिए इस रविवार को दिल्ली में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है। आप सब लोग अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें। पाठ के बाद इस पर चर्चा होगी कि प्रभु श्री राम के गुनहगारों को सजा दिलवाने के लिए क्या प्रयास करने हैं। सिग्नेचर कैंपेन में एक लेटर पर राम भक्त साइन करेंगे, जो प्रधानमंत्री को भेजे जाएंगे। आप मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले कुछ दिनों का घटनाक्रम यह दिखाता है कि मोदी सरकार ऊपर से नीचे तक पूरी तरह से उन लोगों को बचाने की कोशिश कर रही है, जिन्होंने श्री रामचंद्र जी के घर में चोरी और डकैती करने का महापाप किया। वहां जमीनों के बड़े-बड़े घोटाले हुए, जिसके सारे कागज मौजूद हैं। 2 करोड़ रुपए की जमीन मंदिर ट्रस्ट ने 18 करोड़ रुपए में खरीदी। सारे कागज मौजूद होने के बावजूद उस पर कोई जांच नहीं हो रही है, कोई एफआईआर नहीं हो रही है और किसी को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि निर्माण कार्यों में किन कंपनियों को ठेके दिए गए, इस पर खुले आरोप लग रहे हैं। उनके इंजीनियर कह रहे हैं कि कंस्ट्रक्शन में 40 फीसद कमीशन मांगा जाता था, लेकिन उसकी कोई जांच नहीं हो रही है। इतने बड़े स्तर पर चढ़ावे की चोरी हुई, सीसीटीवी कैमरे के अंदर इतनी सारी घटनाएं कैद हुई, लेकिन उसकी भी कोई जांच नहीं हो रही है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आठ छोटे लोगों को पकड़कर जेल में डाल दिया गया है और बाकी सभी बड़े लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में अब जनता को आवाज उठानी पड़ेगी और प्रभु की शरण में जाना होगा। इसलिए इस 12 जुलाई, रविवार को सुबह 10 बजे जेएमडी टेंट, जापानी पार्क, सेक्टर 10, रोहिणी में हम लोग सुंदरकांड का पाठ करेंगे। सभी श्रद्धालुओं और राम भक्तों से निवेदन है कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में वहां पहुंचें। सुंदरकांड पाठ के बाद हनुमान जी का आशीर्वाद लेकर एक सिग्नेचर कैंपेन शुरू किया जाएगा। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि यह सिग्नेचर कैंपेन देश भर में चलाया जाएगा। यह केवल आम आदमी पार्टी का सिग्नेचर कैंपेन नहीं है, बल्कि जहां-जहां राम भक्त और श्रद्धालु हैं, जो इस पूरे घटनाक्रम से आहत हैं, वे सभी यह कैंपेन करेंगे।

अलीपुर में देर रात दो गोदामों में लगी आग, घंटों चला दमकल का अभियान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के अलीपुर इलाके में गुरुवार देर रात दो गोदामों में आग लगने से इलाके में अफरातफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में दोनों गोदाम इसकी चपेट में आ गए। गोदामों में रखा भारी मात्रा में फॉयल पेपर और कार्डबोर्ड रोल जलकर राख हो गया। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली दमकल विभाग के जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र अटवाल ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार रात करीब एक बजे अलीपुर स्थित वाली गली के गली नंबर-10 में एक गोदाम में आग लगने की सूचना कंट्रोल रूम को मिली। सूचना मिलते ही छह गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों के मौके पर पहुंचने तक आग टिन शेड के नीचे रखे ज्वलनशील सामान में तेजी से फैल चुकी थी। हालात की गंभीरता को देखते हुए रात 1:20 बजे सात और गाड़ियों को रवाना किया गया। आग की भयावहता को देखते हुए रात 2:05 बजे इसे मेक-6 कॉल घोषित कर दिया गया। दमकल अधिकारियों के अनुसार शुरूआती जांच में आग करीब 150 वर्ग गज क्षेत्र में बने टिन शेड के नीचे रखे फॉयल पेपर रोल्स में लगी थी, लेकिन कुछ ही देर में यह पास के दूसरे गोदाम तक फैल गई। रात करीब 2:28 बजे मंडल अधिकारी राजेश कुमार ने मुख्यालय को सूचना दी कि आग दो अलग-अलग गोदामों में फैल चुकी है और अतिरिक्त अधिकारी की जरूरत है। इसके बाद एडीओ ए.के. शर्मा को भी मौके पर भेजा गया। दर्जनों दमकल कर्मियों ने लगातार कई घंटे तक आग बुझाने का अभियान चलाया। आखिरकार सुबह करीब तीन बजे आग पर पूरी तरह काबू पाने का संदेश मुख्यालय को भेजा गया। इसके बाद सुबह 3:15 बजे अंतिम स्टॉप फायर संदेश जारी किया गया। आग बुझने के बाद भी दमकल कर्मियों ने लंबे समय तक कूलिंग ऑपरेशन जारी रखा, ताकि टिन शेड के नीचे रखे फॉयल पेपर और कार्डबोर्ड रोल्स में दोबारा आग न भड़क सके। घटना में दोनों गोदामों में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। दमकल विभाग और संबंधित एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं।

नजफगढ़ स्विमिंग पूल हादसे में नया मोड़, सीसीटीवी और लाइसेंस पर उठे सवाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के नजफगढ़ स्थित भोली राम पब्लिक स्कूल के तैराकी कुंड में 26 वर्षीय राहुल राय की डूबने से हुई मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। घटना के 24 घंटे बाद भी पुलिस यह स्पष्ट नहीं कर सकी है कि तैराकी कुंड का संचालन करने वाली संस्था के पास आवश्यक वैधानिक अनुमति और लाइसेंस था या नहीं। वहीं, मृतक के परिजनों ने साक्ष्य छिपाने का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद तैराकी कुंड के आसपास लगे निगरानी कैमरे रातोंरात हटा दिए गए। गुरुवार सुबह जब स्थानीय लोगों और परिजनों ने घटना से संबंधित दृश्य अभिलेख देखने की मांग की, तब विद्यालय प्रबंधन और तैराकी कुंड संचालित करने वाली संस्था के प्रतिनिधियों ने दावा किया कि वहां कोई निगरानी कैमरा लगा ही नहीं था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस जवाब के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान कैमरों के लगे होने के निशान दिखाई दिए, जबकि कैमरे अपनी जगह पर नहीं मिले। बाद में विद्यालय के एक भंडार कक्ष से एक थैले और डिब्बे में निगरानी प्रणाली का अभिलेख रिकॉर्ड करने वाला उपकरण, तार और अन्य सामग्री बरामद हुई, जिसे लोगों ने पुलिस को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि बरामद उपकरण की तकनीकी जांच कराई जाएगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसमें घटना से संबंधित कोई दृश्य अभिलेख सुरक्षित है या नहीं। वहीं, पुलिस अभी तक यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि तैराकी कुंड का संचालन निर्धारित नियमों और आवश्यक अनुमति के अनुरूप किया जा रहा था या नहीं। मृतक के रिश्तेदार कृष्ण ने बताया कि राहुल राय नियमित रूप से तैराकी करते थे और अच्छे तैराक थे। उनका कहना है कि जिस परिस्थिति में राहुल की मृत्यु हुई, उसने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जापान से लौटा शख्स का आईजीआई एयरपोर्ट से लापता

नई दिल्ली। जापान से लौटे 42 वर्षीय भारतीय नागरिक मोहन प्रसाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए हैं। देहरादून के अजबपुर कलां निवासी मोहन प्रसाद ने परिवार को 18 मई को भारत आने की बात कही थी, लेकिन वे घर नहीं पहुंचे। शुरूआती जांच में जापानी दूतावास से पता चला कि वे निर्धारित समय से पहले, 28 अप्रैल की रात करीब 11 बजे ही आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर पहुंच चुके थे, जिसके बाद से उनका मोबाइल फोन बंद है। पति के न मिलने पर पत्नी राखी पैन्यूली ने अपहरण की आशंका जताई है। मामले में पहले देहरादून के नेहरू कॉलोनी थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसे बाद में जांच के लिए दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट थाने भेजा गया। पुलिस ने अब भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(3) के तहत अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुराने दोपहिया वाहन को जब्त करने वाला फर्जी कर्मी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पहाड़गंज पुलिस ने नकली एमसीडी कर्मचारी बन कर 15 साल पुराने दोपहिया वाहनों को जब्त करने शख्स को तीन जुलाई को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी से चोरी के वाहनों को खरीदने वाले कबाड़ी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस से पूछताछ में मुख्य आरोपी ने 15 स्कूटी चोरी कर कबाड़ में बेचने की बात स्वीकार की है। एडिशनल डीसीपी प्रशांत चौधरी ने बताया कि 20 जून को संगतराशन स्थित घर के सामने खड़ी 15 साल पुरानी स्कूटी गायब हो गई। पीड़ित को दीवार पर एमसीडी का कागज चिपका हुआ मिला जिसमें स्कूटी पुरानी हो जाने की वजह से जब्त करने की बात कही गई थी। जब पीड़ित करोल बाग जोन पहुंचा तो मालूम हुआ कि उन्होंने ऐसी कोई भी रेड नहीं की थी। फिर पीड़ित ने पहाड़गंज थाने में शिकायत दी। संगतराशन चौकी प्रभारी एसआई श्रीनारायण ओझा की टीम ने जांच शुरू की। पुलिस को स्कूटी लेकर जा रहे शख्स की फुटेज मिल गई। एमसीडी का कागज लगाया गया था उसमें एक स्क्रैप कंपनी का नाम भी लिखा था। पुलिस टीम ने कंपनी से सम्पर्क साधा और फुटेज दिखाई तो उसकी पहचान अदनान सैफी के तौर पर की। दरअसल कंपनी अधिकृत तौर पर 15 साल पुराने वाहनों को खरीदती थी और अदनान पहले काम करता था।

जलभराव पर सरकार को कांग्रेस ने घेरा

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने लगातार हो रही बारिश के बाद राजधानी में जलभराव और यातायात अव्यवस्था को लेकर दिल्ली सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार के दावे और जमीनी स्थिति में बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है। डॉ. नरेश कुमार ने आरोप लगाया कि कम बारिश में ही राजधानी के अनेक मार्ग, अंडरपास और प्रमुख चौराहे जलमग्न हो गए, जिससे लोगों को लंबे समय तक यातायात जाम का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पहले जलभराव वाले 169 स्थानों की पहचान का दावा किया गया था, जबकि अब केवल 45 स्थानों का उल्लेख किया जा रहा है, जिससे सरकारी आंकड़ों पर सवाल खड़े होते हैं।

बाल सुरक्षा माह में 17 स्कूलों तक पहुंची पहल, 10 हजार से अधिक छात्र हुए जागरूक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे ह्यबाल सुरक्षा जागरूकता माहह्व के तहत अभियान अब व्यापक रूप लेता जा रहा है। इसी कड़ी में महिला सुरक्षा इकाई द्वारा 17 विद्यालयों में आयोजित विशेष कार्यक्रमों ने हजारों छात्रों तक सीधी पहुंच बनाते हुए उन्हें जागरूक और सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। इन कार्यक्रमों में 10,098 छात्र-छात्राओं ने भाग लेते हुए न केवल आत्मरक्षा के व्यावहारिक गुर सीखे, बल्कि रोजमर्रा के जीवन से जुड़े खतरों और उनसे निपटने के उपायों को भी समझा। साइबर अपराधों के बढ़ते दायरे, मानसिक दबाव की चुनौतियों और अच्छा स्पर्श-बुरा स्पर्श जैसे संवेदनशील मुद्दों पर विशेषज्ञों ने सरल और प्रभावी ढंग से बच्चों को जागरूक किया। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान बच्चों को ऐसी परिस्थितियों के उदाहरण दिए गए, जिनका सामना वे कभी भी कर सकते हैं। उन्हें सिखाया गया कि खतरे की स्थिति में घबराने के बजाय सतर्कता और आत्मविश्वास के साथ कैसे प्रतिक्रिया दी जाए। आत्मरक्षा के आसान और कारगर तरीके बताते हुए बच्चों में आत्मविश्वास जगाने पर विशेष जोर दिया गया। अभियान के माध्यम से यह संदेश भी स्पष्ट किया गया कि बच्चों की सुरक्षा केवल परिवार या स्कूल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

दिल्ली में जनगणना ड्यूटी का दबाव! सरकारी शिक्षक ने की आत्महत्या की कोशिश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

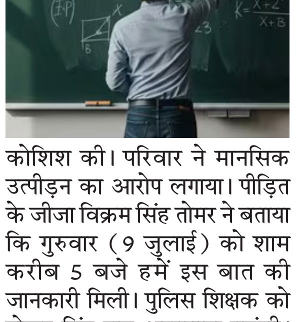

नई दिल्ली। दिल्ली में एक सरकारी शिक्षक द्वारा कथित तौर पर जनगणना ड्यूटी के दबाव के कारण आत्महत्या की कोशिश करने का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि शिक्षक को लगातार काम का दबाव और मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही थी, जिसकी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया। परिवार ने मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल शिक्षक का इलाज चल रहा है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच कर रहे हैं। अधिकारियों की ओर से अभी तक आरोपों पर विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जनगणना ड्यूटी के दबाव के कारण सरकारी टीचर ने कथित तौर पर आत्महत्या की कोशिश की। परिवार ने मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया। पीड़ित के जीजा विक्रम सिंह तोमर ने बताया कि गुरुवार (9 जुलाई) को शाम करीब 5 बजे हमें इस बात की जानकारी मिली। पुलिस शिक्षक को लेकर हिंदु राव अस्पताल पहुंची। जिसके बाद सेंट स्टीफन अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि पीड़ित शिक्षक अस्थमा के मरीज थे और पिछले 2-2.5 साल से इलाज करवा रहे थे, उन्हें काम पर सीनियर अधिकारियों से बहुत ज्यादा परेशान किया गया। मेडिकल लीव के लिए आवेदन करने के बावजूद उनकी अर्जी नामंजूर कर दी गई और उन पर काम जारी रखने का दबाव डाला गया। इस मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के कारण शिक्षक ने स्कूल की इमारत से कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की। हालांकि वे गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद बच गए, लेकिन परिवार चाहता है कि भविष्य में ऐसी प्रताड़ना को रोकने के लिए कार्रवाई की जाए। विक्रम ने बताया कि वे शास्त्री नगर में रहते थे और एमसीडी के अधीन कार्यरत थे। वे सर्वोदय विद्यालय में शिक्षक थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बच्चे हैं। एक लड़का और एक लड़की। उन्होंने कई बार जिक्र किया था कि उन पर दबाव डाला जा रहा है और वे इस समय ड्यूटी के लिए फिट नहीं हैं, लेकिन उन्हें दबाव में काम करने के लिए मजबूर किया गया था।

जलभराव से निपटने को सरकार सतर्क : विनोद जायस

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के उत्तर पूर्वी जिले के पूर्व उपाध्यक्ष ठाकुर विनोद जायस ने कहा है कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने व्यापक तैयारियां की हैं। उन्होंने दावा किया कि राजधानी में संभावित जलभराव वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकतानुसार तत्काल कार्रवाई की जा रही है। विनोद जायस ने बताया कि सरकार ने जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए पूरे शहर में 200 रखरखाव दल तैनात किए हैं। प्रत्येक संवेदनशील स्थान के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जबकि लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को लगातार निगरानी रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर यातायात का मार्ग परिवर्तित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि पानी का स्तर 6 से 8 इंच तक पहुंचते ही पंप चालू करने की व्यवस्था की गई है।

इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी का भाजपा में विलय, मुकेश गोयल समेत 15 सदस्य हुए शामिल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की राजनीति में बड़ा बदलाव हुआ। शुक्रवार को इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के संयोजक मुकेश गोयल समेत पार्टी के 15 सदस्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सभी पार्षदों को भाजपा का पटका पहनाकर पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी के संयोजक मुकेश गोयल, हेमचंद तथा अन्य पार्षदों का भाजपा परिवार में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में चार इंजन की सरकार कार्य कर रही है। ऐसे में इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी का भाजपा में विलय पूरी दिल्ली के लिए शुभ संकेत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्ता सुख भोगने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता की सेवा की सेवा करने का मंच है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ दिल्ली के निर्माण तथा भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को सफल बनाने के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

चेक अनादरण मामले में अभिनेता राजपाल यादव को 3 महीने की जेल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने चेक अनादरण मामले में अभिनेता राजपाल यादव को बड़ा झटका देते हुए 3 महीने के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने माना कि बार-बार अवसर और आश्वासन दिए जाने के बावजूद उन्होंने बकाया राशि का भुगतान नहीं किया। यह फैसला न्यायमूर्ति स्वर्णा कांता शर्मा की एकल पीठ ने एमएस मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से दायर याचिका पर सुनाया। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि राजपाल यादव को कई अवसर दिए गए, लेकिन उन्होंने कंपनी का बकाया चुकाने के अपने आश्वासन का पालन नहीं किया। न्याया ने यह भी उल्लेख किया कि इससे पहले मई 2024 में एक सत्र न्यायालय ने इसी मामले में राजपाल यादव को 6 महीने के कारावास की सजा सुनाई थी। बाद में दिल्ली उच्च न्यायालय ने उस सजा पर रोक लगा दी थी, क्योंकि अभिनेता की ओर से यह भरोसा दिलाया गया था कि दोनों पक्ष आपसी समझौते के माध्यम से विवाद का समाधान कर लेंगे। इसके बाद मामले को न्यायालय के मध्यस्थता केंद्र भी भेजा गया था, ताकि दोनों पक्षों के बीच सहमति बन सके। हालांकि, न्यायालय के समक्ष यह तथ्य सामने आया कि समझौते और भुगतान को लेकर बार-बार दिए गए आश्वासनों के बावजूद बकाया राशि जमा नहीं कराई गई।

दिल्ली में महिलाओं की नि:शुल्क बस यात्रा के नियम बदले, 1 अगस्त से सहेली कार्ड अनिवार्य

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में महिलाओं की निःशुल्क बस यात्रा व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया गया है। दिल्ली परिवहन निगम ने नया परिपत्र जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि 1 अगस्त से सरकारी बसों में निःशुल्क यात्रा का लाभ केवल उन महिलाओं और तृतीय लिंग यात्रियों को मिलेगा, जिनके पास गुलाबी सहेली परिचय पत्र होगा। इसके साथ ही वर्तमान में प्रचलित कागजी गुलाबी यात्रा पर्ची व्यवस्था को 31 जुलाई के बाद पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा। दिल्ली परिवहन निगम के अनुसार, 1 अगस्त से महिलाओं को बस में प्रवेश करते समय अपने गुलाबी सहेली परिचय पत्र का उपयोग करना होगा। यह व्यवस्था दिल्ली परिवहन निगम तथा समूह बसों, दोनों पर समान रूप से लागू होगी। परिचय पत्र नहीं होने की स्थिति में यात्रियों को सामान्य किराया देकर यात्रा करनी होगी, क्योंकि 31 जुलाई के बाद कागजी गुलाबी यात्रा पर्ची जारी नहीं की जाएगी। सरकार का कहना है कि इस नई व्यवस्था का उद्देश्य निःशुल्क यात्रा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुविधाजनक और तकनीक आधारित बनाना है। इससे कागजी पर्चियों पर निर्भरता समाप्त होगी तथा यात्रा संबंधी अभिलेखों का बेहतर प्रबंधन संभव हो सकेगा। परिवहन मंत्री पंकज सिंह के अनुसार, अब तक दिल्ली में 14 लाख से अधिक गुलाबी सहेली परिचय पत्र जारी किए जा चुके हैं। राजधानी में लगभग 73 वितरण केंद्रों के माध्यम से प्रतिदिन करीब 11,000 परिचय पत्र बनाए जा रहे हैं। सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक पात्र महिलाओं तक यह सुविधा समय रहते पहुंचाना है, ताकि किसी भी यात्री को निःशुल्क यात्रा से वंचित न होना पड़े।

ट्रैफिक पुलिस का बड़ा अभियान: छह महीने में 48 लाख से ज्यादा चालान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी में ट्रैफिक व्यवस्था को सुरक्षित, स्मार्ट और सुगम बनाने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इस वर्ष कई बड़े कदम उठाए हैं। सड़कों पर जाम कम करने से लेकर सिग्नल-फ्री कॉरिडोर विकसित करने, आधुनिक तकनीक के जरिए चालान करने, सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने और आम लोगों की भागीदारी बढ़ाने तक कई मोर्चों पर काम किया गया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस का दावा है कि इन प्रयासों से राजधानी में यातायात व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। छह महीने में 48.42 लाख चालान, 17 लाख से ज्यादा ई-चालानदिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन पर 48,42,953 चालान जारी किए गए हैं। पिछले वर्ष इसी अवधि में यह संख्या 47,52,173 थी। इसके अलावा रेड लाइट वायलेशन डिटेक्शन और ओवर स्पीड वायलेशन डिटेक्शन जैसी तकनीक आधारित प्रणालियों के माध्यम से 17,21,221 ई-चालान जारी किए गए। खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के मामलों में 2,187 एफआईआर भी दर्ज की गई हैं। आठ प्रमुख सड़कें बनीं सिग्नल-फ्री यात्रा का समय कम करने और जाम से राहत दिलाने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने राजधानी में आठ प्रमुख मार्गों को सिग्नल-फ्री बनाने में अहम भूमिका निभाई। इनमें छह कॉरिडोर उत्तरी रेंज और दो पूर्वी रेंज में विकसित किए गए हैं। इन मार्गों पर अनावश्यक ट्रैफिक सिग्नल हटाए गए, यू-टर्न की व्यवस्था की गई, अवैध मीडियन कट बंद किए गए और चौराहों का पुनर्गठन किया गया। इससे ट्रैफिक का प्रवाह बेहतर हुआ और लोगों की यात्रा अधिक सुगम बनी। एनएसपी से रिठाला मेट्रो स्टेशन और विकास मार्ग (लक्ष्मी नगर से कड़कड़ी मोड़) जैसे मार्गों पर इसका सकारात्मक असर साफ दिखाई देने लगा है। कई बड़े जाम वाले इलाकों में मिला समाधान दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने पीडब्ल्यूडी, एमसीडी, एनएचएआई, डीएमआरसी और डीटीसी जैसी एजेंसियों के साथ मिलकर शहर के कई संवेदनशील ट्रैफिक प्वाइंट पर सुधार कार्य कराए।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

गुरुग्राम-फरीदाबाद

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 11 जुलाई, 2026

गुरुग्राम एनकाउंटर में ढेर शूटर्स पर चौंकाने वाले खुलासे

एक जेवलिन थ्रो प्लेयर, दूसरा कांवड़ लाने की कहकर निकला; पिता बोले-टांग में मार देते गोली

प्रात : किरण संवाददाता

मृतक शूटर नितिन

मृतक शूटर दीपा

गुरुग्राम। एनकाउंटर में मारे गए चारों शूटर्स अंकित, नितिन और आर्यन और संदीप उर्फ दीपा के बारे में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। अंकित, नितिन और आर्यन रोहतक के गांव भालोट के रहने थे, जबकि दीपा फतेहाबाद का निवासी था। शुक्रवार की सुबह परिवार को पुलिस ने चौकीदार भेजकर चारों के एनकाउंटर की सूचना दी। बेटों की मौत की खबर मिलते ही परिवार के होश उड़ गए। तुरंत ही सारा काम छोड़कर परिवार के लोग गुरुग्राम पहुंचे। यहां पता चला कि पुलिस ने देर रात चारों को दीपक नांदल गैंग का शॉर्प शूटर बताकर एनकाउंटर में मार गिराया। मगर, परिवार ने लोगों ने इस पर सवाल खड़ा किया। आर्यन के पिता प्रदीप फोगाट ने बताया कि उसका बेटा जेवलिन थ्रो का खिलाड़ी था। वह दो दिन पहले घर से गया था। इसके बाद से उसका फोन नहीं मिला। कहा कि मेरा बच्चा नादान था। उसे एक मौका तो मिलना चाहिए था। गोली टांग में भी लग सकती थी, छाती में नहीं मारनी चाहिए थी। वहीं, अंकित के पिता अनिल ने बताया कि उसका दो दिन पहले कांवड़ लाने की बात कहकर घर से निकला था। आज सुबह एनकाउंटर की जानकारी मिली। केवल फतेहाबाद के संदीप उर्फ दीपा पर 14 मुकदमे दर्ज मिले हैं। नितिन के बारे में भी रोहतक पुलिस ने जानकारी दी है कि वह कुछ दिन पहले मुठभेड़ में पकड़ा गया था। मामला क्या था? इसकी जानकारी पुलिस ने नहीं दी। 17 साल का था बेटा, जेवलिन खेलता था : प्रदीप ने बताया कि वह भालोट गांव का रहने वाला हैं। कल रात को जो एनकाउंटर हुआ है, उसमें मेरा 17 साल का बेटा भी था। उसका नाम आर्यन है और वह जेवलिन (भाला फेंक) का खिलाड़ी था। वह 2 साल से प्रैक्टिस कर रहा था, और वह अच्छी पकड़ हो गई थी और वह 55-60 मीटर फेंक रहा था। वह 12वीं क्लास में पढ़ रहा था। दो दिन पहले बाइक ठीक कराने घर से निकला था : प्रदीप ने आगे बताया कि दो दिन पहले उसकी बाइक खराब हो गई थी। वह बाइक ठीक करवाने के लिए गांव के बस स्टैंड पर गया था। इसके बाद उसका पता नहीं चला। मालूमात करने पर पता चला कि वह नितिन के साथ गया था। आर्यन के पास मोबाइल नहीं था। इस वजह से नितिन के नंबर पर ट्राई किया, लेकिन मोबाइल बंद आता रहा। सुबह सरपंच ने एनकाउंटर की जानकारी दी : प्रदीप ने बताया कि शुक्रवार की सुबह एसएचओ के जरिए गांव के सरपंच को जानकारी मिली, तब उन्होंने हमें बताया। बेटे का इससे पहले कोई कनेक्शन नहीं था। मुझे न्यूज से पता चला कि कोई दीपक नांदल है, जिसके गैंग से बेटे का संपर्क बताया गया। प्रदीप ने बताया कि दीपक का नाम भी पहली बार सुना है। बेटे को एक मौका मिलना चाहिए था, टांग में मार देते गोली : प्रदीप ने आगे कहा कि मेरे बच्चे को एक मौका मिलना चाहिए था। गोली टांग में भी लग सकती थी। छाती में नहीं मारनी चाहिए थी। मैं दो दिन से पुलिस स्टेशन के चक्कर काट रहा था, लेकिन वहां पर कोई सुनवाई नहीं हुई। रिपोर्ट पर यह बात हुई कि एक दिन वेट कर लो, हो सकता है कहीं घूमने गया हो और वापस आ जाए। बच्चों को बहकाने वाले गैंगस्टरों पर हो कार्रवाई : प्रदीप ने कहा कि बच्चे बहकावे में आ जाते हैं। इनको किसी भी चीज का लोभ देकर फंसा लिया जाता है।

गुरुग्राम कोर्ट के शिफ्टिंग का रास्ता साफ

हाईकोर्ट ने टावर ऑफ जस्टिस में ट्रांसफर की दी अनुमति; पर्यावरण-फायर ठठउ का इंतजार

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। के नए न्यायिक परिसर टावर ऑफ जस्टिस में जिला अदालतों को तत्काल शिफ्ट करने का रास्ता साफ हो गया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने गुरुवार को हरियाणा सरकार को निर्देश दिया कि औपचारिक पर्यावरण मंजूरी और फायर विभाग की अंतिम अनुमति का इंतजार करते हुए भी अदालतों को नए परिसर में स्थानांतरित किया जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि मौजूदा हालात में न्यायिक कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है और अब और देरी आम जनता के हित में नहीं होगी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश अश्वनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने कहा कि गुरुग्राम जिला न्यायालय का कामकाज फिलहाल गंभीर रूप से प्रभावित है। इसलिए नए परिसर में शिफ्टिंग अति आवश्यक है। सुनवाई के दौरान हरियाणा सरकार की ओर से बताया गया कि टावर ऑफ जस्टिस अब हर तरह से तैयार है और सभी लंबित निर्माण कार्य पूरे कर दिए गए हैं। सरकार ने अदालत को भरोसा दिलाया कि यदि कोई कमी सामने आती है तो उसे तुरंत दूर किया जाएगा। आग के बाद बढ़ा था संकट हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि पुराने गुरुग्राम कोर्ट परिसर में आग लगने और भवन के एक हिस्से के असुरक्षित घोषित होने के बाद न्यायिक कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हुआ। बड़ी संख्या में रिकॉर्ड भी आग में नष्ट हो गए थे। इसके बाद अदालतों को अस्थायी रूप से गेस्ट हाउस से संचालित किया जा रहा है, जहां केवल जरूरी मामलों की ही सुनवाई हो रही है। जिला जज की रिपोर्ट में सामने आई थीं कमियां हाईकोर्ट ने पहले जिला एवं सत्र न्यायाधीश से नए परिसर का निरीक्षण कराया था। रिपोर्ट में कई कमियां बताई गई थीं, कई जगह निर्माण कार्य अधूरा था। फर्नीचर की स्थापना नहीं हुई थी बारिश के दौरान बेसमेंट में सीवेज का पानी भर गया था। पर्यावरण मंजूरी और फायर एनओसी लंबित थी। इन कमियों के बाद सरकार से जवाब मांगा गया था। फायर ठठउ एक-दो दिन में मिलने का दावा सरकार ने कोर्ट को बताया कि फायर विभाग परिसर का निरीक्षण कर चुका है और कोई बड़ी कमी नहीं मिली है। आवश्यक प्रमाणपत्र एक-दो दिन में जारी होने की संभावना है। वहीं पर्यावरण मंजूरी की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है और भवन सभी वैधानिक मानकों का पालन करता है। हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई से पहले आदेश के पालन की रिपोर्ट हलफनामे के जरिए दाखिल की जाए। मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी। क्या है पूरा मामला? टावर ऑफ जस्टिस का निर्माण वर्षों से लंबित था। पहले इसे अक्टूबर 2020 तक पूरा होना था।

फरीदाबाद में बरसाती पानी से भरे गड्ढे में डूबा स्टूडेंट

नहाने के लिए उतरा था, हालत गंभीर; बच्चों के शोर मचाने पर दौड़े लोग

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। के बल्लभगढ़ स्थित सेक्टर-62 आशियाना में स्कूल के पास एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। प्राइमरी स्कूल के पास पानी से भरे गड्ढे में नहाने उतरा चौथी कक्षा का एक छात्र डूब गया। स्थानीय लोगों ने समय रहते उसे बाहर निकालकर निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, गांव शाहपुरा के सरकारी स्कूल की प्राइमरी शाखा सेक्टर-62 आशियाना में संचालित होती है, जहां कक्षा पांचवीं तक की पढ़ाई होती है। स्कूल टीचर उपकार ने बताया कि मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ्र) अभियान में दो महिला टीचरों की ड्यूटी लगी होने के कारण स्कूल में केवल दो टीचर ही मौजूद थे। शुक्रवार सुबह स्कूल लगने के बाद वह दूसरे कक्ष में थे, जबकि महिला टीचर सहायक कर्मचारी के साथ बच्चों के लिए मिड-डे मील तैयार कर रही थीं। सुबह करीब 10 बजे का समय रहा होगा इसी दौरान चौथी कक्षा में पढ़ने वाला आठ वर्षीय रेहान कुछ बच्चों के साथ स्कूल के मुख्य गेट के पास खड़ा था। कुछ देर बाद वह अन्य बच्चों के साथ स्कूल परिसर से बाहर निकल गया। बच्चों ने शोर मचाकर दी जानकारी स्कूल के पास ही एक खाली प्लॉट में बरसात के पानी से भरा गहरा गड्ढा है। बताया जा रहा है कि रेहान नहाने के लिए गड्ढे में उतर गया और अचानक गहरे पानी में डूबने लगा। साथ मौजूद बच्चों ने शोर मचाकर स्कूल में इसकी सूचना दी। स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला सूचना मिलते ही टीचर मौके की ओर दौड़े, लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने बच्चे को पानी से बाहर निकाल लिया था। इसके बाद उसे तुरंत उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पिता की हो चुकी है मौत रेहान की मां असरीन ने बताया कि उसके पति की कई वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है। वह मजदूरी कर अपने बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं। घटना के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

दीपक नांदल गैंग के 4 बदमाश एनकाउंटर में ढेर

गुरुग्राम में यूनिवर्सिटी के संस्थापक के बेटे से रंगदारी मांगने पहुंचे थे; 3 पुलिसकर्मियों को भी लगी गोली

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में गुरुवार की देर रात पुलिस की दीपक नांदल गैंग के साथ बड़ी मुठभेड़ हो गई। दोनों तरफ से हुई क्रॉस फायरिंग में पांच बदमाशों को गोली लगी है, जिनमें से चार की मौत हो गई। एसीपी सदर धर्मवीर सिंह ने एनकाउंटर में चार शूटर्स की मौत की पुष्टि की है। यह घटना सुशांत लोक न ब्लॉक में हुई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दीपक नांदल गैंग के शूटरों ने गुरुग्राम की एक निजी यूनिवर्सिटी के संस्थापक के बेटे विशाल बेरी को उसी के घर में बंधक बना रखा था। उससे एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी जा रही थी। किसी तरह पीड़ित पुलिस को सूचना देने में सफल रहे। इसके बाद पुलिस ने बदमाशों को घेर लिया और चार बदमाशों को मार गिराया, जबकि एक गोली लगने से घायल हो गया। इस मुठभेड़ में तीन पुलिसकर्मियों को भी गोली लगी है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस बदमाशों के बारे में पता लगाने में जुटी है। एसीपी सदर धर्मवीर सिंह के मुताबिक सुशांत लोक फेस-2 में यह मुठभेड़ हुई है। क्राइम ब्रांच की टीमों को पुलिस कंट्रोल रूम से एक संदिग्ध स्कॉर्पियो गाड़ी में कुछ हथियार बंद अपराधियों के होने बारे सूचना मिली थी। क्राइम ब्रांच की टीमें जब सुशांत लोक एरिया में पहुंची तो बदमाशों द्वारा एक व्यवसायी विशाल बेरी के घर पर अत्याधुनिक हथियारों से फायरिंग करनी शुरू कर दी गई थी। व्यवयायी को दीपक नांगल गैंग से मिली रही थी धमकी एसीपी सदर धर्मवीर सिंह के मुताबिक इस व्यवसायी को विदेश में बैठे गैंगस्टर दीपक नांदल से फिरौती के लिए लगातार संदेश आ रहे थे। क्राइम ब्रांच की ओर से अपराधियों को आत्मसमर्पण करने के लिए चेतावनी दी गई, परन्तु उन्होंने जानलेवा फायरिंग शुरू कर भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने आत्मरक्षा एवं अपराधियों को पकड़ने के उद्देश्य से जवाबी फायरिंग की गई, जिसमें सभी 5 बदमाशों को गोली लग गई। चार बदमाशों की मौके पर मौत, एक गंभीर रूप से घायल एसीपी सदर के मुताबिक इस मुठभेड़ में पांचों को बदमाश घायल हो गए, जिन्हें घेर कर पकड़ लिया गया। सभी को एक निजी सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां डाक्टरों ने 4 बदमाशों को मृत घोषित किया, जबकि एक का इलाज जारी है। उसकी भी हालत गंभीर बनी हुई है। इस मुठभेड़ में 3 पुलिसकर्मियों को भी गोली लगने से घायल हुए हैं। तीनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर इलाज कराया जा रहा है।

फरीदाबाद में हाउस टैक्स पर बड़ी राहत

सरचार्ज माफी की लास्ट डेट 31 जुलाई तक बढ़ी; ब्याज में 75% छूट

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। नगर निगम फरीदाबाद ने शहर के संपत्ति करदाताओं को बड़ी राहत देते हुए गृह कर (हाउस टैक्स) पर सरचार्ज माफी योजना की अंतिम तिथि 31 जुलाई तक बढ़ा दी है। पहले यह योजना 30 जून तक लागू थी, लेकिन अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ देने के उद्देश्य से इसकी अवधि एक माह और बढ़ा दी गई है। अब जिन करदाताओं ने अभी तक अपना गृह कर जमा नहीं कराया है, वे 31 जुलाई तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं। नगर निगम कमिश्नर धीरेन्द्र खड़खटा ने बताया कि बड़ी संख्या में लोग इस योजना का लाभ ले चुके हैं। वहीं, जो लोग किसी कारणवश निर्धारित समय सीमा में गृह कर जमा नहीं कर पाए थे, उन्हें राहत देने के लिए अंतिम तिथि बढ़ाने का फैसला लिया गया है। उन्होंने शहरवासियों से अपील की, कि वे समय रहते अपना गृह कर जमा कर योजना का अधिकतम लाभ उठाएं। प्रॉपर्टी टैक्स को लेकर समय बढ़ाया इसी के साथ नगर निगम ने बकाया संपत्ति कर (प्रॉपर्टी टैक्स) को लेकर भी एक महत्वपूर्ण राहत योजना लागू की है। निगम कमिश्नर ने बताया कि हरियाणा सरकार की अधिसूचना के अनुसार वर्ष 2010-11 से 2024-25 तक के लंबित संपत्ति कर पर देय ब्याज में 75 प्रतिशत की एकमुश्त छूट दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ उन सभी संपत्ति करदाताओं को मिलेगा, जो 31 अगस्त तक अपना बकाया संपत्ति कर जमा कर देंगे और प्रॉपर्टी टैक्स ड्यूज पेमेंट एंड नो ड्यूज सर्टिफिकेट मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर अपनी संपत्ति का स्व-प्रमाणीकरण (सेल्फ सर्टिफिकेशन) भी पूरा करेंगे।

फरीदाबाद में SIR अभियान की धीमी रफ्तार

45% फॉर्म ही हुए जमा, 14 जुलाई अंतिम तिथि; ADC बोलीं-समय रहते BLO को फॉर्म दें

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद । जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत फॉर्म जमा कराने की रफ्तार प्रशासन की चिंता बढ़ा रही है। अब तक करीब 80 प्रतिशत एसआईआर फॉर्म मतदाताओं को वितरित किए जा चुके हैं, लेकिन इनमें से केवल लगभग 45 प्रतिशत फॉर्म ही भरकर वापस जमा कराए गए हैं। ऐसे में शेष फॉर्म अगले 4 दिनों के भीतर एकत्र करना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि 14 जुलाई के बाद किसी भी स्थिति में एसआईआर फॉर्म स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इसके बाद 21 जुलाई को मतदाता सूची का प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशित किया जाएगा। 14 जुलाई के बाद नही लेंगे फार्म अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) अंजलि श्रोत्रिया ने बताया कि एसआईआर अभियान को लेकर प्रशासन पूरी गंभीरता से काम कर रहा है। बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) लगातार घर-घर जाकर मतदाताओं को फॉर्म वितरित कर रहे हैं। अब तक लगभग 80 प्रतिशत फॉर्म वितरित किए जा चुके हैं, लेकिन केवल 45 प्रतिशत फॉर्म ही भरकर वापस प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि कई लोग अभी भी फॉर्म भरकर जमा कराने में देरी कर रहे हैं। बीएलओ लगातार घर-घर जाकर लोगों की सहायता कर रहे हैं और फॉर्म भरवाकर जमा भी करा रहे हैं। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे 14 जुलाई की अंतिम तिथि का इंतजार न करें। बल्कि कम से कम 2 दिन पहले ही अपने फॉर्म भरकर संबंधित बीएलओ को सौंप दें, ताकि समय रहते उनका ऑनलाइन सत्यापन और अपलोड किया जा सके। अंतिम समय में अधिक संख्या में फॉर्म आने से प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

गुरुग्राम एनकाउंटर का वीडियो सामने आया दीपक नांदल गैंग के 4 शूटर हुए ढेर

रंगदारी वसूलने को रियल-एस्टेट कारोबारी को घर में बनाया बंधक

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। विदेश में बैठे गैंगस्टरों के भारत में फैल रहे रंगदारी नेटवर्क का एक बड़ा मामला गुरुग्राम में सामने आया है। दीपक नांदल गैंग के पांच हथियारबंद शूटरों ने रंगदारी वसूलने के लिए रियल एस्टेट कारोबारी के घर में घुस गए। कारोबारी की तरफ से तुरंत पुलिस को कॉल कर दी गई। इसके बाद पुलिस टीम ने पॉश इलाके सुशांत लोक की घेराबंदी कर ली। गुरुवार रात करीब साढ़े 11 बजे शूटरों और पुलिस के बीच एनकाउंटर हुआ। दोनों तरफ से 65 राउंड फायरिंग हुई, जिसमें पांच बदमाशों को गोली लगी। इनमें से 4 मौके पर ढेर हो गए, जबकि पांचवें की हालत गंभीर है। अरकसमेत 3 पुलिसकर्मियों को भी गोली लगी है। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसका एक वीडियो में भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग आधुनिक हथियारों से लैस गली में आते-जाते दिखाई दे रहे है। कुछ कॉलोनी के लोगों ये वीडियो बनाया है। ये सादी वर्दी में पुलिस कर्मी बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, मारे गए शूटरों में अंकित, नितिन और आर्यन रोहतक और दीपा फतेहाबाद का रहने वाला था। जिस ब्लैक स्कॉर्पियो से बदमाश आए थे, उस पर लफ्र26 एव6708 नंबर लगा था। यह नंबर फर्जी है। एसीपी क्राइम नवीन शर्मा के मुताबिक, बदमाशों के पास से 5 पिस्टल मिले हैं। सुशांत लोक में कारोबारी को बनाया बंधकः ACP क्राइम नवीन शर्मा के अनुसार, सुशांत लोक ब्लॉक-अ में बदमाशों ने कारोबारी विशाल बेरी को उन्हीं के घर में बंधक बनाया था। पांचों बदमाश ब्लैक स्कॉर्पियो लेकर आए थे। बदमाश आधुनिक हथियार से लैस थे। घटना के समय विशाल में घर में अकेले ही थे। बदमाशों ने मॉडर्न हथियारों फायरिंग कीः इसी दौरान विशाल ने मौका पाकर पुलिस को सूचना दे दी।

फरीदाबाद में चलती कार में लगी आग

फरीदाबाद। में बृहस्पतिवार देर शाम शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की दो अलग-अलग घटनाएं सामने आईं। पहली घटना सराय टोल प्लाजा के पास हुई, जहां दिल्ली की ओर से फरीदाबाद आ रही एक निशान मैग्नाइट कार में अचानक भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जांच में इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका है। ड्राइवर ने सूझबूझ दिखाते हुए कार को तुरंत सड़क किनारे रोक दिया और बाहर निकल गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। कार मालिक फरीदाबाद जिला कोर्ट में वकील हैं। वह अपनी निशान मैग्नाइट कार में अकेले सवार होकर दिल्ली से फरीदाबाद आ रहे थे। कार से धुआं निकलता देख उन्होंने तुरंत वाहन रोक दिया। कुछ ही क्षणों में कार आग की चपेट में आ गई। आग लगते ही सराय टोल प्लाजा पर मौजूद कर्मचारियों ने फायर सिलेंडरों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया और साथ ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही सेक्टर-31 फायर स्टेशन से दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। हालांकि तब तक कार का अधिकांश हिस्सा जलकर क्षतिग्रस्त हो चुका था। इसी दौरान दूसरी घटना एनआईटी-5 स्थित गांधी कॉलोनी में आईटीआई के पास लगे एक्सिस बैंक के एटीएम में सामने आई। एटीएम की एमसी (मशीन कंट्रोल पैनल) में अचानक शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। धुआं और आग की लपटें उठती देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत आग बुझाने में जुट गए। लोगों की सतर्कता के चलते आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया। सेक्टर-31 फायर स्टेशन के अधिकारी विनय कौशिक ने बताया कि कार में आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर भेजी गई थी। प्रारंभिक जांच में इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका है। दोनों घटनाओं में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

गुरुग्राम में मंत्री नरबीर ने किया वीर नारियों का सम्मान

सैनिक कल्याण विभाग की वेबसाइट का शुभारंभ, एक क्लिक पर मिलेंगी सारी सुविधाएं

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में पूर्व सैनिकों, अर्धसैनिक बलों के जवानों और उनके परिवारों के लिए डिजिटल सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हरियाणा सरकार के सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग ने शुक्रवार को नई वेबसाइट का शुभारंभ किया। सेक्टर-44 स्थित अपेरल हाउस में आयोजित समारोह में हरियाणा के सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री राव नरबीर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में वेबसाइट लॉन्च कर इसे पारदर्शी, सुगम और तकनीक आधारित सेवाओं की दिशा में एक अहम कदम बताया। कार्यक्रम में फरीदाबाद के मंडलायुक्त राजेश जून, सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग के निदेशक जयदीप कुमार, सीआरपीएफ कादरपुर से डीआईजी परमा सिवान, जिला सैनिक बोर्ड के वेल्फेयर अधिकारी कर्नल (रि) देवेंद्र सिंह ढाका आदि उपस्थित रहे। सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा हमेशा से अपने वीर जवानों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवारों के सम्मान तथा कल्याण के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य करता आया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 में सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग का गठन इसी उद्देश्य से किया गया था, ताकि सेना के साथ-साथ सीएपीएफ के जवानों और उनके आश्रितों को भी समर्पित एवं प्रभावी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार ऐसे ऐतिहासिक निर्णय ले रही है, जो देश की सुरक्षा में योगदान देने वाले जवानों के सम्मान और हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। राव ने कहा कि आज लॉन्च की गई वेबसाइट पूर्व सैनिकों, सीएपीएफ कर्मियों और उनके परिवारों के लिए एक बड़ी डिजिटल सुविधा साबित होगी। उन्होंने बताया कि अब बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और असम राइफल्स सहित सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के पूर्व कर्मी इस पोर्टल पर आसानी से पंजीकरण कर सकेंगे। यदि कोई जवान ड्यूटी के दौरान शहीद होता है या दिव्यांग होता है, तो उसके परिवार को अनुग्रह राशि, अनुकंपा नियुक्ति तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ऑनलाइन, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से मिल सकेगा। इससे परिवारों को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर अधिक से अधिक पूर्व सैनिकों और सीएपीएफ कर्मियों का पंजीकरण सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी पात्र परिवार सरकार की इस पहल से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि यह पोर्टल केवल एक वेबसाइट नहीं, बल्कि राज्य सरकार की अपने वीर जवानों और उनके परिवारों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने सभी वीर नारियों, वीर योद्धाओं, पूर्व सैनिकों एवं अर्धसैनिक बलों के जवानों को विश्वास दिलाया कि हरियाणा सरकार हर कदम पर उनके साथ मजबूती से खड़ी है और उनके सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। राव नरबीर सिंह ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंची वीर नारियों को सम्मानित कर उनके त्याग और राष्ट्रसेवा में उनके परिवारों के अमूल्य योगदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि वीर नारियां समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं और उनके सम्मान एवं कल्याण की जिम्मेदारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

बीएसपी नेता के चचेरे भाई की करंट लगने से मौत

फरीदाबाद में बीएसपी से मेयर का चुनाव लड़ चुकीं मनशा पासवान के चचेरे भाई की गुरुवार को करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए ईएसआई मेडिकल कॉलेज की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, सेक्टर-24 निवासी 36 वर्षीय रमेश चंद्र पासवान गुरुवार सुबह करीब 11 बजे अपने घर पर नहाने के लिए पानी की मोटर चलाने गए थे। बताया गया है कि जैसे ही उन्होंने बिजली के बोर्ड में मोटर का तार लगाया, एक खुला बिजली का तार उनके हाथ के संपर्क में आ गया। तेज करंट लगने से वह वहीं गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाथरूम में पड़ा मिला युवक बीएसपी नेत्री मनशा पासवान ने बताया कि रमेश चंद्र उनके चचेरे भाई थे और उनके साथ ही सेक्टर-24 स्थित घर में रहते थे। घटना के समय वह अस्पताल में दवाई लेने गई हुई थीं। जब वह वापस घर लौटीं तो उन्होंने देखा कि रमेश बाथरूम के पास जमीन पर पड़े हुए थे और उनके एक हाथ में मोटर का तार था। इसके बाद उन्हें तुरंत सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मनशा पासवान ने बताया कि रमेश चंद्र सेक्टर-24 स्थित शिवालिक कंपनी के पास चाउमीन और बर्गर की रेहड़ी लगाकर अपना गुजर-बसर करते थे। वह अविवाहित थे। उनके परिवार में चार भाई और एक बहन हैं, जो अलीगढ़ में रहते हैं। रमेश फरीदाबाद में मनशा पासवान के साथ रहते थे। पुलिस कर रही मामले की जांच वहीं, पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि सेक्टर-55 चौकी पुलिस को एक व्यक्ति की करंट लगने से मौत होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए ईएसआई मेडिकल हॉस्पिटल भेज दिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

फरीदाबाद जेल में बंदी की मौत पर मानवाधिकार आयोग सख्त

फरीदाबाद में नीमका जिला जेल में न्यायिक हिरासत के दौरान विचाराधीन बंदी रंकित उर्फ रितिक गुर्जर की 7 जून की रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इस मामले में अब हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने गंभीर रुख अपनाया है। आयोग ने मामले का संज्ञान लेते हुए महानिदेशक कारागार से विस्तृत जांच रिपोर्ट मांगी है। यह रिपोर्ट हरियाणा मानवाधिकार आयोग के महानिदेशक (जांच) के माध्यम से अगली सुनवाई से पहले आयोग के समक्ष पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग के सदस्य दीप भाटिया ने शिकायत पर सुनवाई के दौरान यह आदेश जारी किए। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि न्यायिक हिरासत के दौरान रंकित उर्फ रितिक गुर्जर को शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। शिकायत में यह भी कहा गया है कि वह अवसाद से पीड़ित था, लेकिन उसे समय पर विशेषज्ञ डॉक्टरों और मनोवैज्ञानिकों की उचित चिकित्सा उपलब्ध नहीं कराई गई। साथ ही जेल प्रशासन पर आत्महत्या रोकथाम संबंधी दिशा-निर्देशों और जेल नियमों का पालन नहीं करने के भी आरोप लगाए गए हैं।

ED का दावा- AAP मंत्री फर्जी आईफोन घोटाले के मास्टरमाइंड

103 करोड़ के मोबाइल सिर्फ कागजों में दुबई भेजे, एक जैसे मोबाइल नंबर और ईमेल मिले

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के खिलाफ गुरुग्राम की कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। जांच एजेंसी ने चार्जशीट में उन्हें कथित फर्जी मोबाइल एक्सपोर्ट और मनी लॉन्ड्रिंग मामले का मास्टरमाइंड बताया है। ED का दावा है कि इस मामले में 103 करोड़ रुपए की हेराफेरी हुई है। जांच के अनुसार, संजीव अरोड़ा ने आईफोन का निर्यात दुबई भेजने का दावा किया, लेकिन जांच में पता चला कि मोबाइल भेजे ही नहीं गए और पूरा एक्सपोर्ट केवल कागजों में दिखाया गया। इसके लिए कथित तौर पर फर्जी खरीद बिल और निर्यात से जुड़े दस्तावेज तैयार किए गए। ED इस मामले में अरोड़ा की 55 करोड़ रुपए की संपत्ति पहले ही अटैच कर चुकी है। ED का कहना है कि इस कथित फर्जीवाड़े के जरिए निर्यात से मिलने वाले वित्तीय लाभ हासिल करने और अवैध धन के स्रोत को छिपाने की कोशिश की गई। जांच एजेंसी ने करीब 44 हजार मोबाइल फोन के फर्जी निर्यात का दावा किया है। संजीव अरोड़ा को ईडी ने इसी साल 9 मई को चंडीगढ़ स्थित उनके सरकारी आवास पर दिनभर चली छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था। इस हाई-प्रोफाइल गिरफ्तारी के बाद पंजाब सरकार ने उनके सभी मंत्रालय अन्य मंत्रियों को सौंप दिए थे। गुरुग्राम की अदालत से रिमांड अवधि खत्म होने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था, जब से वह जेल में ही हैं। 150 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबारः चार्जशीट के अनुसार, कथित आईफोन बिक्री का कुल कारोबार 150 करोड़ रुपए से अधिक का दिखाया गया। एऊ का दावा है कि 100 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के आईफोन दुबई की एक कंपनी को एक्सपोर्ट किए गए, जबकि वह कंपनी संजीव अरोड़ा की रियल एस्टेट फर्म में निवेशक भी बताई गई है। फर्जी एक्सपोर्ट नेटवर्क का आरोपः जांच एजेंसी के अनुसार, पूरा एक्सपोर्ट लेनदेन शेल कंपनियों, काल्पनिक खरीदारों और सर्कुलर फंड ट्रांसफर के जरिए तैयार किया गया। शेल कंपनियों से फर्जी बिलः एऊ का दावा है कि आईफोन की खरीद दिखाने वाली कई सप्लायर कंपनियां अस्तित्वहीन, शेल या आर्थिक रूप से अक्षम थीं। इन कंपनियों ने बिना किसी वास्तविक माल की आपूर्ति के फर्जी इनवॉइस जारी किए। एक जैसे मोबाइल नंबर और ईमेलः ED ने दावा किया है कि जांच में कई कंपनियों के समान मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी मिले, जिससे ED को यह एक सुनियोजित और समन्वित नेटवर्क होने का संदेह हुआ। त्र्क्ष्फ्र के आधार पर शुरू हुई जांचः ED ने बताया कि यह जांच 18 अप्रैल को गुरुग्राम के उद्योग विहार थाने में दर्ज FIR के आधार पर शुरू की गई। दुबई की दो कंपनियां जांच के दायरे मेंः मामले में दुबई की फोर्टबेल टेलीकॉम त्र्क्ष्ड और ड्रैगन ग्लोबल FZCO की भूमिका की भी जांच की जा रही है। ED के अनुसार, इन कंपनियों ने कथित तौर पर आईफोन की खेप प्राप्त की और भारत में भुगतान किया था।

फरीदाबाद में बाइक सहित सीवर के गड्ढे में गिरे

दो युवक बाल-बाल बचे, लोग बोले-बारिश से पहले पूरा होना था काम

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। में नंगला एन्क्लेव पार्ट-2 में बाइक सवार 2 युवक रास्ते में सीवर के लिए खोदे गए गड्ढे में बाइक समेत गिर गए। गनीमत रही कि दोनों युवकों की जान बच गई और वे गंभीर हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। इसका एक वीडियो भी सामने आया है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्थानीय निवासी हरदीप के अनुसार ये पूरा मामला 8 जुलाई का है। दोपहर बाद 2 बजे के करीब उनकी गली में रहने वाला रूपेश अपने दोस्त के साथ बाइक पर सवार होकर किसी काम से बहार जाता रहा था। गली में सीवर के लिए गड्ढा खुदा हुआ था। लेकिन लगातार हो रही बरसात के कारण उसमें पानी भर गया। जिसके चलते वह किसी को दिखाई नहीं दिया। रूपेश जब अपनी बाइक को लेकर वहां से गुजरा तो उसकी बाइक का अगला हिस्सा अचानक से गड्ढे के अंदर चला गया। गनीमत रही ही बाइक का केवल अगला हिस्सा ही अंदर गया था। जिससे बाइक पर सवार दोनों युवक पूरी तरह से सुरक्षित बच गए। दोनों युवकों ने जैसे तैसे बाइक को बाहर निकाला। लोगों ने बताया कि सीवरेज के लिए जगह -जगह पर गड्ढे बने हुए है। जो इस बरसात में लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे है। उन्होंने कहा कि जो काम बारिश से पहले खत्म हो जाना चाहिए था। वो बारिश के समय में अब लोगों के लिए आफत बन गया है।

बल्लभगढ़ में मकान का छज्जा गिरा, मां-बेटा घायल

फरीदाबाद। जिले में बल्लभगढ़ की आदर्श नगर कॉलोनी में बारिश के कारण गुरुवार दोपहर एक हादसा होते-होते टल गया। करीब 40 साल पुराने मकान का जर्जर छज्जा अचानक भरभराकर गिर गया, जिससे एक महिला और उसका 5 वर्षीय बेटा घायल हो गए। दोनों को तुरंत बल्लभगढ़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज किया गया। बच्चे के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण पांच टांके लगाए गए हैं, जबकि महिला के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई हैं। घायल महिला के पति नरेश ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे उनकी पत्नी मीना हाउसकीपिंग का काम करके घर लौटी थी और मकान के बाहर खड़ी थी। तभी उनका पांच वर्षीय बेटा चिराग मां की आवाज सुनकर घर से बाहर आया। उसी समय पहली मंजिल से गली की ओर निकला हुआ पुराना छज्जा अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। छज्जे का मलबा सीधे महिला और बच्चे के ऊपर आ गिरा, जिससे दोनों ईंटों और मलबे के नीचे दब गए चीख-पुकार सुनकर नरेश और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे सभी ने मिलकर मलबा हटाया और महिला व बच्चे को बाहर निकाला। इसके बाद दोनों को तुरंत बल्लभगढ़ के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनका उपचार शुरू किया। नरेश ने बताया कि उनके बेटे चिराग के सिर में गहरी चोट आई है और पांच टांके लगे हैं, जबकि उनकी पत्नी के सिर में भी गंभीर चोट है और उसे अंदरूनी चोटें भी आई हैं।

दया की भी एक सीमा होती है न्याय की जीत से मिला घावों को मरहम

26 जुलाई 2008 की वह शाम भारतीय इतिहास के सबसे दर्दनाक दिनों में हमेशा दर्ज रहेगी। महज 70 मिनट के भीतर गुजरात के अहमदाबाद शहर में 21 सिलसिलेवार बम धमाकों ने सामान्य जीवन को चीख-पुकार और अफरातफरी में बदल दिया था। बाजारों, सड़कों और अस्पतालों तक को निशाना बनाया गया। जिन अस्पतालों में घायल लोगों का इलाज चल रहा था, वहीं भी विस्फोट किए गए ताकि मौत और भय का दायरा और बढ़ सके। इस निर्मम हमले में 56 निर्दोष लोगों की जान चली गई और 246 से अधिक लोग घायल हुए। उस दिन केवल अहमदाबाद ही नहीं, बल्कि पूरा देश गहरे सदमे में था। हर भारतीय के मन में एक ही प्रश्न था कि आखिर निर्दोष लोगों का क्या अपराध था? उस भयावह घटना को अठारह वर्ष बीत चुके हैं। समय के साथ शहर ने अपने घावों पर मरहम लगाया, जीवन फिर सामान्य हुआ, लेकिन जिन परिवारों ने अपने बेटे, बेटियां, माता-पिता, पति या पत्नी खो दिए, उनके लिए वह दिन कभी बीता ही नहीं। उनके घरों में आज भी 26 जुलाई की तारीख आते ही दर्द की वही लहर लौट आती है। न्यायालय के हालिया निर्णय ने उन परिवारों को यह भरोसा अवश्य दिया है कि न्याय भले देर से मिले, लेकिन यदि साक्ष्य मजबूत हों और कानून अपना काम करे तो अपराध अंततः दंड तक पहुंचता है। गुजरात हाईकोर्ट ने विशेष अदालत द्वारा 38 दोषियों को दी गई फांसी की सजा को बरकरार रखते हुए और 11 दोषियों की उम्रकैद की सजा को भी कायम रखकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि समाज के विरुद्ध किए गए संगठित और जघन्य अपराधों को कानून अत्यंत गंभीरता से देखता है। अदालत ने सभी अपीलों को खारिज करते हुए यह भी निर्देश दिया कि मृतकों के परिजनों और घायलों को उचित मुआवजा दिया जाए। यह निर्णय केवल कानूनी प्रक्रिया का अंतिम पड़ाव नहीं है, बल्कि उन परिवारों के लिए भी उत्तर है, जिन्होंने न्याय की उम्मीद कभी नहीं छोड़ी। यह मामला केवल सजा का नहीं है, बल्कि न्याय और दया के बीच संतुलन का भी है। किसी भी सभ्य समाज में दया एक महान मानवीय गुण मानी जाती है। दया मनुष्य को संवेदनशील बनाती है, समाज को मानवीय बनाती है और कानून को भी सुधार का अवसर देती है। लेकिन दया का अर्थ यह नहीं कि ऐसे अपराधों को भी उसी दृष्टि से देखा जाए, जिनका उद्देश्य केवल अधिक से अधिक निर्दोष लोगों की हत्या करना और पूरे समाज में भय फैलाना हो। जब कोई अपराध सुनियोजित तरीके से मासूमों की जान लेने के लिए किया जाता है, तब दया का प्रश्न स्वाभाविक रूप से सीमित हो जाता है। न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल अपराधी को दंड देना नहीं होता, बल्कि समाज में कानून के प्रति विश्वास बनाए रखना भी होता है। यदि ऐसे मामलों में अपराध की गंभीरता के अनुरूप दंड नहीं मिले, तो पीड़ित परिवारों के मन में यह भावना जन्म ले सकती है कि उनकी पीड़ा का उचित मूल्यांकन नहीं हुआ। न्याय तभी सार्थक माना जाता है जब वह पीड़ितों को भी यह विश्वास दिला सके कि राज्य और कानून उनके साथ खड़े हैं। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि न्याय प्रतिशोध नहीं होता। अदालतें भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि साक्ष्यों, गवाहों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर निर्णय देती हैं। अहमदाबाद विस्फोट मामले में वर्षों तक जांच चली, हजारों दस्तावेज प्रस्तुत किए गए, सैकड़ों गवाहों के बयान दर्ज हुए और लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद विशेष अदालत ने फैसला सुनाया। उसके बाद उच्च न्यायालय ने भी विस्तृत सुनवाई के बाद उसी निर्णय को सही माना। इसका अर्थ है कि फैसला किसी आवेश का परिणाम नहीं, बल्कि विधिक परीक्षण की लंबी प्रक्रिया से गुजरकर सामने आया है। आज जब पीड़ित परिवार इस निर्णय पर संतोष व्यक्त कर रहे हैं तो उनके मन में बदले की भावना नहीं, बल्कि यह विश्वास है कि उनके अपनों की मौत को भुलाया नहीं गया। जिन माता-पिता ने अपने जवान बेटे खोए, जिन बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया, जिन परिवारों की खुशियां हमेशा के लिए समाप्त हो गईं, उनके लिए कोई भी फैसला उनके प्रियजनों को वापस नहीं ला सकता। फिर भी न्याय का निर्णय उनके घावों पर मरहम रखने का कार्य अवश्य करता है। समाज को भी इस निर्णय से एक महत्वपूर्ण संदेश मिलता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी प्रकार की हिंसा, आतंक और निर्दोष लोगों की हत्या का कोई स्थान नहीं हो सकता। विचारों का मतभेद लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन हिंसा कभी समाधान नहीं बन सकती।

जिम्मेदारी न लेने का घातक रोग

निर्मल रानी

भाजपा की केंद्र से लेकर राज्य सरकारों में जिम्मेदारी न लेने का एक घातक रोग बढ़ता जा रहा है, जिसमें बार-बार देश और जनता का नुकसान हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 सालों के शासन में कई ऐसी बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें जनता के सामने प्राणों के संकट पड़ गए, लेकिन उन्होंने कभी जनता को यह आश्वासन नहीं दिया कि मैं जब तक सत्ता में हूं आप पर कोई मुसीबत नहीं आने दूंगा। उल्टा वे देशभक्ति के नाम पर जनता से ही त्याग और बलिदान की अपेक्षा करते रहे। नोटबंदी, लॉकडाउन, चीन की घुसपैठ, पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमले, मणिपुर में जनजातीय संघर्ष, बारिश, सूखा आदि की आपदाएं, पेपर लीक न जाने कितने मामलों में जनता को जान-माल हर तरह का नुकसान हुआ। अभी राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के कारण भावनात्मक तौर पर भी जनता बुरी तरह आहत है। लेकिन प्रधानमंत्री ने कभी इन मामलों में आगे बढ़कर जिम्मेदारी नहीं ली या किसी गलत फैसले के लिए माफी नहीं मांगी, इस्तीफा देना तो दूर की बात है। वहीं आम जनता में से कोई जब किसी मामले पर सरकार की आलोचना करे तो उसे कैसे कानूनी शिकंजे में जकड़ा जाता है, इसकी बड़ी मिसाल उमर खालिद की गिरफ्तारी है। विपक्ष सरकार की आलोचना करे, तो नरेन्द्र मोदी उसे व्यक्तिगत निंदा मानकर कहते हैं कि गालियां उनके लिए टॉनिक का काम करती हैं। अब नरेन्द्र मोदी की राह पर ही देवेन्द्र फड़नवीस चल पड़े हैं। महाराष्ट्र में थोड़े दिनों की बारिश से हाहाकार मच चुका है। कई लोगों की जान चली गई है। 7,000 करोड़ रुपए की लागत वाले और हाल ही में शुरू किए मुंबई-पुणे च्मिसिंग लिंकज् एक्सप्रेसवे पर जो भूस्खलन हुआ और करीब 18 घंटे यातायात बंद रहा, तो विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाए। साथ ही सोशल मीडिया पर भी सरकार की खिंचाई हुई। यह मुद्दा विधानसभा में भी उठा। विधानसभा में शहरों के विकास पर नियम 293 के तहत जब बहस हो रही थी तो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विपक्ष पर कड़ा हमला करते हुए इस परियोजना को इंजीनियरिंग का एक शानदार वैश्विक नमूना करार दिया। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस को बुरा-भला कहना ठीक है। मुझे इसकी आदत है। मुझ पर इन बातों का कोई असर नहीं होता। मैंने जिंदगी में एक बात सीखी है, आज से 10 साल बाद, जो लोग आज बुरा-भला कह रहे हैं, वे शायद दिखाई न दें, लेकिन च्कनेक्टिंग लिंकज् कायम रहेगा, और उस पर देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के नाम होंगे। आप मुझे जितना चाहें बदनाम करें, लेकिन अगर आप महाराष्ट्र को बदनाम करेंगे, तो मैं किसी को नहीं बख्शूंगा। इसके बाद अपनी भाषा का स्तर प्रचलित भाजपाई राजनीति के अनुरूप गिराते हुए फड़नवीस ने कहा कि जिनको कुत्ता भी नहीं पूछा, वो आजकल सोशल मीडिया पर आकर सबको गाली देते हैं, मुख्यमंत्री को भी गाली देते हैं। ऐसे भाड़े के टट्टे इस मिसिंग लिंक के बारे में भी पैसा ले-लेकर सोशल मीडिया पर लिख रहे थे, ऐसे लोगों को कह देना चाहता हूं कि अगर महाराष्ट्र का अपमान करोगे तो छोड़ूंगा नहीं। देवेन्द्र फड़नवीस ने सदन की गरिमा को हाशिए पर धकलते हुए कुत्ते जैसे असंसदीय शब्द का इस्तेमाल किया और इस पर जिस तरह सदन में सत्ता पक्ष के लोगों ने उनका समर्थन किया, उससे जाहिर होता है कि सरकार को लोकतांत्रिक शालीनता और मयार्दा की कोई परवाह नहीं है। सोशल मीडिया पर पैसे लेकर ट्रोलिंग का काम भाजपा के शासन में ही खूब बढ़ा है और इसके पीछे किन लोगों का समर्थन रहा है, यह जनता जानती है। वैसे अगर संरचनात्मक गड़बड़ियों पर सरकार से ही जवाब मांगा जाएगा, इस पर भाजपा सरकार के लोग चिढ़ते क्यों हैं, यह समझ से परे है। हाल ही में एक वाकया उत्तरप्रदेश से सामने आया है, जब पत्रकार ने मंत्री दिनेश प्रताप सिंह से सवाल किया कि मुख्यमंत्री के उद्घाटन से पहले ही लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे कई जगह से धंस गया है। तो दिनेश प्रताप सिंह ने जवाब दिया कि इसमें कौन सी नयी बात है, आप सड़क खुद बनवा लो। उन्होंने सड़कों की टूट-फूट और मरम्मत को प्रक्रिया का हिस्सा बताया। बेशक सड़कें टूटती हैं, उनमें गड्ढे बनते हैं,

पंजाब में कांग्रेस का भविष्य

लेकिन उनकी समस्या है कि जिनके जूते वे सिर पर रखने को तैयार हैं, वे अब अपने जूते भी उनको देने के लिए तैयार नहीं हैं। भूपेश बघेल ने भी चन्नी को राहुल गान्धी का संदेश सुना दिया है। उनका कहना है कि किसी भी हालत में वडिंग को प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटाया नहीं जाएगा। जाहिर है कांग्रेस के लिए आने वाले पांच छह महीने संकट के हैं। क्या चन्नी अपने साथियों सहित कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हो जाएंगे? क्या वे अपनी अलग क्षेत्रीय पार्टी बनाएंगे? इसका उत्तर कुछ दिनों में ही मिल जाएगा। लेकिन इतना निश्चित है कि कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव में नहीं उतरेगी। वह खंड खंड होकर या फिर खंड खंड भाव से चुनाव मैदान में उतरेगी पंजाब में कांग्रेस का संकट गहराता जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने लगता है पार्टी के हाईकमान से बगावत ही कर दी है। चन्नी का कहना है कि पंजाब कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष राजा वडिंग को हटा कर उन्हें अध्यक्ष बना दिया जाए। अध्यक्ष बनने की तमन्ना तो दर्जन भर के करीब दूसरे छोटे बड़े नेताओं में भी है, लेकिन फिलहाल वे चन्नी की छाया में छिपे रहने को तैयार हो गए लगते हैं।

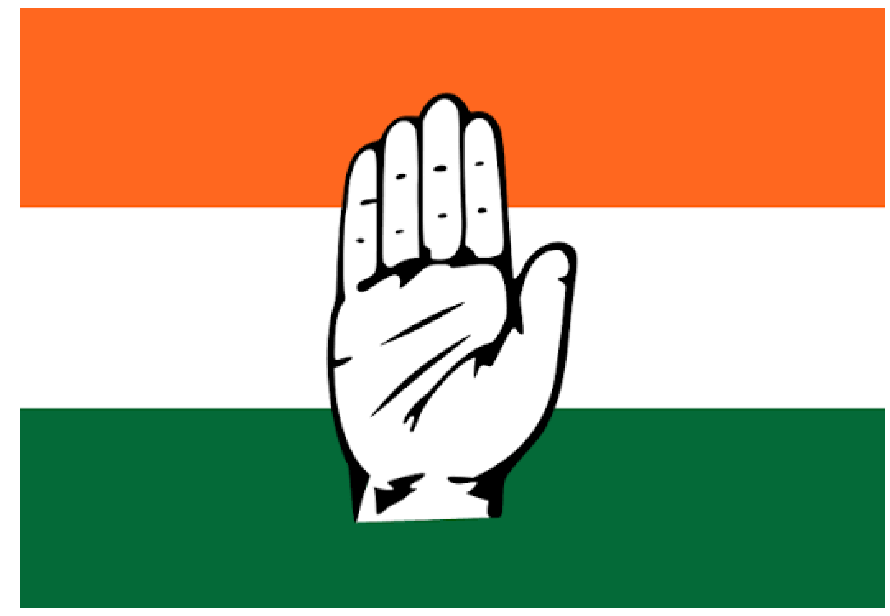

कुलदीप चंद अग्निहोत्री
(लेखक)

पंजाब कांग्रेस के प्रभारी भूपेश बघेल यह विवाद सुलझाने आए हैं। लेकिन चरणजीत सिंह चन्नी ने उन्हें मिलने से ही इन्कार कर दिया। राजा वडिंग ने तो यहां तक कह दिया कि पार्टी के लिए मैं किसी के भी जूते सिर पर रखने को तैयार हूं। लेकिन उनकी समस्या है कि जिनके जूते वे सिर पर रखने को तैयार हैं, वे अब अपने जूते भी उनको देने के लिए तैयार नहीं हैं। भूपेश बघेल ने भी चन्नी को राहुल गान्धी का संदेश सुना दिया है। उनका कहना है कि किसी भी हालत में वडिंग को प्रदेश अध्यक्ष के पद से हटाया नहीं जाएगा। जाहिर है कांग्रेस के लिए आने वाले पांच छह महीने संकट के हैं। क्या चन्नी अपने साथियों सहित कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हो जाएंगे? क्या वे अपनी अलग क्षेत्रीय पार्टी बनाएंगे? इसका उत्तर कुछ दिनों में ही मिल जाएगा। लेकिन इतना निश्चित है कि कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव में नहीं उतरेगी। वह खंड खंड होकर या फिर खंड खंड भाव से चुनाव मैदान में उतरेगी पंजाब में कांग्रेस का संकट गहराता जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने लगता है पार्टी के हाईकमान से बगावत ही कर दी है। चन्नी का कहना है कि पंजाब कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष राजा वडिंग को हटा कर उन्हें अध्यक्ष बना दिया जाए। अध्यक्ष बनने की तमन्ना तो दर्जन भर के करीब दूसरे छोटे बड़े नेताओं में भी है, लेकिन फिलहाल वे चन्नी की छाया में छिपे रहने को तैयार हो गए लगते हैं। अलबत्ता राजा वडिंग को हटाने को लेकर अनेक नेताओं में सहमति है। इसको लेकर कांग्रेस पार्टी की हाईकमान (जिसे सुविधा के लिए राहुल गांधी पढ़ा जाए) ने तीन सदस्यों की कमेटी गठित कर दी थी। उस कमेटी ने कई दिन लम्बी लम्बी बैठकों का सिलसिला शुरू किया। पंजाब कांग्रेस के सभी नेताओं, जिनका पंजाब में कोई महत्व था, उनको भी और जिनका महत्व नहीं था उनको भी, दिल्ली बुलाया गया। उनको अलग अलग सुना गया। कांग्रेस हाईकमान मान कर चलती है यदि एक साथ सुना जाए तो यह हाईकमान के खिलाफ षड्यंत्र होता है। इतनी लम्बी कवायद के बाद हाईकमान ने फैसला सुना दिया कि पंजाब में संगठन में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। वडिंग ही अध्यक्ष रहेंगे और प्रताप सिंह बाजवा ही विधानसभा में विपक्ष के नेता बने रहेंगे। इस फैसले से राजा वडिंग को छोड़ कर लगभग सभी नेता जो किसी तरह की भी अहमियत रखते हैं, नाराज हुए। लेकिन दो लोग सबसे ज्यादा नाराज हुए। एक चरणजीत सिंह चन्नी और दूसरे कभी उनके मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री रह चुके सुखजिन्दर सिंह रन्धावा। अब इसे संयोग ही कहना चाहिए कि राहुल गान्धी ने रन्धावा को राजस्थान में पार्टी का प्रभारी बनाया हुआ है और उनकी अहम ड्यूटी वहां अशोक गहलोत और सचिन पायलट के विरोधी गुटों में तालमेल बिठाना है। चरणजीत सिंह चन्नी ने अपना गुस्सा निकालने का परंपरागत तरीका चुना। उन्होंने मोरिंडा के अपने घर में पंजाब कांग्रेस के महत्वपूर्ण नेताओं की बैठक बुला ली। राजा वडिंग को पता चलना ही था। चन्नी ने जिन नेताओं को बुलाया था, कहा जाता है वडिंग ने उन सभी को फोन कर वहां न जाने की चेतावनी दी। जो लोग वडिंग के भाषा प्रयोगों को जानते हैं, उन्होंने अंदाजा लगाया था कि चेतावनी किस प्रकार दी गई होगी। इसलिए राजा वडिंग आश्वस्त थे कि चन्नी के घर कोई नहीं जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जिनको चन्नी ने बुलाया था वे तो गए ही, जिनको नहीं बुलाया था वे भी चले गए। सुखजिन्दर सिंह रन्धावा वहां नहीं थे। कुछ लोग कहते हैं उनका मन वहीं भटक रहा था। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में ही संकेत दिया कि वहां जाने-न जाने का प्रश्न नहीं है, हम सब मिल कर पार्टी को मजबूत कर रहे हैं। पार्टी को मजबूत करने की यह ह्यचन्नी शैलीह्न कांग्रेस में नया चलन नहीं है। इससे पहले भी यह प्रयोग किया जा चुका है। तब पंजाब में कांग्रेस सरकार थी और महाराजा अमरेन्द्र सिंह मुख्यमंत्री थे और सुनील जाखड़ पार्टी अध्यक्ष थे। राहुल गान्धी ने सुनील जाखड़ को हटा कर नवजोत सिंह सिद्धु को पार्टी अध्यक्ष बना दिया था। नवजोत सिंह सिद्धु ने अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री को हटाने का अभियान छेड़ दिया था। उसका कहना था कि इससे पार्टी और भी मजबूत होगी। तब राहुल गान्धी ने प्रदेश कांग्रेस के सभी नेताओं, जिनकी अहमियत थी, उनको और जिनकी अहमियत नहीं थी उनकी भी, सलाह ली। कहा जाता है पार्टी के अधिकांश नेताओं जिनकी अहमियत थी, की यह सलाह थी कि सुनील जाखड़ को मुख्यमंत्री बनाया जाए। उस समय कांग्रेस की परंपरा को याद करते हुए एक ऐसी औरत की सलाह सार्वजनिक की गई जिसकी अहमियत उस समय पंजाब की राजनीति में बिल्कुल ही नहीं थी। उसकी सलाह थी कि पंजाब में किसी हिंदू को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा सकता। यह औरत अम्बिका सोनी थी। नई पीढ़ी के बहुत से कांग्रेसियों ने शायद उसका नाम भी नहीं सुना था। राहुल गान्धी ने अम्बिका सोनी की सलाह का सम्मान करते हुए चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बना दिया। कहा जाता है निर्णय इतना अचानक था कि चन्नी को भी तभी विश्वास हुआ कि उनको राहुल गान्धी ने मुख्यमंत्री बना दिया है जब उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। वैसे सुखजिन्दर सिंह रन्धावा घर से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने निकल चुके थे, लेकिन जब वे राजभवन पहुंचे तो उन्हें पता चला कि राहुल गान्धी ने किसी दूसरे से सलाह ले ली है। उन्हें उप मुख्यमंत्री की शपथ से संतोष करना पड़ा। अलबत्ता राहुल गान्धी के इस सारे श्रम का एक ही परिणाम निकला। पंजाब में कांग्रेस की सरकार समाप्त हो गई। आम आदमी पार्टी की सरकार बन गई। कैप्टन अमरेन्द्र सिंह और सुनील जाखड़ दोनों भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। लगता है समय का चक्र एक बार फिर पूरा हो गया है। पंजाब विधानसभा के चुनाव को मात्र छह सात महीने रह गए हैं। कांग्रेस में एक बार फिर 2021-22 की पुरानी कवायद शुरू हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को हटाने की मांग है। तब राहुल गान्धी ने प्रदेश अध्यक्ष को हटा दिया था और उसी क्षण कांग्रेस सरकार के पतन की प्रक्रिया शुरू हो गई थी।

बांकीपुर की सियासत - जहाँ जीत केवल सीट नहीं, संदेश भी होती है

यह केवल पटना शहर का एक चुनावी क्षेत्र नहीं है, बल्कि सत्ता, संगठन और शहरी मतदाता की सोच का आईना भी है। वर्षों से यहां का चुनाव राजनीतिक दलों के लिए प्रतिष्ठा का विषय रहा है। इस सीट पर जीतने वाला दल केवल एक विधायक नहीं भेजता, बल्कि यह संदेश भी देता है कि राजधानी का भरोसा किसके साथ है। बांकीपुर की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि यहां का मतदाता परंपरा और परिवर्तन, दोनों को समझता है। वह राजनीतिक दलों की विचारधारा भी देखता है और उम्मीदवार की व्यक्तिगत छवि भी। सड़क, यातायात, जलनिकासी, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, सुरक्षा और शहर के विकास जैसे मुद्दे यहां चुनावी चर्चा के केंद्र में रहते हैं। यही कारण है कि इस सीट के चुनावी परिणाम कई बार पूरे बिहार के राजनीतिक विश्लेषण का आधार बन जाते हैं। राजधानी होने के कारण यहां सरकारी कर्मचारी, व्यापारी, अधिवक्ता, चिकित्सक, शिक्षक, युवा विद्यार्थी, छोटे उद्यमी और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों की अच्छी संख्या है। इन वर्गों की प्राथमिकताएं ग्रामीण क्षेत्रों से कुछ अलग होती हैं। वे सरकार के कामकाज, प्रशासनिक दक्षता और शहरी सुविधाओं को भी मतदान का आधार बनाते हैं। इसलिए बांकीपुर का चुनाव केवल जातीय समीकरणों का खेल नहीं माना जा सकता है।

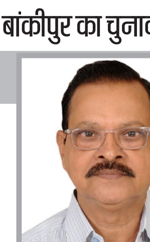

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

बिहार की राजनीति में यदि किसी विधानसभा क्षेत्र को राजधानी की राजनीतिक नब्ज कहा जाए तो बांकीपुर निश्चित रूप से उनमें प्रमुख है। यह केवल पटना शहर का एक चुनावी क्षेत्र नहीं है, बल्कि सत्ता, संगठन और शहरी मतदाता की सोच का आईना भी है। वर्षों से यहां का चुनाव राजनीतिक दलों के लिए प्रतिष्ठा का विषय रहा है। इस सीट पर जीतने वाला दल केवल एक विधायक नहीं भेजता, बल्कि यह संदेश भी देता है कि राजधानी का भरोसा किसके साथ है। बांकीपुर की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि यहां का मतदाता परंपरा और परिवर्तन, दोनों को समझता है। वह राजनीतिक दलों की विचारधारा भी देखता है और उम्मीदवार की व्यक्तिगत छवि भी। सड़क, यातायात, जलनिकासी, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, सुरक्षा और शहर के विकास जैसे मुद्दे यहां चुनावी चर्चा के केंद्र में रहते हैं। यही कारण है कि इस सीट के चुनावी परिणाम कई बार पूरे बिहार के राजनीतिक विश्लेषण का आधार बन जाते हैं। राजधानी होने के कारण यहां सरकारी कर्मचारी, व्यापारी, अधिवक्ता, चिकित्सक, शिक्षक, युवा विद्यार्थी, छोटे उद्यमी और सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों की अच्छी संख्या है। इन वर्गों की प्राथमिकताएं ग्रामीण क्षेत्रों से कुछ अलग होती हैं। वे सरकार के कामकाज, प्रशासनिक दक्षता और शहरी सुविधाओं को भी मतदान का आधार बनाते हैं। इसलिए बांकीपुर का चुनाव केवल जातीय समीकरणों का खेल नहीं माना जा सकता है। भारतीय जनता पार्टी ने पिछले कई वर्षों में शहरी क्षेत्रों में अपना संगठनात्मक ढांचा मजबूत किया है। बूथ स्तर तक कार्यकताओं की सक्रियता, नियमित जनसंपर्क, स्थानीय मुद्दों पर उपस्थिति और चुनावी प्रबंधन उसकी ताकत माने जाते हैं। यही कारण है कि जिन सीटों पर संगठन वर्षों से मजबूत रहता है, वहां विपक्ष के लिए केवल प्रचार के सहारे जीत हासिल करना आसान नहीं होता है। हालांकि लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि कोई भी सीट स्थायी रूप से किसी दल की नहीं होती। जनता जब चाहती है तो वर्षों पुरानी राजनीतिक धारणाओं को भी बदल देती है। देश और बिहार—दोनों ने ऐसे अनेक चुनाव देखे हैं, जहां मजबूत माने जाने वाले नेताओं और दलों को अप्रत्याशित पराजय का सामना करना पड़ा। इसलिए किसी भी चुनाव को पहले से तय मान लेना लोकतांत्रिक राजनीति की प्रकृति के अनुरूप नहीं होगा। इस बार बांकीपुर उपचुनाव की चर्चा इसलिए भी अधिक है क्योंकि विपक्ष के सामने केवल सत्ता पक्ष को चुनौती देने का प्रश्न नहीं है, बल्कि अपने राजनीतिक भविष्य को भी नई दिशा देने की चुनौती है। खासकर उन दलों के लिए जिन्होंने स्वयं को पारंपरिक राजनीति के विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया है। राजनीतिक रणनीतिकार के रूप में प्रशांत किशोर की पहचान लंबे समय तक चुनावी अभियानों की सफलता से जुड़ी रही। उन्होंने विभिन्न राज्यों में अलग-अलग दलों के लिए चुनावी रणनीति तैयार की और अपनी विशिष्ट कार्यशैली के कारण राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। लेकिन चुनावी रणनीति बनाना और स्वयं चुनाव लड़कर राजनीतिक संगठन खड़ा करना ये दो बिल्कुल अलग चुनौतियां हैं। यहीं से वास्तविक परीक्षा शुरू होती है। चुनावी सलाहकार के पास संगठन की जिम्मेदारी नहीं होती, लेकिन राजनीतिक दल का नेतृत्व करते समय गांव-गांव कार्यकर्ता तैयार करना, स्थानीय नेतृत्व विकसित करना, संसाधनों का प्रबंधन करना और लगातार जनता के बीच बने रहना अनिवार्य हो जाता है। बिहार की राजनीति ने बार-बार यह साबित किया है कि यहां केवल लोकप्रिय चेहरा पर्याप्त नहीं होता; मजबूत संगठन भी उतना ही आवश्यक है। यही कारण है कि नए राजनीतिक प्रयोगों को अपेक्षा से अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जनता परिवर्तन की बात सुनती है, लेकिन मतदान के समय वह यह भी देखती है कि परिवर्तन लागू करने की क्षमता किसके पास है। लोकतंत्र में विश्वास केवल भाषणों से नहीं, बल्कि संगठनात्मक विश्वसनीयता से बनता है। बिहार के मतदाता पिछले तीन दशकों में अनेक राजनीतिक परिवर्तन देख चुके हैं। सामाजिक न्याय की राजनीति, विकास का विमर्श, गठबंधन की सरकारें, नेतृत्व परिवर्तन और नई पीढ़ी के नेताओं का उदय, इन सबका अनुभव जनता कर चुकी है। इसलिए अब मतदाता पहले की तुलना में अधिक व्यावहारिक माना जाता है। वह चुनावी घोषणाओं के साथ-साथ उनके क्रियान्वयन की संभावना पर भी विचार करता है। दूसरी ओर राष्ट्रीय जनता दल के सामने भी अपनी अलग चुनौती है। ग्रामीण क्षेत्रों में उसका पारंपरिक प्रभाव रहा है, लेकिन शहरी क्षेत्रों में उसे लगातार अपने जनाधार को विस्तार देने की आवश्यकता महसूस होती रही है। राजधानी पटना जैसे क्षेत्रों में चुनावी सफलता केवल सामाजिक समीकरणों से नहीं मिलती; यहां संगठन, स्थानीय नेतृत्व और शहरी मुद्दों पर विश्वसनीयता भी निर्णायक भूमिका निभाती है। कांग्रेस की स्थिति भी बिहार में लंबे समय से पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में है। कभी राज्य की प्रमुख राजनीतिक शक्ति रही कांग्रेस आज अपने संगठन को मजबूत करने और नए नेतृत्व को आगे लाने की चुनौती का सामना कर रही है। गठबंधन की राजनीति में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण रहती है, लेकिन स्वतंत्र संगठनात्मक विस्तार की आवश्यकता लगातार महसूस की जाती है। वाम दलों का योगदान बिहार के राजनीतिक इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। किसान आंदोलनों, श्रमिक अधिकारों और सामाजिक संघर्षों में उनकी सक्रिय

पश्चिम बंगाल बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ पर कसे शिकंजे से बदले हालात

भारत-बांग्लादेश सीमा लंबे समय से देश की आंतरिक सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और अवैध गतिविधियों के दृष्टिकोण से अत्यंत संवेदनशील रही है। इस 4,096.7 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा का सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 2,216.7 किलोमीटर पश्चिम बंगाल से होकर गुजरता है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल की सीमा पर होने वाली गतिविधियां केवल राज्य तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि उनका सीधा प्रभाव राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और आर्थिक व्यवस्था पर भी पड़ता है। वर्षों तक घुसपैठ, तस्करी और सीमा पार अपराध इस क्षेत्र की सबसे बड़ी चुनौतियां रहे, लेकिन अब हालात बदलते दिखाई दे रहे हैं। सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने, फेंसिंग के कार्य में तेजी आने और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से पश्चिम बंगालझ्रबांग्लादेश सीमा का पूरा परिदृश्य बदलने लगा है। उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट से घोजाडांगा बॉर्डर तक का इलाका इस बदलाव की स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करता है। जहां कभी सीमा पार आवाजाही और संदिग्ध गतिविधियों की चचाएं आम थीं, वहीं अब सुरक्षा बलों की सक्रियता और सघन निगरानी ने वातावरण को अधिक शांत और नियंत्रित बना दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीमा पर पहले की तुलना में जांच काफी सख्त हो गई है। हर आने-जाने वाले व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित की जा रही है और हर वाहन की गहन जांच की जाती है। इससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होने लगा है। घोजाडांगा सीमा लंबे समय से भारत-बांग्लादेश के सबसे संवेदनशील बॉर्डर प्वाइंट्स में गिनी जाती रही है। यहां वैध व्यापार आज भी जारी है और ट्रकों के माध्यम से पत्थर, गिट्टी तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं का आवागमन होता है, लेकिन अब सुरक्षा मानकों में कोई ढील नहीं बरती जाती। सीमा सुरक्षा बल के जवान हर वाहन की जांच करते हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई की जाती है। इस सतर्कता ने सीमा क्षेत्र में सुरक्षा के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ाया है। सीमा सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए फेंसिंग परियोजना में उल्लेखनीय तेजी आई है। लंबे समय तक भूमि अधिग्रहण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण कई हिस्सों में बाड़ लगाने का कार्य प्रभावित रहा, लेकिन अब इस दिशा में तेजी से काम आगे बढ़ रहा है। जहां भूमि उपलब्ध है वहां सफेद झंडे लगाकर फेंसिंग की तैयारी शुरू कर दी गई है। उत्तर 24 परगना, नदिया, मुर्शिदाबाद और कूचबिहार जैसे जिलों में भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया तेज होने से उम्मीद है कि आने वाले समय में सीमा के अधिकांश हिस्से पूरी तरह सुरक्षित बाड़ से घिर जाएंगे। इससे घुसपैठ और तस्करी के रास्ते और अधिक सीमित हो जाएंगे। हाल के समय में केंद्र और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय भी इस अभियान को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सीमा सुरक्षा केवल किसी एक एजेंसी की जिम्मेदारी नहीं होती बल्कि इसमें प्रशासन, पुलिस, सीमा सुरक्षा बल और स्थानीय समुदाय सभी की भागीदारी आवश्यक होती है। जब सभी संस्थाएं एक साझा रणनीति के साथ काम करती हैं तो परिणाम भी अधिक प्रभावी दिखाई देते हैं। पश्चिम बंगाल में सीमा सुरक्षा को लेकर इसी प्रकार का समन्वित प्रयास देखने को मिल रहा है। आज की सीमा सुरक्षा केवल जवानों की तैनाती तक सीमित नहीं है। आधुनिक तकनीक ने निगरानी व्यवस्था को नई मजबूती दी है। विशेष रूप से नदी वाले इलाकों में, जहां पारंपरिक निगरानी कठिन होती है, वहां मोटरबोट लगातार गश्त कर रही हैं। थर्मल इमेजर, नाइट विजन डिवाइस, आधुनिक संचार प्रणाली और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मदद से रात के अंधेरे में भी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। इससे सुरक्षा बलों की क्षमता कई गुना बढ़ी है और सीमा पार होने वाली अवैध गतिविधियों को रोकना पहले की तुलना में अधिक आसान हुआ है। घुसपैठ केवल सुरक्षा का विषय नहीं होती बल्कि इसका सीधा संबंध सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक व्यवस्था से भी होता है।

संक्षिप्त खबरें

देवरिया : टेलर की चपेट में आने से महिला की मौत

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जनपद के भलुअनी थाना क्षेत्र स्थित टेकुआ में शुक्रवार को तेज रफ्तार टेलर की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी प्रदीप ने बताया कि ग्राम कुईया निवासी बनारसी राजभर की पत्नी सीता देवी (50) किसी कार्य से जा रही थीं। टेकुआ के पास एक तेज रफ्तार टेलर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने तत्काल उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गये। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ : गार्जियन आएंगे तभी मिलेगा हॉस्टल

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में नए शैक्षणिक सत्र के लिए छात्रावास आवंटन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इस बार विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रावास आवंटन को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। अब छात्र को हॉस्टल का कमरा तभी आवंटित किया जाएगा, जब उसके माता-पिता से सेकेंड्री एक अथवा अधिकृत अभिभावक आवंटन के समय उपस्थित रहेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार छात्र-छात्राओं को छात्रावास के लिए समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन के दौरान अभिभावकों को निर्धारित औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। छात्रावास आवंटन के समय अभिभावक से शपथ पत्र भी लिया जाएगा, जिसमें छात्र के आचरण और नियमों के पालन संबंधी सहमति दर्ज होगी। इसके बाद ही संबंधित छात्र को हॉस्टल का कमरा आवंटित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के मुख्य अधिष्ठाता प्रो. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है। उन्होंने कहा कि समर्थ पोर्टल पर आवेदन करने के दौरान अभिभावकों की जानकारी और आधार कार्ड भी अपलोड करना अनिवार्य होगा। काशी विद्यापीठ परिसर में कुल 285 छात्रावास कक्ष उपलब्ध हैं। इनमें महिला छात्रावास के 51 कमरे, एलएलबी हॉस्टल के 77 कमरे, पीजी बॉयज हॉस्टल के 20 कमरे तथा नई हॉस्टल के 137 कमरे शामिल हैं। इन कमरों का आवंटन निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम वर्ष के साथ-साथ पीजी द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं से भी छात्रावास के लिए आवेदन की तैयारी शुरू करने को कहा है। हाल के दिनों में छात्रावासों में हुई कुछ घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षा और अनुशासन को प्राथमिकता देते हुए नई व्यवस्था लागू की गई है। प्रशासन ने विद्यार्थियों से समय रहते समर्थ पोर्टल पर आवेदन कर आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने की अपील की है, ताकि छात्रावास आवंटन प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के पूरी की जा सके।

बाबा नागनाथ की 12वीं पुण्यतिथि पर सेवा का संकल्प

वाराणसी। अवधूत बाबा नागनाथ परमार्थ गंगा सेवा संस्थान की ओर से मां गंगा की अविरलता एवं निर्मलता के लिए जीवन समर्पित करने वाले पूज्य बाबा नागनाथ जी महाराज की 12वीं पुण्यतिथि सेवा, श्रद्धा और संकल्प के साथ मनाई गई। इस अवसर पर दुर्गाकुंड स्थित राजकीय वृद्धाश्रम में असहाय एवं निराश्रित वृद्ध महिलाओं को साड़ी एवं फल वितरित कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा नागनाथ जी महाराज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित लोगों ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए मां गंगा के संरक्षण का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि बाबा नागनाथ जी महाराज ने गंगा की निर्मलता और अविरलता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनका संघर्ष, त्याग और समर्पण समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और सभ्यता की जीवनधारा है। इसलिए इसके संरक्षण की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है। वक्ताओं ने बाबा नागनाथ की पुण्यतिथि को केवल श्रद्धांजलि का अवसर नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने का माध्यम बताया। सेवा कार्य के तहत वृद्धाश्रम परिसर में रह रही महिलाओं को साड़ी एवं फल वितरित किए गए तथा उनके स्वस्थ, सुरक्षित एवं सम्मानपूर्ण जीवन की कामना की गई।

घाघरा नदी की बाढ़ से निपटने को प्रशासन तैयार, एसडीएम रामनगर ने की समीक्षा बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

बाराबंकी। जिले की रामनगर तहसील में घाघरा नदी में बाढ़ की आशंका को देखते हुए शुक्रवार दोपहर तहसील सभागार में उपजिलाधिकारी आनंद तिवारी की अध्यक्षता में बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा बैठक हुई। एसडीएम ने घाघरा किनारे बसे संवेदनशील गांवों के राजस्व निरीक्षक, लेखपाल व पंचायत सचिवों को 24 घंटे अलर्ट रहने के निर्देश दिए। कहा कि कोई भी कर्मचारी बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। जलस्तर की सूचना प्रतिदिन तहसील कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराई जाए। बैठक में प्रभारी चिकित्साधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर व सूरतगंज को निर्देश दिए कि बाढ़ चौकियों पर मेडिकल टीम तैनात करें। ओआरएस, क्लोरीन टेबलेट, सर्पदंश व डायरिया की दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखें। पशु चिकित्सा अधिकारी को चारा-भूसा, टीकाकरण और पशु एंबुलेंस तैयार रखने को कहा गया। एडीओ पंचायत को निर्देश दिए कि सभी बाढ़ चौकियों पर नाव, गोताखोर, लाइफ जैकेट व रस्सों की व्यवस्था समय से पूरी कर लें। राशन किट, पॉलीथिन शीट, मोमबत्ती व मिट्टी के तेल का भंडारण भी सुनिश्चित हो। एसडीएम ने कहा कि टेपरा, किशुनपुर, सरैंया, भिठौरा समेत 18 गांव हर साल बाढ़ से प्रभावित होते हैं। इन गांवों में विशेष निगरानी रखी जाए। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों व बीमार लोगों की सूची पहले से तैयार कर ली जाए ताकि आपात स्थिति में तुरंत सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जा सके। बैठक में ग्रामों के प्रशासक भी मौजूद रहे। एसडीएम ने कहा कि ग्राम स्तर पर व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर हर सूचना तत्काल साझा की जाए। बाढ़ कंट्रोल रूम 24 घंटे चालू रहेगा।

अखिलेश यादव पर राजभर का तंज, जब 900 गुना संपत्ति बढ़ी तो कार्यकताओं से वसूली क्यों?

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री व सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर इन दिनों समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर लगातार हमलावर हैं। वह आए दिन सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अखिलेश यादव पर सवाल खड़े कर रहे हैं। शुक्रवार को ओमप्रकाश राजभर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से अखिलेश यादव पर अपने मिलने वालों से पैसा वसूली का आरोप लगाया है। ओमप्रकाश राजभर ने लिखामित्र अखिलेश, आपके कुछ कार्यकर्ता अपने किसी काम से हमारे पास आए। जाति से आपके वाले ही हैं। आपसे बहुत प्रभावित भी हैं। कहते हैं बस भैया की सरकार आ जाये तो ह्यआ हा हा, मौज आ जाएगीह्ल। बस उन्होंने हमसे आपकी एक शिकायत की। ये शिकायत वो आपके यहां कर नहीं सकते तो बात बात में मुझसे बताने लगे। मैंने सोचा आप मित्र हैं तो आपको बता देनी चाहिए। आपके यादव कार्यकर्ता मुझसे कहने लगे कि ह्लभैयाह्व से मिलने जाने पर उनके ह्लघेरेह्व के लोग हमसे वसूली करते हैं। कहते हैं कि भैया से फोटो खिंचवाने का 5000, हाथ मिलवाने का 8000- 10,000 तक और मिलवाने का तो हिसाब किताब ही नहीं है। समझ नहीं आ रहा आपकी संपत्ति में 900 गुना की बढ़ोत्तरी हुई फिर एक्स्ट्रा इनकम का जुगाड़ क्यों?ओमप्रकाश राजभर ने आगे लिखा धरतीपुत्र के पुत्र यानी आपको ऐसी क्या जरूरत पड़ गई कि अपने धरती पर काम करने वाले कार्यकताओं से वसूली कर रहे हैं। वो भी आपकी अपनी बिरादरी वालों से। अगर यादव कार्यकर्ता का ये हाल है तो बाकि यों का कितना रेट लग रहा आपके यहां? सुना है कार्यकताओं के खून पसीने की कमाई को चूस रहे हैं आप? अगर आप खुद ये वसूली करवा रहे तो क्या ही कहें लेकिन अगर आपके घेरे वाले ये कर रहे हैं तो कुछ कीजिए महाराज। हार तो आप वैसे ही रहे हैं, ये सब बंटाधार करा देंगे। आप सोच रहे होंगे कि कार्यकर्ता आपके, वसूली आपकी, घेरा आपका तो उसमें हम क्यों बीच में आ गए। दो वजह से हमें आना पड़ा। एक तो आप हमें भले दुश्मन समझें लेकिन हम आपको अपना मित्र मानते हैं। दूसरा आपके प्रशंसक, आपके कार्यकर्ता अपना दर्द मुझसे कहते हुए बोले कि मंत्री जी, आप इसको कह दीजिए तो शायद हमारा भला हो जाये। उन्होंने कहा कि मंत्री जी, आप बोलेंगे तो अखिलेश भइया जरूर सुनेंगे और समझेंगे।

हाथरस में चांदी के हिसाब को लेकर घर पर पहुंचे युवकों ने की फायरिंग, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

प्रात : किरण संवाददाता

हाथरस। उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस के सादाबाद कस्बे के चांदी के हिसाब को लेकर घर पर पहुंचे युवकों द्वारा की गई फायरिंग से दहशत पैदा हो गयी। कोतवाली क्षेत्र के गांव बिसावर के पीड़ित ने गांव के ही एक युवक और उसके साथ आए निकटवर्ती गांव के युवक के खिलाफ कोतवाली में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। फायरिंग की पूरी वारदात घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है। गांव बिसावर निवासी मुबारक पुत्र इकराम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गुरुवार रात करीब 9:30 बजे गांव का एक युवक अपने साथी के साथ उसके घर पहुंचा। आरोप है कि गांव के युवक ने आते ही कहा कि उसके पास चांदी का हिसाब निकलता है। इस पर मुबारक ने किसी भी तरह का हिसाब होने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। पीड़ित का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपित युवक गाली-गलौज करने लगा। विवाद बढ़ता देख वह अपने घर का दरवाजा बंद कर अंदर चला गया। आरोप है कि इसके बाद आरोपित ने दहशत फैलाने की नीयत से घर के बाहर कई राउंड फायर किए। जाते समय आरोपित ने धमकी दी कि यदि वह रास्ते में कहीं मिल गया तो उसे जान से मार देगा। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस भी रात में ही गांव पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी। पीड़ित ने दोनों आरोपितों के खिलाफ लिखित शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। चौकी प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि फायरिंग किए जाने की बात सामने आई है। दोनों पक्षों के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ, इसकी जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मॉडल शॉप बंद होने के बाद ओवररेट पर बेच रहे थे शराब, सिगरा पुलिस ने दो विक्रेताओं को पकड़ा

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। सिगरा थाना पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शराब विक्रेताओं को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी मॉडल शॉप बंद होने के बाद निर्धारित समय के पश्चात ओवररेट पर शराब और बीयर बेचकर अवैध रूप से मुनाफा कमा रहे थे। पुलिस ने उनके कब्जे से विभिन्न ब्रांड की शराब और बीयर की खेप भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि कैंट रेलवे स्टेशन के सामने कुछ लोग देर रात दुकानें बंद होने के बाद शराब की अवैध बिक्री कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए सिगरा पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी लेने पर उनके पास से बड़ी मात्रा में शराब और बीयर बरामद हुई, जिसे वे ग्राहकों को निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बेच रहे थे। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी मॉडल शॉप बंद होने के बाद शराब की मांग का फायदा उठाकर ग्राहकों से मनमाना दाम वसूलते थे। इससे उन्हें प्रतिदिन अच्छी-खासी अवैध कमाई होती थी। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपियों के साथ इस अवैध कारोबार में और कौन-कौन लोग जुड़े हैं तथा शराब की आपूर्ति उन्हें कहां से होती थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम एवं अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री के नेटवर्क को समाप्त करने के लिए अभियान तेज करने की बात कही है। यह पूरा मामला सिगरा थाना क्षेत्र स्थित विजयनगरम मार्केट का है। पुलिस का कहना है कि जनपद में अवैध शराब की बिक्री, ओवररेटिंग और निर्धारित समय के बाद शराब बेचने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

अज्ञात व्यक्ति ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में थाना कपसेठी क्षेत्रान्तर्गत ग्राम कुरु में पॉलिटेक्निक के पास लगी भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को किसी अज्ञात व्यक्ति ने क्षतिग्रस्त कर दिया। शुक्रवार सुबह घटना की जानकारी मिलते ही थाना कपसेठी पुलिस मय पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंची। इसके उपरांत सहायक पुलिस आयुक्त राजातालाब एवं उप जिलाधिकारी पिण्डरा ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। सहायक पुलिस आयुक्त राजातालाब अजय श्रीवास्तव ने बताया कि ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों के सहयोग से डॉ भीमराव अंबेडकर की क्षतिग्रस्त प्रतिमा के स्थान पर नई प्रतिमा स्थापित कराई दी गई है। घटना के संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। अज्ञात अभियुक्त की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है। साक्ष्य संकलन सहित अन्य आवश्यक कार्रवाई भी की जा रही है।

जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला उद्योग बंधु समिति की बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक में जनपद के औद्योगिक विकास, उद्यमियों की समस्याओं तथा विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्योगों से जुड़ी समस्याओं का समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिले में निवेश को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए उद्योगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। बैठक में आधारभूत सुविधाएं, विद्युत आपूर्ति, सड़क संपर्क और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने उद्योग विभाग को ह्लएक जिला एक उत्पादह्व के तहत टेराकोटा को वृहद स्तर पर प्रमोट करने के निर्देश दिए। वहीं उद्यमियों ने विभिन्न औद्योगिक स्थलों पर सड़क और नाली निर्माण, वार्षिक मेंटेनेंस टैक्स, गलत बिजली बिल जैसी समस्याएं समिति के समक्ष रखीं, जिनके समाधान के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि निवेश मित्र पोर्टल पर गोरखपुर विकास प्राधिकरण से संबंधित 16 मामले लंबित हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने जीडीए को शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में उद्यमी अंकित अग्रहरि द्वारा गलत बिजली बिल की शिकायत पर विभाग ने बताया कि समस्या का समाधान कर दिया गया है। इसके अलावा चैंबर्स ऑफ इंडस्ट्रीज ने जैतपुर-बोक्टा मार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन से सड़क खराब होने का मुद्दा उठाया। इस पर जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में नाली निर्माण, मेंटेनेंस टैक्स में छूट सहित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर गोरखपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी शाश्वत त्रिपुरारी, अपर नगर आयुक्त सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और जनपद के वरिष्ठ उद्यमी उपस्थित रहे।

हमीरपुर के बच्चों ने सीखी रोबोटिक्स

-अमेरिका से आए व्योम अग्रवाल ने दिया प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के राठ कस्बे में ग्रामीण प्रतिभाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से सृजन एक सोच संस्था ने गुरुवार को जीटीएसई (ग्रामीण टैलेंट सर्च एग्जाम) में चयनित 57 छात्र-छात्राओं के लिए रोबोटिक्स प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया। प्रशिक्षण अमेरिका के टेक्सास स्थित स्कूल में अध्ययनरत व्योम अग्रवाल ने दिया। व्योम अग्रवाल पिछले कई महीनों से अमेरिका से ऑनलाइन माध्यम के जरिए बच्चों को रोबोटिक्स का प्रशिक्षण दे रहे हैं। भारत आगमन पर उन्होंने विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष रूप से रोबोट तैयार करने, इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स के उपयोग तथा रोबोटिक्स की बुनियादी तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य की प्रमुख तकनीकें हैं और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी इनसे जोड़ना समय की आवश्यकता है। संस्था के कंट्री हेड विनय गुप्ता ने बताया कि बच्चों की रुचि और उत्साह को देखते हुए अब रोबोटिक्स की साप्ताहिक कक्षाएं भी संचालित की जाएंगी। साथ ही व्योम अग्रवाल अमेरिका से ऑनलाइन माध्यम से लगातार मार्गदर्शन देते रहेंगे। कार्यक्रम में मौजूद अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को नई तकनीकों से सीखने और भविष्य में बेहतर अवसर प्राप्त करने का मार्ग मिलेगा।

बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम का असर, बनारस में झमाझम बारिश, अगले 48 घंटे का अलर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। बंगाल की खाड़ी में नया सिस्टम बनने के बाद मानसून की सक्रियता और बढ़ गई है। गुरुवार को वाराणसी में जमकर मेघ बरसे। दोपहर में जिले के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। वहीं रात में भी बादल मेहरबान रहे और झमाझम बारिश हुई। इससे गर्मी और उमस से राहत मिली, लेकिन कई इलाकों में जलभराव के चलते परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम का असर पूर्वी उत्तर प्रदेश में देखने को मिल रहा है। इसके प्रभाव से वाराणसी समेत आसपास के इलाकों में बादलों की सक्रियता बढ़ गई है और हल्की से तेज बारिश हो रही है। गुरुवार को भी दिन और रात में बारिश हुई। वहीं शुक्रवार को भी मौसम सुहाना बना हुआ है। रुक-रुककर बूंदाबांदी और हल्की बारिश हो रही है। अगले 48 घंटे बारिश का अलर्ट मौसम विशेषज्ञों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम की वजह से अगले 48 घंटे तक वाराणसी में बारिश के आसार हैं। हल्की से तेज बारिश हो सकती है। आने वाले कुछ दिनों तक मौसम ऐसा ही रहने की संभावना है। बारिश के बाद तापमान में और गिरावट देखी जा सकती है।

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में 10 जुलाई से शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया, एक माह तक होंगे ऑनलाइन आवेदन

वाराणसी। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया 10 जुलाई से शुरू होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस वर्ष प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन करने का निर्णय लिया है। अभ्यर्थी समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे और प्रवेश शुल्क भी ऑनलाइन जमा करना होगा। प्रवेश प्रक्रिया 10 अगस्त तक चलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया पूर्वमध्यमा, प्रथमा, प्रथमोपाध्याय, शास्त्री प्रथम सेमेस्टर और आचार्य प्रथम सेमेस्टर सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में संचालित की जाएगी। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए इस बार विशेष रूप से कॉलेज एडमिशन पोर्टल भी तैयार किया गया है, जिसके माध्यम से आवेदन से लेकर शुल्क जमा करने तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन पूरी होगी। संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, असम और हरियाणा समेत कई राज्यों के लगभग 500 से अधिक महाविद्यालय संबद्ध हैं। इन सभी महाविद्यालयों में एक समान ऑनलाइन व्यवस्था के तहत प्रवेश लिए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता और सुविधा दोनों सुनिश्चित होंगी। कुलसचिव प्रो. राकेश कुमार ने बताया कि अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले समर्थ पोर्टल पर उपलब्ध दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ना चाहिए। आवेदन के दौरान सभी आवश्यक जानकारी सही ढंग से भरनी होगी, क्योंकि गलत या अधूरी जानकारी के कारण आवेदन निरस्त भी किया जा सकता है। विश्वविद्यालय ने बताया कि पूर्वमध्यमा, उत्तरमध्यमा, शास्त्री प्रथम सेमेस्टर और आचार्य प्रथम सेमेस्टर के अभ्यर्थियों को प्रवेश आवेदन पत्र डाउनलोड कर संबंधित महाविद्यालय में जमा करना होगा। इसके साथ ही पंजीकरण शुल्क के रूप में 200 रुपये ऑनलाइन जमा करने होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि प्रवेश प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से इस बार डिजिटल व्यवस्था लागू की गई है। अभ्यर्थी प्रवेश से संबंधित सभी जानकारी, आवश्यक दस्तावेजों की सूची, आवेदन की स्थिति और अन्य निर्देश कॉलेज एडमिशन पोर्टल एवं समर्थ पोर्टल के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे। इससे विद्यार्थियों को बार-बार महाविद्यालय या विश्वविद्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और पूरी प्रक्रिया सुगमता से संपन्न हो सकेगी।

वाराणसी : हाईवे पर पिकअप से टकराई बाइक, युवक गंभीर घायल, ट्रॉमा सेंटर में भर्ती

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। मिजार्मुराद थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-19 पर गुरुवार शाम सड़क हादसे में एक बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा भीखीपुर गांव के पास उस समय हुआ, जब आगे चल रही एक पिकअप का अचानक टायर फटने के कारण उसकी रफ्तार धीमी हो गई और पीछे से आ रही बाइक अनियंत्रित होकर वाहन के पिछले हिस्से से टकरा गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एंबुलेंस से ट्रॉमा सेंटर भिजवाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। मिजार्मुराद क्षेत्र के गुड़िया गांव निवासी अमर बिंद गुरुवार शाम करीब सात बजे राजातालाब से बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान भीखीपुर स्थित केआईटी के समीप आगे चल रही पिकअप का अचानक टायर फट गया। टायर फटने के बाद चालक ने वाहन की गति कम कर दी। पीछे से आ रहे अमर को वाहन की रफ्तार में आए अचानक बदलाव का अंदाजा नहीं लग सका और उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पिकअप के पिछले हिस्से से जा भिड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर काफी तेज थी। हादसे में बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि अमर बिंद सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही मिजार्मुराद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल एंबुलेंस के जरिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर भेजा। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक और पिकअप को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह पिकअप का टायर फटना और उसके बाद वाहन की गति अचानक कम होना बताया जा रहा है।

बीएचयू में 33 पेड़ों की कटाई पर NGT सख्त, 2.65 करोड़ रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति वसूलने का आदेश

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। बीएचयू परिसर में बिना अनुमति 33 पेड़ों की कटाई के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कड़ा रुख अपनाते हुए उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) को 2.65 करोड़ रुपये की पर्यावरणीय क्षति वसूलने के निर्देश दिए हैं। यह धनराशि तीन महीने के भीतर वसूली जाएगी। गुरुवार को आदेश अपलोड किया गया। अधिकरण ने पूर्व में दिए गए आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए यह निर्देश जारी किया। यह मामला बीएचयू विधि संकाय के पूर्व छात्र एवं अधिवक्ता सौरभ तिवारी द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में दुर्लभ सफेद चंदन समेत विभिन्न प्रजातियों के पेड़ों की बिना वैधानिक अनुमति कटाई का आरोप लगाते हुए एनजीटी का दरवाजा खटखटाया था। संयुक्त समिति की जांच में हुई थी पुष्टि एनजीटी द्वारा गठित संयुक्त जांच समिति ने अपनी जांच में पाया था कि विश्वविद्यालय परिसर में 33 पेड़ों की अवैध कटाई हुई थी। इनमें 26 सामान्य प्रजाति के पेड़ और 7 सफेद चंदन के पेड़ शामिल थे। कटे हुए पेड़ों में आम, महुआ, गुलमोहर, कटहल, सागौन और सफेद चंदन जैसी महत्वपूर्ण प्रजातियां शामिल थीं। जांच रिपोर्ट के आधार पर एनजीटी ने 11 अगस्त 2025 को आदेश दिया था कि प्रत्येक कटे हुए पेड़ के बदले कम से कम 20 पौधे लगाए जाएं तथा पर्यावरणीय क्षति की भरपाई के लिए निर्धारित राशि वसूली जाए। आदेश का पालन न होने पर दाखिल हुई निष्पादन याचिका सौरभ तिवारी ने बताया कि एनजीटी के आदेश के बावजूद निर्धारित अवधि में पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की राशि की वसूली नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने मार्च 2026 में अधिकरण में निष्पादन (ए७ीू४३्रङ्मल्ल) याचिका दाखिल की। इस पर सुनवाई करते हुए एनजीटी ने अब उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को स्पष्ट निर्देश दिया है कि तीन महीने के भीतर हर हाल में पूरी राशि की वसूली सुनिश्चित की जाए। वन विभाग की रिपोर्ट में पौधारोपण की पुष्टि याचिकाकर्ता के अनुसार 4 जुलाई 2026 को अधिकरण के समक्ष एक हलफनामा दाखिल किया गया, जिसमें बताया गया कि क्षेत्रीय वन अधिकारी मोहम्मद इब्राहिम के नेतृत्व में छह सदस्यीय विशेष टीम ने 29 जून 2026 को विश्वविद्यालय परिसर का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि वर्ष 2025 में बीएचयू परिसर में 978 पौधे लगाए गए, जिनमें से 859 पौधे जीवित और सुरक्षित पाए गए। एनजीटी ने अपने आदेश में कहा कि यह संख्या न्यायाधिकरण के निर्देशानुसार आवश्यक क्षतिपूरक पौधारोपण के मानक को पूरा करती है। हालांकि पौधारोपण होने के बावजूद अवैध कटाई के लिए निर्धारित पर्यावरणीय क्षति की राशि की वसूली आवश्यक होगी। पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा फैसला पर्यावरणविदों का मानना है कि यह आदेश केवल बीएचयू ही नहीं, बल्कि सभी सरकारी एवं निजी संस्थानों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है कि बिना वैधानिक अनुमति पेड़ों की कटाई पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एनजीटी ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ न केवल क्षतिपूरक पौधारोपण कराया जाएगा, बल्कि पर्यावरणीय नुकसान की आर्थिक भरपाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

युवा चेतना समिति ने उद्योगपति ओमप्रकाश जालान को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर की सामाजिक, सांस्कृतिक और जनचेतना से जुड़ी अग्रणी संस्था युवा चेतना समिति, गोरखपुर ने प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी स्वर्गीय ओमप्रकाश जालान के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। समिति की ओर से आयोजित गुरुवार को श्रद्धांजलि सभा में पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने जालान के व्यक्तित्व, कृतित्व और गोरखपुर के औद्योगिक विकास में उनके योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए युवा चेतना समिति के वरिष्ठ संरक्षक प्रो. शिव शरण दास एवं अध्यक्ष मांधाता सिंह ने कहा कि युवा चेतना समिति ने सदैव समाज के उन व्यक्तित्वों को सम्मानित किया है, जिन्होंने अपने कर्म, संघर्ष और सेवा से समाज को नई दिशा दी। इसी गौरवशाली परंपरा के अंतर्गत समिति द्वारा वर्ष 1996 में आयोजित स्वर्ण पदक सम्मान समारोह में ओमप्रकाश जालान को प्रतिष्ठित ह्यश्रमवीर सम्मानह्व से अलंकृत किया गया था। यह सम्मान तत्कालीन कमिश्नर हरिश्चंद्र प्रसाद के कर-कमलों से प्रदान किया गया था। उन्होंने कहा कि यह युवा चेतना समिति के इतिहास का एक महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण अध्याय है कि समिति ने समय रहते ऐसे कर्मयोगी उद्योगपति के योगदान को पहचाना और उन्हें सम्मानित किया। जालान ने उद्योग के माध्यम से न केवल गोरखपुर की आर्थिक गति को बल दिया, बल्कि युवाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी उल्लेखनीय अवसर उपलब्ध कराए। प्रो. शिव शरण दास एवं मांधाता सिंह ने कहा कि स्वर्गीय ओमप्रकाश जालान उत्तर प्रदेश के प्रमुख उद्योगपतियों में गिने जाते थे। उनका निडर व्यक्तित्व, श्रमिकों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण और समाज के प्रति समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनका निधन गोरखपुर के उद्योग जगत और सामाजिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। युवा चेतना समिति ने शोक-संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि समिति स्वर्गीय जालान के योगदान को सदैव आदर और कृतज्ञता के साथ स्मरण करती रहेगी। सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रद्धांजलि सभा में डॉ. विमल कुमार मोदी, रामपाल सिंह, डॉ. ए.पी. गुप्ता, डॉ. पी.पी. गुप्ता, डॉ. धर्मव्रत तिवारी, प्रो. अनुभूति दुबे, अखिलेश ओझा, डॉ. आलोक कुमार सिंह, विनोद प्रकाश पांडेय , आशुतोष मिश्रा, मनोज कुमार सिंह, राजेश पांडेय , राहुल दुबे, सुधांशु चंद्र वर्मा , महेश गर्ग, विजय आनंद कक्कू सहित युवा चेतना समिति के अनेक पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने स्वर्गीय श्री ओमप्रकाश जालान को नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की।

संक्षिप्त खबरें

घर के बाहर से लापता बच्चे का शव पानी से भरे गहरे गड्ढे में मिला

लोनी। गुरुवार शाम थाना अंकुर विहार क्षेत्र के मिल्क गांव की झुग्गियों में रहने वाले 6 वर्षीय लापता बच्चे का शव अगले दिन निवास स्थान के निकट ही बरसात के पानी से भरे गड्ढे से बरामद हुआ है। पुलिस द्वारा बच्चे के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई को अंजाम दिया गया।`थाना प्रभारी अंकुर विहार के मुताबिक मिल्क गांव की झुग्गियों में रहने वाले सतीश नामक व्यक्ति ने गुरुवार की देर रात लगभग 11:30 बजे थाने पर सूचना दी थी कि शाम लगभग 7:00 बजे उसका पुत्र पोलू उम्र 6 वर्ष झुग्गियो के पास खेल रहा था. इसी दौरान वह अचानक कहीं गायब हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर आसपास के सीसी टीवी फुटेज खंगालने पर बच्चे का कहीं आना-जाना फुटेज में नहीं दिखाई दिया. जबकि आसपास के रहने वालों से जाइ्ञ[5:59 ढट, 7/10/2026] +91 98914 81425: लोनी। जिम्मेदारों की कार्य प्रणाली को उजागर करता शिव विहार मेट्रो स्टेशन के आस-पास दिल्ली-सहारनपुर मार्ग पर भरा पानी। कड़ी मशक्कत के बाद निकल पाते हैं वाहन चालक, दुर्घटना होने का बना रहता है खतरा।

जिलाधिकारी ने उप-पंजीयक कार्यालय का निरीक्षण किया

देवरिया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने शुक्रवार को उप-पंजीयक कार्यालय का औचक निरीक्षण कर कार्यालय की व्यवस्थाओं, रजिस्ट्री कार्यों और अभिलेखों के रख-रखाव की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को पारदर्शी, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में संचालित रजिस्ट्री कार्यों का अवलोकन किया। विभिन्न पंजिकाओं और अभिलेखों की स्थिति की जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अभिलेखों के नियमित संधारण की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि सभी रिकॉर्ड सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखे जाएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें तुरंत उपलब्ध कराया जा सके। डीएम ने रजिस्ट्री कराने आने वाले नागरिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्रतीक्षालय, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लेकर आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को कार्यालय में किसी प्रकार की असुविधा न हो और उन्हें सम्मानजनक एवं पारदर्शी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

ई-रिक्शा से बिहार ले जाई जा रही 10 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद

देवरिया। जनपद में अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना श्रीरामपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ई-रिक्शा से 10 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब शुक्रवार को बरामद की है। पुलिस ने मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सुनील कुमार सिंह ने बताया कि थाना श्रीरामपुर पुलिस शुक्रवार को संदिग्ध वाहन एवं व्यक्तियों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने बंकुल पुल के पास टोला अहिबरन राय के निकट एक ई-रिक्शा (बीआर 29 ईआर 5983) को रोक कर तलाशी ली। उन्होंने बताया कि तलाशी के दौरान ई-रिक्शा से बिहार ले जाई जा रही 10 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। बरामद शराब में कुल 480 पाउच (प्रत्येक 180 मिलीलीटर) शामिल हैं, जिसकी कुल मात्रा 86.4 लीटर है। पुलिस ने मौके से बिहार निवासीसंदीप कुमार माझी को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि बरामद शराब की अनुमानित कीमत 62,400 रुपये तथा जब्त ई-रिक्शा की कीमत लगभग एक लाख रुपये आंकी गई है। इस संबंध में थाना श्रीरामपुर में मुकदमा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

घरों तक पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस पहुंचाने में तेजी लाने के निर्देश

पेट्रोल पंपों के लंबित एनओसी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण करने के भी दिए

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने जनपद में पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति बढ़ाने और प्रस्तावित पेट्रोल पंपों से जुड़े लंबित अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए निर्धारित समय-सीमा में लंबित मामलों का निस्तारण सुनिश्चित करें। शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि अधिक से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। पात्र परिवारों से आवेदन लेने की प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा जनजागरूकता अभियान चलाकर इसे सरल और सुगम बनाया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने का कार्य चल रहा है, वहां निर्धारित समय के भीतर कार्य पूरा कराया जाए ताकि लोगों को जल्द सुविधा मिल सके। जिलाधिकारी ने नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों और मार्गों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध पुनर्स्थापन कराया जाए, जिससे आमजन को असुविधा का सामना न करना पड़े। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि जहां गैस पाइपलाइन कार्यों के लिए बिजली के पोल या अन्य विद्युत अवसंरचना के स्थानांतरण की आवश्यकता हो, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई कर कार्यों में बाधा न आने दी जाए। वहीं, जल निगम (शहरी) को निर्देश दिए गए कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त न हों। यदि किसी स्थान पर पाइपलाइन शिफ्टिंग या समन्वय की आवश्यकता हो तो गैस कंपनी के साथ मिलकर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। 'बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी अभय प्रताप सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रैक्टर से जल कटाव प्रभावित क्षेत्र पहुंचे डीएम-एसपी, सीपिया घाट का किया निरीक्षण

ग्रामीणों को शीघ्र समाधान का भरोसा, सिंचाई विभाग को स्थायी कार्यवाही के निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। थाना धनौरा क्षेत्र के ग्राम रसूलपुर स्थित सीपिया घाट पर जल कटाव से प्रभावित क्षेत्र का शुक्रवार को जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने स्थलीय निरीक्षण किया। मार्ग अत्यधिक दुर्गम होने के कारण दोनों अधिकारी ट्रैक्टर से मौके पर पहुंचे और जल कटाव की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी व तहसीलदार को निर्देश दिए कि वे सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में रहकर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि विभागीय कार्य समयबद्ध तरीके से संचालित हों। डीएम ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि जल कटाव की समस्या का जल्द ही स्थायी समाधान कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में जनपद बिजनौर के जिलाधिकारी से भी समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्र की समय-समय पर फोटो और वीडियो उपलब्ध कराते रहें, ताकि स्थिति की नियमित समीक्षा की जा सके। साथ ही संबंधित अधिकारियों को कंट्रोल रूम से लगातार संपर्क बनाए रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीणों की सुरक्षा और आवागमन को देखते हुए तत्काल अस्थायी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, जबकि स्थायी समाधान के लिए सिंचाई विभाग आवश्यक तकनीकी एवं प्रशासनिक कार्रवाई शीघ्र शुरू करे। निरीक्षण के दौरान डीएम और एसपी ने प्रभावित ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा प्रशासन की ओर से हरसंभव सहायता और सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर तहसीलदार, सिंचाई विभाग के अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

विधायक ने पुरातत्व विभाग को लिखा पत्र, अपरकोट के वैज्ञानिक सर्वेक्षण, उत्खनन व संरक्षण की करी मांग

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। स्थानीय विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने भारतीय पुरातत्व विभाग, नई दिल्ली के निदेशक को पत्र लिखकर लोनी स्थित ऐतिहासिक अपरकोट (ऊंचा किला), स्वयंभू महादेव मंदिर, मां काली मंदिर तथा आसपास के प्राचीन ऐतिहासिक स्थलों का वैज्ञानिक सर्वेक्षण, उत्खनन, संरक्षण एवं जीर्णोद्धार कराए जाने की मांग की है। विधायक ने अपने पत्र में कहा है कि लोनी की भूमि रामायण काल, महाभारत काल, मुगलकाल तथा अंग्रेजी शासन सहित विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों की महत्वपूर्ण धरोहरों को अपने भीतर समेटे हुए है। स्थानीय ऐतिहासिक परंपराओं के अनुसार वर्ष 1398 में तैमूर लंग और तत्कालीन शासकों के बीच हुए युद्ध, क्षेत्र के प्राचीन धार्मिक स्थलों तथा अनेक ऐतिहासिक अवशेषों के प्रमाण आज भी यहां विद्यमान हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि अपरकोट क्षेत्र में स्थित स्वयंभू महादेव मंदिर एवं मां काली मंदिर अत्यंत प्राचीन धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के केंद्र हैं। स्थानीय जनश्रुतियों के अनुसार अपरकोट टीले के नीचे प्राचीन काल से लेकर मुगलकाल तक के अनेक पुरातात्विक अवशेष, संरचनाएं एवं बहुमूल्य ऐतिहासिक सामग्री मौजूद हो सकती है, जिनका वैज्ञानिक अध्ययन आवश्यक है। उन्होंने भारतीय पुरातत्व विभाग से विभिन्न मांग की है, जिनमें- अपरकोट (ऊंचा किला), स्वयंभू महादेव मंदिर एवं मां काली मंदिर का विस्तृत वैज्ञानिक सर्वेक्षण एवं उत्खनन कराया जाना, बागराणप क्षेत्र एवं प्राचीन तालाबों का संरक्षण और पुनर्जीवन किया जाए।

बारिश के बीच डीएम ने संभाली कमान, शहर का किया निरीक्षण; जलभराव नहीं मिला, अफसरों को दिए सख्त निर्देश

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। लगातार हो रही बारिश के बीच जिलाधिकारी जसजीत कौर शुक्रवार को शहर की व्यवस्थाओं का जायजा लेने सड़क पर उतरीं। उन्होंने आवास विकास, बुखारा कॉलोनी और वार्ड संख्या-12 शिवाजी नगर का स्थलीय निरीक्षण कर जलभराव की स्थिति देखी। राहत की बात यह रही कि निरीक्षण के दौरान किसी भी स्थान पर जलभराव नहीं मिला। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, नगर पालिका परिषद के अवर अभियंता (सिविल) यशवंत कुमार, अवर अभियंता (जल) गौरव शर्मा, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक गोविन्द चौधरी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बारिश के दौरान जल निकासी व्यवस्था हर समय सुचारु बनी रहनी चाहिए। नालों और नालियों की नियमित सफाई कराई जाए तथा ऐसे सभी संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाए, जहां जलभराव की आशंका रहती है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। शिवाजी नगर वार्ड संख्या-12 में निरीक्षण के दौरान डीएम ने मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के अंतर्गत प्रस्तावित सड़कों का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा संचारी रोगों की रोकथाम के मद्देनजर नियमित साफ-सफाई, जलभराव रोकने और स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। बुखारा स्थित सरकारी कॉलोनी में सड़क किनारे लगे ट्रांसफार्मर को देखते हुए जिलाधिकारी ने उसके चारों ओर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कराने के निर्देश दिए, ताकि वर्षा के दौरान करंट या अन्य दुर्घटना की संभावना न रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि जल निकासी, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध ढंग से कार्य पूरा करें और बारिश के मौसम में आमजन की सुरक्षा व सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

दहेज उत्पीड़न मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। थाना हीमपुर दीपा पुलिस ने दहेज उत्पीड़न, मारपीट और विषैला पदार्थ खिलाने के आरोपों से जुड़े मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 30 मई 2026 को थाना हीमपुर दीपा में दर्ज कराई गई तहरीर में आरोप लगाया गया था कि पीड़िता को दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया गया, उसके साथ मारपीट की गई और कथित रूप से विषैला पदार्थ खिलाया गया। शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85, 115(2), 123(1) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने पहले एक आरोपी नौशाद अहमद को 13 जून को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसी क्रम में शुक्रवार को पुलिस ने मामले में वांछित बुन्दू पुत्र हसमत तथा मुनीशा पत्नी बुन्दू, निवासी ग्राम सबदलपुर, थाना हीमपुर दीपा को गिरफ्तार कर लिया। थाना पुलिस ने बताया कि मुकदमे में नामजद अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक कर्मवीर, हेड कांस्टेबल दिनेश चाहल तथा महिला आरक्षी प्राची शामिल रहीं।

राष्ट्रीय मछुआरा दिवस पर नीली क्रांति, 350 नए तालाब बने, महिलाओं को भी मिल रहा लाभ

अमरोहा में मत्स्य उत्पादन 15% बढ़ा, 40% सब्सिडी से किसानों को मिल रहा लाभ

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। राष्ट्रीय मछुआरा दिवस के अवसर पर अमरोहा जिले में मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दे रही है। योजना के प्रभाव से जिले में पिछले एक वर्ष के दौरान मत्स्य उत्पादन में 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6592 मीट्रिक टन उत्पादन था, जो 2025-26 में बढ़कर 8162 मीट्रिक टन पहुंच गया। सहायक निदेशक मत्स्य नीतू सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत ग्राम सभा के पट्टे वाले तालाबों में मत्स्य पालन के लिए प्रति हेक्टेयर 4 लाख रुपये की इनपुट लागत पर 40 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है। योजना का लाभ लेने के लिए तालाब के पट्टे की शेष अवधि कम से कम पांच वर्ष होना आवश्यक है। मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए जिले में क्लस्टर अप्रोच पर कार्य किया जा रहा है। नौगावां सादात तहसील की कोरल न्याय पंचायत में 300 से 350 नए निजी तालाब विकसित किए गए हैं। वहीं स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को भी तालाब आवंटित कर मत्स्य पालन से जोड़ा जा रहा है, जिससे उनकी आय और रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं।

दिल्ली तक पहुंच रही अमरोहा की मछली

अमरोहा। जनपद मे तैयार होने वाली मछली की बिक्री गजरौला, संभल, मुरादाबाद और दिल्ली के गाजीपुर बाजार तक हो रही है। किसानों को तालाब से ही औसतन 110 रुपये प्रति किलोग्राम का थोक मूल्य मिल रहा है। विभाग का कहना है कि प्रशासनिक सहयोग और सरकारी योजनाओं के कारण जिले में मत्स्य पालन तेजी से लाभकारी व्यवसाय बनता जा रहा है।

कमिश्नर व साइबर क्राइम को शिकायती पत्र देकर अधिवक्ता ने साइबर उत्पीड़न, अश्लील कॉल व मानसिक प्रताड़ना का लगाया

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। अधिवक्ता कामना सिंह ने पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद एवं साइबर क्राइम शाखा को शिकायती पत्र देकर कुछ व्यक्तियों द्वारा मोबाइल फोन के माध्यम से अश्लील गाली-गलौज, अभद्र भाषा, मानसिक उत्पीड़न, आपराधिक धमकी तथा साइबर माध्यम से उनके पूरे परिवार को निशाना बनाये जाने का आरोप लगाया है। अधिवक्ता ने पत्र में उल्लेख किया है कि दिनांक 09 जुलाई 2026 को दोपहर के समय प्रार्थिनी के मोबाइल पर एक ही व्यक्ति द्वारा लगातार लगभग 25-26 बार कॉल कर अश्लील एवं अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया गया. यही नहीं, बार-बार मना करने के बावजूद कॉल करना बंद नहीं किया गया। यह भी आरोप है कि उक्त व्यक्तियों द्वारा प्रार्थिनी के पति, जो वर्तमान में पैर में फ्रैक्चर के कारण बेड रेस्ट पर हैं, को भी लगातार फोन कर कथित रूप से गाली-गलौज एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रार्थिनी की वृद्ध एवं अस्वस्थ सास तथा उनकी ननद को भी कथित रूप से फोन कर अभद्र व्यवहार एवं मानसिक उत्पीड़न किया गया। और जब परिवार के सदस्यों ने कॉल उठाना बंद कर दिया, तब संबंधित व्यक्तियों ने आसपास के दुकानदारों एवं अन्य लोगों से संपर्क कर प्रार्थिनी एवं उनके परिवार के संबंध में कथित रूप से झूठी एवं मानहानिकारक बातें फैलाने का प्रयास किया, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने का प्रयास हुआ। अधिवक्ता ने पुलिस से मांग की है कि समस्त संबंधित मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (उऊफ़), क्ढउफ़ कॉल रिकॉर्डिंग, लोकेशन एवं अन्य डिजिटल साक्ष्यों को तत्काल सुरक्षित कर उनकी जांच कराई जाए तथा भारतीय न्याय संहिता, 2023, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 एवं अन्य लागू विधिक प्रावधानों के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने पत्र में अपने एवं अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया है।

स्योहारा में जैम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की सीएमई, पेनक्रियाज रोगों पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी

पेनक्रियाज के लक्षणों को नजरअंदाज करना हो सकता है जानलेवा: डॉ. रियाज

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

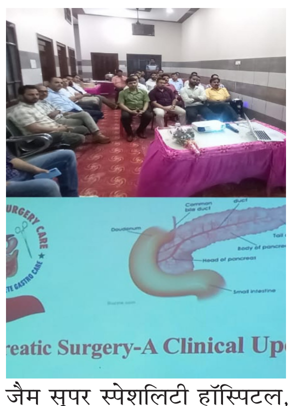

स्योहारा। स्योहारा स्थित एस.के. मेमोरियल हॉस्पिटल में जैम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुरादाबाद एवं नीमा के संयुक्त तत्वावधान में कंटिन्यू मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के चिकित्सकों को पेनक्रियाज संबंधी रोगों के नवीनतम उपचार एवं जागरूकता से अवगत कराना था।कार्यक्रम का आयोजन नीमा के संरक्षक डॉ. विनीत कुमार देवरा, सचिव डॉ. मोहम्मद इमरान तथा जैम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के मैनेजर गुलाम अहमद के सहयोग से किया गया। मुख्य वक्ता जैम सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुरादाबाद के डायरेक्टर एवं प्रसिद्ध गैस्ट्रो सर्जन डॉ. रियाज अहमद ने प्रोजेक्टर के माध्यम से पेनक्रियाज (अग्न्याशय) की संरचना, कार्य, रोगों के लक्षण तथा उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पेनक्रियाज शरीर का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है, जो एमाइलेज और लाइपेज जैसे पाचक एंजाइम बनाता है तथा इंसुलिन हार्मोन का निर्माण कर रक्त में शुगर के स्तर को नियंत्रित करता है। उन्होंने कहा कि पेनक्रियाज में सूजन या अन्य समस्या होने पर तेज पेट दर्द, उल्टी, जी मिचलाना, वजन घटना, पीलिया और मधुमेह जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए, क्योंकि समय पर उपचार न मिलने पर यह स्थिति जानलेवा भी हो सकती है।डॉ. रियाज अहमद ने पेनक्रियाज को स्वस्थ रखने के लिए शराब और धूम्रपान से दूर रहने, तली-भुनी एवं अधिक चिकनाईयुक्त चीजों का कम सेवन करने, हरी सब्जियां, फल और साबुत अनाज को भोजन में शामिल करने तथा पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी।

राष्ट्रीय मछुआरा दिवस : जल, जीवन और आजीविका का सम्मान

प्रात : किरण संवाददाता, इकरामुद्दीन मलिक

अमरोहा। भारत में प्रत्येक वर्ष 10 जुलाई को राष्ट्रीय मछुआरा दिवस मनाया जाता है। यह दिन उन लाखों मछुआरों के सम्मान और उनके योगदान को याद करने का अवसर है, जो देश की खाद्य सुरक्षा, पोषण, रोजगार और अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मछली पालन केवल एक पारंपरिक व्यवसाय नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेजी से उभरता हुआ क्षेत्र है। भारत विश्व के प्रमुख मत्स्य उत्पादक देशों में शामिल है। नदियां, तालाब, झीलें, जलाशय और समुद्री तट हमारे देश को मत्स्य उत्पादन के लिए समृद्ध आधार प्रदान करते हैं। आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक तरीके और सरकारी योजनाओं के माध्यम से मत्स्य पालन अब किसानों और युवाओं के लिए आय का एक बेहतर विकल्प बन चुका है। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारें मत्स्य क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित कर रही हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से मछुआरों को आर्थिक सहायता, आधुनिक उपकरण, बीज, चारा और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इन प्रयासों से मत्स्य उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य, जहां समुद्र नहीं है, वहां भी तालाबों और जलाशयों के माध्यम से मत्स्य पालन तेजी से विकसित हो रहा है। अमरोहा सहित कई जिलों में ग्राम समाज के तालाबों का बेहतर उपयोग कर स्थानीय लोगों को स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। इससे युवाओं का रुझान भी इस क्षेत्र की ओर बढ़ा है। राष्ट्रीय मछुआरा दिवस हमें यह भी संदेश देता है कि जल संसाधनों का संरक्षण और संतुलित उपयोग अत्यंत आवश्यक है। यदि नदियां, तालाब और झीलें स्वच्छ और सुरक्षित रहेंगी, तभी मत्स्य संपदा का संरक्षण संभव होगा। जल प्रदूषण रोकना, अवैध शिकार पर नियंत्रण और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम मछुआरों के परिश्रम का सम्मान करें, उन्हें आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराएं और मत्स्य पालन को एक सशक्त एवं टिकाऊ आजीविका के रूप में विकसित करें। राष्ट्रीय मछुआरा दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि जल, प्रकृति और मेहनतकश मछुआरा समुदाय के प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर है। यदि सरकार, समाज और मछुआरा समुदाय मिलकर कार्य करें तो यह क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास में और अधिक महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

हर ब्लॉक में लगेंगे श्री अन्न प्रशिक्षण शिविर, किसानों को मिलेगी आधुनिक खेती की जानकारी

प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी, लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

रिपोर्ट बिजनौर। मौसम विभाग द्वारा 10 और 11 जुलाई को जिले में तेज आंधी, भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताए जाने के बाद जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) देवेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि संभावित खराब मौसम को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां पूरी रखने और सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि बारिश के साथ मेघगर्जन और वज्रपात की आशंका को देखते हुए लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है। खुले मैदान, खेत, तालाब, नदी, नहर और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने तथा पेड़ों के नीचे शरण नहीं लेने की सलाह दी गई है। लोगों से मजबूत पक्के भवनों में सुरक्षित रहने को कहा गया है। प्रशासन ने किसानों से खराब मौसम के दौरान खेतों में काम नहीं करने और सुरक्षित स्थान पर चले जाने की अपील की है। वहीं बिजली चमकने के दौरान मोबाइल टावर, बिजली के खंभों, ऊंची इमारतों, धातु की वस्तुओं और विद्युत उपकरणों से दूरी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। यदि कोई व्यक्ति खुले स्थान पर फंस जाए तो दोनों पैरों को मिलाकर नीचे झुकने और जमीन पर नहीं लेटने की सलाह दी गई है। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि वज्रपात से बचाव के लिए ह्ल30-30 नियमह्व का पालन करें। यदि बिजली चमकने के 30 सेकंड के भीतर गरज सुनाई दे तो तुरंत सुरक्षित स्थान पर चले जाएं और अंतिम गर्जन के कम से कम 30 मिनट बाद ही बाहर निकलें। आंधी-तूफान के दौरान घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखें, अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें तथा टीवी, कंप्यूटर, रेफ्रिजरेटर, कूलर सहित अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग बंद कर दें। वाहन चालक सुरक्षित स्थान पर वाहन रोककर उसके अंदर ही रहें तथा पेड़ों और बिजली की लाइनों के नीचे वाहन खड़ा न करें। आपात स्थिति में सहायता के लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कंट्रोल रूम 01342-262031 और 01342-262295 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा पुलिस सहायता के लिए 112, अग्निशमन सेवा के लिए 101 तथा एम्बुलेंस के लिए 108 नंबर उपलब्ध हैं। प्रशासन ने लोगों से मौसम विभाग और जिला प्रशासन द्वारा जारी चेतावनियों पर नजर रखने तथा स्वयं सुरक्षित रहने के साथ दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की है, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि और पशुहानि को रोका जा सके। बिजनौर, 9 जुलाई। मौसम विभाग द्वारा 10 और 11 जुलाई को जिले में तेज आंधी, भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताए जाने के बाद जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) देवेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि संभावित खराब मौसम को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां पूरी रखने और सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि बारिश के साथ मेघगर्जन और वज्रपात की आशंका को देखते हुए लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की गई है।

उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट के नाम पर साइबर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा, 11 आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। थाना स्योहारा पुलिस ने उत्तर प्रदेश पुलिस के ह्यसाइ-वज्र अभियानह्न के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट की फर्जी वेबसाइट बनाकर और निवेश के नाम पर लोगों से साइबर ठगी करने वाले संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से संगणक, चल दूरभाष, बैंक पासबुक, आधार कार्ड, डेबिट-क्रेडिट कार्ड, नकदी सहित बड़ी मात्रा में डिजिटल उपकरण और दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार राष्ट्रीय साइबर अपराध शिकायत पोर्टल के विश्लेषण के दौरान गिरोह का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि आरोपी परिवहन विभाग की उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट की आधिकारिक वेबसाइट जैसी फर्जी वेबसाइट तैयार कर लोगों से ऑनलाइन बुकिंग के नाम पर धनराशि वसूलते थे। इसके अलावा सामाजिक माध्यमों पर निवेश पर अधिक लाभ का झांसा देकर भी लोगों को ठगी का शिकार बनाया जाता था। पूछताछ में यह भी पता चला कि गिरोह के कुछ सदस्य फर्जी जन सेवा केंद्र संचालित कर आधार कार्ड की प्रतियों के आधार पर बैंक खाते खुलवाते थे। इन खातों में साइबर ठगी से प्राप्त रकम जमा कर उसे विभिन्न माध्यमों से निकालकर गिरोह के अन्य सदस्यों तक पहुंचाया जाता था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने फर्जी वेबसाइट तैयार करने में चैट जीपीटी सहित अन्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ऑनलाइन उपकरणों का भी उपयोग किया था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने चार संगणक, दो मुद्रक, एक टैबलेट, 15 स्मार्ट चल दूरभाष, एक अंगुली छाप पहचान मशीन, 61 आधार कार्ड, 42 बैंक पासबुक, 33 डेबिट-क्रेडिट कार्ड, 15 मतदाता पहचान पत्र, 19 स्थायी खाता संख्या (पैन) कार्ड, 1.20 लाख रुपये नकद तथा बैंक खातों में जमा 88 हजार रुपये फ्रीज कराए हैं। बरामदगी का कुल मूल्य 2.08 लाख रुपये बताया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट की बुकिंग अथवा किसी भी ऑनलाइन भुगतान से पहले संबंधित वेबसाइट की प्रामाणिकता अवश्य जांच लें तथा किसी भी संदिग्ध लिंक पर अपनी व्यक्तिगत अथवा बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें।

संक्षिप्त खबरें

शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस में अतिरिक्त एसी-3 कोच की सुविधा

रायपुर। यात्रियों की सुविधा और अधिक से अधिक लोगों को कन्फर्म बर्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर चलने वाली गाड़ी संख्या 18030/18029 शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से एक अतिरिक्त एसी-3 कोच लगाने का निर्णय लिया है। रायपुर रेल मंडल के अनुसार, गाड़ी संख्या 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस में यह सुविधा 11 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक उपलब्ध रहेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 18029 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में अतिरिक्त एसी-3 कोच 13 जुलाई से 19 जुलाई 2026 तक लगाया जाएगा। रेलवे प्रशासन का कहना है कि अतिरिक्त कोच की व्यवस्था से अधिक संख्या में यात्रियों को कन्फर्म बर्थ मिल सकेगी और यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी। इससे इस अवधि में यात्रा करने वाले यात्रियों को विशेष लाभ मिलने की उम्मीद है।

आपदा पीड़ित परिवार को चार लाख की आर्थिक सहायता

बलौदाबाजार। प्राकृतिक आपदा से मृत परिवार के निकट परिजन के लिए 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने शुक्रवार को राजस्व पुस्तक परिपत्र की धारा 6-4 के तहत ये स्वीकृतियां प्रदान की हैं। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिजन जानमति चेलक के पति ईतवारी चेलक निवासी ग्राम मटिया, तहसील टुण्डा की नहर नाली के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदार को आरटीजीएस के जरिये पीड़ित के खाते में राशि जमा करने के निर्देश दिए हैं।

पश्चिम मध्य रेल में तत्काल आरक्षण के लिए टोकन वितरण प्रक्रिया में बदलाव 01 अगस्त से

कोटा। पश्चिम मध्य रेल प्रशासन ने तत्काल आरक्षण के लिए टोकन वितरण की समय-सारणी एवं प्रक्रिया में संशोधन किया है। नई व्यवस्था 01 अगस्त 2026 से कोटा मंडल सहित पश्चिम मध्य रेलवे के सभी मंडलों में लागू होगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करना तथा तत्काल आरक्षण प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाना है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि अब टोकन वितरण तत्काल आरक्षण प्रारंभ होने के समय के अनुरूप किया जाएगा, जिससे यात्रियों को दो बार आरक्षण केंद्र आने की आवश्यकता नहीं होगी। एसी श्रेणी के लिए टोकन प्रातः 08:30 से 09:00 बजे तक तथा नॉन-एसी श्रेणी के लिए प्रातः 09:00 से 09:30 बजे तक वितरित किए जाएंगे। प्रति काउंटर एसी श्रेणी के लिए 10 तथा नॉन-एसी श्रेणी के लिए 15 टोकन जारी किए जाएंगे। स्थानीय आवश्यकता एवं भीड़ के अनुसार टोकनों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकेगा। सभी टोकनधारी यात्रियों की बुकिंग पूर्ण होने के बाद उपलब्ध तत्काल सीटों पर शेष यात्रियों का आरक्षण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। टोकन वितरण में दो प्राथमिकता श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। श्रेणी ए में स्वयं अथवा अपने परिवार के सदस्यों के लिए आरक्षण कराने वाले यात्रियों को प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि श्रेणी बी में अन्य सभी यात्री शामिल होंगे। श्रेणी बी के यात्रियों को श्रेणी ए के सभी यात्रियों की बुकिंग पूर्ण होने के बाद अवसर मिलेगा।

लालकुआं-राजकोट रेलसेवा की संचालन अवधि में विस्तार

जोधपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए लालकुआं-राजकोट-लालकुआं साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में 11 ट्रिप का विस्तार किया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक हितेश यादव के अनुसार गाड़ी संख्या 05045/05046 लालकुआं-राजकोट-लालकुआं साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा की संचालन अवधि में लालकुआ से 19 जुलाई से 27 सितंबर तक (11 ट्रिप) एवं राजकोट से 20 जुलाई से 28 सितंबर तक (11 ट्रिप) तक विस्तार किया जा रहा है।

बस्तर में नक्सल मुक्त के 100 दिन पूर्ण, डबल इंजन सरकार ने असंभव कार्य किया संभव: उप मुख्यमंत्री

प्रात: किरण संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज शुक्रवार (10 जुलाई) को बस्तर में नक्सलवाद के सफाये के 100 दिन पूर्ण होने पर कहा कि, नक्सलवाद का खात्मा एक असंभव सा दिखने वाला काम डबल इंजन सरकार ने कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की प्रभावी रणनीति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक नक्सलवाद के कारण बस्तर विकास की दौड़ में पीछे रह गया था। अब सरकार का लक्ष्य बस्तर को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने योजनाबद्ध ढंग से काम किया जा रहा है। साव ने बताया कि उन्होंने हाल ही में बस्तर संभाग के 5 जिलों का दौरा किया। इस दौरान सड़क, पेयजल, पुल-पुलिया और अन्य बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की। सरकार तेजी से आधारभूत संरचना विकसित कर रही है, ताकि क्षेत्र के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए। उप मुख्यमंत्री साव ने नगरीय निकाय चुनावों को लेकर कहा कि दिसंबर-जनवरी में चुनाव प्रस्तावित हैं और चुनाव आयोग अपनी तैयारियां शुरू कर चुका है। भारतीय जनता पार्टी हमेशा चुनाव के लिए तैयार रहती है। भाजपा सालभर जनता के बीच रहकर काम करने वाली पार्टी है। साव ने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सभी नगरीय निकायों में विकास कार्य किए हैं। इसी विकास और जनता के विश्वास के आधार पर आगामी नगरीय निकाय चुनावों में भी भाजपा को व्यापक समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में शहरों का विकास प्रभावित हुआ, जबकि वर्तमान सरकार ने शहरों के सुव्यवस्थित और संतुलित विकास को प्राथमिकता दी है।

जांजगीर-चांपा पुलिस ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लगाए 150 पौधे

प्रात: किरण संवाददाता

जांजगीर-चांपा। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर जांजगीर-चांपा पुलिस ने राष्ट्रीय एकता दिवस के तहत आज शुक्रवार को पुलिस लाइन जांजगीर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के 150 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देश में आयोजित इस अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) उदयन बेहार, एसडीओपी अकलतरा प्रदीप सोरी, नगर पुलिस अधीक्षक जांजगीर योगितावाली खाण्डे, डीएसपी अजाक सतरूपा, रक्षित निरीक्षक प्रदीप कुमार जोशी सहित जिले के सभी थाना एवं चौकी प्रभारी तथा बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने अलग-अलग प्रजातियों के कुल 150 पौधे रोपे। साथ ही इन पौधों के संरक्षण, नियमित देखभाल और उन्हें विकसित करने का भी संकल्प लिया, ताकि आने वाले वर्षों में यह पौधे पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का साधन नहीं हैं, बल्कि स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य की मजबूत आधारशिला भी हैं। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर बनेगा। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से पौधों की नियमित देखभाल करने और समाज को भी अधिक से अधिक वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

चार जुआरी गिरफ्तार, नकदी व ताश की गड्डी जब्त

प्रात: किरण संवाददाता

कांकेर। जिले की सिटी कोतवाली पुलिस ने आज शुक्रवार को सुभाष वार्ड स्थित चिकन मार्केट के पास सार्वजनिक स्थान पर 52 पत्ती ताश पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे चार जुआरियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से नकदी और जुआ खेलने में इस्तेमाल की जा रही सामग्री जब्त की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से मिली सूचना पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी। पुलिस को देखते ही कुछ लोग मौके से फरार हो गए, जबकि सरजू यादव, विनोद कुमार साहू, रवि सारथी और शिवा सारथी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपितों के कब्जे और जुआ फड़ से कुल 3,900 रुपये नगद, 52 पत्ती ताश और एक पुराना अखबार बरामद किया गया। पुलिस ने जब्त सामग्री को कब्जे में लेकर आरोपितों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम की धारा 3(2) के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है। कांकेर पुलिस ने कहा है कि जिले में जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रोडवेज बस की टक्कर से दो चचेरे भाइयों की मौत, दाह संस्कार में जाते समय हुआ हादसा

प्रात: किरण संवाददाता

डूंगरपुर। शहर के व्यस्त शास्त्री कॉलोनी मार्ग पर शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे हुए दर्दनाक सड़क हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिर गए और बस का पिछला पहिया उनके सिर के ऊपर से गुजर गया। हादसे के बाद बस चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली थाना के उपनिरीक्षक भरत मीणा ने बताया कि हादसा बस स्टैंड से तहसील चौराहा मार्ग पर मेवाड़ फर्नीचर के सामने हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रोडवेज बस का साइड हिस्सा बाइक से टकरा गया, जिससे दोनों युवक संतुलन खोकर सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद बस का पिछला पहिया उनके सिर के ऊपर से गुजर गया। गंभीर चोट लगने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर काफी देर तक यातायात बाधित रहा। मृतकों की पहचान खेरवाड़ा निवासी नरेश खटीक (29) पुत्र मणिलाल खटीक तथा सलूंबर निवासी गोपाल खटीक (30) पुत्र रामचंद्र खटीक के रूप में हुई है। दोनों चचेरे भाई थे। पुलिस के अनुसार इन्द्रखेत गांव में नरेश के चाचा लक्ष्मण खटीक का निधन हो गया था। दोनों अंतिम संस्कार में शामिल होने आए थे। शुक्रवार सुबह वे शव को पहनाने के लिए कुर्ते पर प्रेस करवाने डूंगरपुर शहर आए थे। वापस लौटते समय यह हादसा हो गया। परिजनों ने बताया कि नरेश ने बीएससी की पढ़ाई की थी और वर्तमान में अपने पिता के साथ फल-फ्रूट के व्यवसाय में हाथ बंटाता था। हादसे की सूचना मिलते ही दोनों परिवारों में कोहराम मच गया। घटना के बाद बस स्टैंड से तहसील चौराहा जाने वाले मार्ग पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर पहुंची कोतवाली थाना पुलिस ने यातायात को दूसरे मार्ग से डायवर्ट कर स्थिति सामान्य कराई। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। फरार रोडवेज बस चालक की तलाश के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है।

सूरजपुर: जमीन विवाद में तलवार लहराने का वीडियो वायरल, आरोपित पर केस दर्ज

प्रात: किरण संवाददाता

सूरजपुर। सूरजपुर जिले के बसदेई चौकी क्षेत्र में जमीन और खेती के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। ग्राम बांसपारा में रिश्तेदारों के बीच हुए विवाद के दौरान एक व्यक्ति के तलवार लहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आज शुक्रवार को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सूरजपुर जिले के बसदेई चौकी अंतर्गत ग्राम बांसपारा में गुरुवार को खेती और जमीन से जुड़े विवाद को लेकर रिश्तेदारों के बीच कहासुनी के बाद तनाव की स्थिति बन गई। विवाद के दौरान एक व्यक्ति के हाथ में तलवार लेकर लोगों को धमकाने का वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद के दौरान आरोपित ने तलवार लहराते हुए हमला करने का प्रयास किया। इस घटना से मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी और भय का माहौल बन गया। किसी ने पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर दिया, जिसके बाद मामला चर्चा का विषय बन गया। घटना की शिकायत मिलने पर बसदेई चौकी पुलिस ने आरोपित लक्ष्मण देवांगन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। बसदेई चौकी प्रभारी एएसआई योगेन्द्र जायसवाल ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। वायरल वीडियो सहित सभी तथ्यों की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

उदयपुर रेंज में पुलिस अधिकारियों का बड़ा फेरबदल, डूंगरपुर में 18 नए अधिकारी तैनात

प्रात: किरण संवाददाता

डूंगरपुर। उदयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव ने रेंज में बड़े स्तर पर पुलिस अधिकारियों के तबादले किए हैं। जारी आदेश के तहत रेंज में कुल 56 पुलिस निरीक्षकों (सीआई) और 49 उपनिरीक्षकों (एसआई) का स्थानांतरण किया गया है। इस फेरबदल का डूंगरपुर जिले पर भी व्यापक असर पड़ा है। जिले से 13 अधिकारियों का तबादला किया गया है, जबकि 18 नए अधिकारियों की तैनाती की गई है आदेश के अनुसार डूंगरपुर जिले से छह पुलिस निरीक्षकों का अन्य जिलों में स्थानांतरण किया गया है। इनमें साइबर थाना प्रभारी गिरधारी सिंह को राजसमंद, कैलाश सोनी को प्रतापगढ़, अनिल कुमार को सलूंबर तथा मदनलाल, अजय सिंह और परमेश्वर पाटीदार को उदयपुर भेजा गया है। वहीं जिले में 10 नए पुलिस निरीक्षकों की नियुक्ति की गई है। इनमें उदयपुर से चंद्रशेखर, मुकेश मेघवाल, श्याम सिंह और सुरेश विश्नोई, चित्तौड़गढ़ से संगीता बंजारा, बांसवाड़ा से तेज सिंह और रामेशलाल, जयपुर पुलिस आयुक्तालय से विनोद कुमार और नारायणलाल तथा सीआईडी-सीबी से हिमांशु सिंह को डूंगरपुर में पदस्थापित किया गया है। उपनिरीक्षक स्तर पर भी व्यापक बदलाव किया गया है। जिले से सात उपनिरीक्षकों का स्थानांतरण किया गया है। इनमें खेमराज, सकाराम, सोमेश्वर और मीना कुमारी को उदयपुर, मोहनलाल और मोहम्मद रिजवान को बांसवाड़ा तथा मणिलाल को सलूंबर भेजा गया है। डूंगरपुर जिले में आठ नए उपनिरीक्षकों की तैनाती की गई है। इनमें बांसवाड़ा से कांतिलाल, लक्ष्मणलाल और कालूलाल, चित्तौड़गढ़ से अमृतलाल, उदयपुर से रमेशचंद, सुशीला देवी और देवेंद्र सिंह तथा प्रतापगढ़ से नारायणलाल को डूंगरपुर में नियुक्त किया गया है।

डीएलसी दरों में भारी बढ़ोतरी से रियल एस्टेट पर पड़ेगी मार: केड़ाई राजस्थान

जयपुर। राज्य सरकार की ओर से डीएलसी (डिस्ट्रिक्ट लेवल कमेटी) दरों में 40 प्रतिशत तक प्रस्तावित वृद्धि पर केड़ाई राजस्थान ने आपत्ति जताते हुए इसे अव्यावहारिक और जनहित के विपरीत बताया है। संगठन ने सरकार से वास्तविक बाजार मूल्य के विस्तृत सर्वे और संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श के बाद ही नई दरें लागू करने की मांग की है। केड़ाई राजस्थान के चेयरमैन अनुराग शर्मा ने कहा कि डीएलसी दरों का निर्धारण परंपरागत रूप से जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा क्षेत्रवार बाजार मूल्य के अध्ययन के आधार पर किया जाता है। ऐसे में बिना विस्तृत सर्वे के एक समान वृद्धि प्राकृतिक न्याय और स्थापित प्रक्रिया के विपरीत है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में डीएलसी दरों में 10 प्रतिशत तथा अक्टूबर 2025 में सड़क की चौड़ाई के आधार पर 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जा चुकी है। वहीं निर्माण दरों में भी करीब 50 प्रतिशत वृद्धि होने से स्टांप ड्यूटी का भार पहले ही बढ़ चुका है। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट कृषि के बाद सबसे अधिक रोजगार देने वाला क्षेत्र है और इससे 381 से अधिक उद्योग जुड़े हैं। ऐसे में डीएलसी दरों में भारी वृद्धि से रियल एस्टेट बाजार में मंदी, निवेश में कमी और रोजगार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। साथ ही राज्य सरकार के राजस्व लक्ष्य पर भी प्रभाव पड़ने की आशंका है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024-25 में स्टांप एवं पंजीयन शुल्क से सरकार को करीब 10,542 करोड़ रुपए का राजस्व मिला, जबकि चालू वित्त वर्ष के लिए 15,000 करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा गया है। संगठन के अध्यक्ष रविन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि डीएलसी दरों में वृद्धि का सीधा असर आम नागरिक पर पड़ता है, क्योंकि कई कर और शुल्क इन्हीं दरों के आधार पर तय होते हैं। महासचिव आशीष अग्रवाल ने कहा कि पूर्व में डीएलसी निर्धारण से पहले जनप्रतिनिधियों और संबंधित संगठनों से सुझाव लिए जाते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं किया गया।

बारिश के साथ बाजार में लौटी मौसमी स्वाद की बहार, 500 रुपये किलो तक बिक रहा बोड़ा

प्रात: किरण संवाददाता

धमतरी। जिले में बारिश का दौर शुरू होते ही धमतरी के बाजारों में मौसमी वन उपज का खास आकर्षण लौट आया है। सालभर बेसब्री से इंतजार किए जाने वाले बोड़ा और खेक्सी अब बाजारों में पहुंचने लगे हैं। सीमित उपलब्धता और जबरदस्त मांग के चलते बोड़ा जहां 500 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है, वहीं खेक्सी की कीमत भी 300 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। ऊंची कीमत के बावजूद लोग इन मौसमी सब्जियों को खरीदने के लिए बाजारों का रुख कर रहे हैं। बारिश के मौसम में मिलने वाली इन वन उपजों का लोगों को पूरे वर्ष इंतजार रहता है। इस बार मानसून की शुरूआत अपेक्षाकृत कमजोर रहने से बोड़ा और खेक्सी की आवक कम है, जिससे इनके दाम ऊंचे बने हुए हैं। बाजार में पहुंचते ही इनकी बिक्री हाथोंहाथ हो रही है। शहर के सिहावा चौक, रत्नाबांधा रोड, रुद्री रोड, इतवारी बाजार, गोल बाजार, रामबाग सब्जी बाजार, आंबेडकर चौक रोड और कलेक्ट्रेट रोड सहित विभिन्न स्थानों पर बोड़ा और खेक्सी की बिक्री हो रही है। खरीददार सुबह से ही इनकी तलाश में बाजार पहुंच रहे हैं। जानकारों के अनुसार बोड़ा, फुटू और खेक्सी जैसी वन उपज धमतरी, नगरी और मगरलोड के वनांचल क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से उगती हैं। विशेष रूप से तेज बारिश, बिजली की कड़क और गर्जना के बाद जंगलों में फुटू और बोड़ा निकलते हैं, इसलिए इनका मौसम और उपलब्धता बहुत सीमित होती है। यही कारण है कि साल में केवल एक बार मिलने वाली इन मौसमी सब्जियों का स्वाद लेने के लिए लोग महंगे दाम चुकाने से भी पीछे नहीं हट रहे हैं।

चाकू लेकर दहशत फैलाने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

धमतरी। जिले में चाकूबाजी, गुंडागर्दी और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भखारा पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में सार्वजनिक स्थानों पर धारदार चाकू लेकर लोगों में भय का माहौल बनाने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार के निर्देशन में चल रही कार्रवाई के तहत थाना भखारा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ युवक धारदार चाकू लेकर सार्वजनिक स्थानों पर घूम रहे हैं। सूचना की तस्दीक के बाद पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर दोनों आरोपितों को पकड़ लिया और उनके कब्जे से धारदार चाकू जब्त किए। प्रथम मामले में ग्राम भिंडरावनी भाटापारा निवासी 25 वर्षीय नरेंद्र कुमार पटेल के कब्जे से एक धारदार चाकू जब्त किया गया। उसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया तथा न्यायालय में पेश करने के बाद आज शुक्रवार को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। वहीं दूसरे मामले में ग्राम भिंडरवानी निवासी 19 वर्षीय मनीष यादव के भिंडरवानी मुक्तिधाम के पास धारदार चाकू लेकर आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमकाने की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे भी घेराबंदी कर पकड़ लिया। उसके कब्जे से भी एक धारदार चाकू जब्त किया गया। आरोपित के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25 एवं 27 के तहत अपराध दर्ज कर आज न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। धमतरी पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति अवैध हथियार लेकर घूमता हुआ दिखाई दे या किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि करता नजर आए तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था भंग करने वाले, चाकूबाजी करने वाले और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त एवं निरंतर वैधानिक कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

प्रात: किरण संवाददाता

कवर्धा। जिले के पंडरिया थाना क्षेत्र के ग्राम मंझोली में फसल को पशुओं से बचाने के लिए लगाए गए करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गांव के एक खेत में मक्के की फसल को आवारा पशुओं से बचाने के लिए खेत की मेड़ पर करंट वाला फेसिंग तार लगाया गया था। मृतक रामभीषण आज शुक्रवार को जब खेत की ओर जा रहा था, तभी वह इस करंट वाले तार की चपेट में आ गया। करंट का झटका इतना जोरदार था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पंडरिया थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजने की तैयारी की जा रही है। पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी जांच कर रही है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का स्वदेशी नवाचार, बिना बारिश के होगी रेल कोचों में पानी रिसाव की जांच

प्रात: किरण संवाददाता

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर कोचिंग डिपो ने नवाचार, संरक्षा एवं यात्री सुविधा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए रेल कोचों में वर्षा जल के रिसाव (रैन वाटर इंग्रेस) की जांच के लिए स्वदेशी रेन वाटर इन्ग्रेस टेस्ट बेंच विकसित किया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अभिनव प्रणाली के माध्यम से कृत्रिम वर्षा (आर्टिफिसियल रैन सिमुलेशन) का वातावरण तैयार कर कोचों की छत, खिड़कियों, साइड पैनलों तथा अन्य संवेदनशील जोड़ों से होने वाले संभावित जल रिसाव की प्रभावी जांच एवं समय रहते उसका निराकरण किया जा सकेगा। अब तक वर्षा जल के रिसाव की पहचान मुख्यतः प्राकृतिक बारिश पर निर्भर रहती थी, जिसके कारण वर्षभर इसकी जांच संभव नहीं हो पाती थी। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए बिलासपुर कोचिंग डिपो के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करते हुए अधिकांशतः स्क्रैप सामग्री से इस टेस्ट बेंच का डिजाइन एवं निर्माण किया। केवल कुछ आवश्यक पुर्जों की ही बाजार से खरीद की गई, जिससे यह प्रणाली अत्यंत किफायती एवं संसाधन-सक्षम सिद्ध हुई है। यह अभिनव टेस्ट बेंच वर्षभर कृत्रिम वर्षा परीक्षण की सुविधा प्रदान करता है, जिससे कोचों में छिपे हुए जल रिसाव की समय रहते पहचान कर उसे सेवा में शामिल करने से पहले ही दूर किया जा सकता है। इससे मानसून के दौरान यात्रियों को जल रिसाव जैसी असुविधाओं से राहत मिलेगी, कोचों की विश्वसनीयता एवं गुणवत्ता में वृद्धि होगी तथा बार-बार होने वाले रखरखाव की आवश्यकता भी कम होगी। इसकी पोर्टेबल डिजाइन के कारण इसका उपयोग पारंपरिक कोचों के साथ-साथ आधुनिक वंदे भारत जैसी अत्याधुनिक ट्रेनों के कोचों में भी किया जा सकता है। यह स्वदेशी नवाचार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच एवं संसाधनों के प्रभावी उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल न केवल कोच अनुरक्षण की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी, बल्कि यात्रियों को अधिक सुरक्षित, आरामदायक एवं बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विशेष रूप से मानसून के दौरान वर्षा जल रिसाव से संबंधित शिकायतों में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।

नई निविदाओं का विद्युत यांत्रिक ठेकेदार संघ ने किया बहिष्कार

प्रात: किरण संवाददाता

जगदलपुर। बस्तर के विद्युत यांत्रिक ठेकेदार संघ ने 2021 से लंबित भुगतानों के विरोध में कड़ा रुख अपनाया है। संघ ने विभाग की नई निविदाओं के बहिष्कार का निर्णय लिया है। संघ का कहना है कि पिछले कई वर्षों से विभाग ने ठेकेदारों के देय भुगतानों का निराकरण नहीं किया। कई बार मामला उठाया गया। भुगतान की मांग की गई। कोई कार्रवाई नहीं हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि भुगतान में लगातार देरी से ठेकेदारों की आर्थिक स्थिति गंभीर हो गई है। मजदूरों की मजदूरी देना मुश्किल हो रहा है। निर्माण सामग्री आपूर्तिकताओं का बकाया बढ़ रहा है। बैंक ऋण की किश्तें चुकाना कठिन हो रहा है। अन्य वित्तीय दायित्व भी पूरे नहीं हो पा रहे हैं। इसे लेकर ठेकेदारों में विभाग के प्रति नाराजगी है। संघ ने सर्वसम्मति से तय किया है कि जब तक वर्ष 2021 से लंबित सभी भुगतानों का पूर्ण निराकरण नहीं होता, तब तक जगदलपुर डिवीजन की ओर से जारी होने वाली सभी नई निविदाओं में कोई भी सदस्य भाग नहीं लेगा। संघ ने शासन से जल्द से जल्द लंबित राशि का भुगतान की मांग की है।

मिशन मोड में निगम, साल्हेवारपारा में 24 लाख की आरसीसी नाली निर्माण शुरू

प्रात: किरण संवाददाता

धमतरी। शहर को जलभराव की समस्या से स्थायी राहत दिलाने के लिए नगर निगम का लोक निर्माण विभाग मिशन मोड में कार्य कर रहा है। आमापारा वार्ड में जल निकासी व्यवस्था में सुधार के बाद अब लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी ने अन्य वार्डों में भी ऐसी समस्याओं के समाधान की पहल शुरू कर दी है। इसी क्रम में साल्हेवारपारा वार्ड के सुगम तालाब से पटेल गली तक लगभग 375 मीटर लंबी, तीन फीट चौड़ी आरसीसी नाली का निर्माण 24 लाख रुपये की लागत से कराया जा रहा है। आज शुक्रवार को निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए विजय मोटवानी ने एजेंसी को गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह नाली वार्ड की जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ भविष्य में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी। उन्होंने बताया कि महापौर रामू रोहरा के निर्देशन में शहर में लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं और जनता ने जिस विश्वास के साथ जनप्रतिनिधियों को जिम्मेदारी सौंपी है, उस पर पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

सोसाइटी के बाहर खड़े व्यक्ति से मोबाइल लूटा

ग्रेटर नोएडा। शहर की एल्डिको ग्रीन सोसाइटी के गेट के समीप खड़े एक व्यक्ति से बाइक सवार बदमाश मोबाइल लूट कर ले गए। पीड़ित का आरोप है कि बिना नंबर की बाइक पर सवार दो बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सोसाइटी में आलोक गुप्ता परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह 29 जून को सोसाइटी के पीछे वाले गेट की तरफ सड़क किनारे खड़े हुए थे। इसी बीच बाइक सवार दो बदमाश उनके पास पहुंचे और अचानक से हाथ से मोबाइल झपट कर ले गए। पीड़ित के मुताबिक बाइक पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। वारदात को अंजाम देकर बदमाश आसानी से फरार हो गए। पीड़ित ने इसकी सूचना पुलिस को दी। बीटा दो कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सोसाइटी के गेट पर लगे सीसीटीवी की फुटेज देखी जा रही है। लुटेरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

सेक्टर में ड्रेन लाइन क्षतिग्रस्त होने की वजह से सड़क धंसी

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर डेल्टा-1 में रोड क्रॉसिंग के नीचे से गुजर रही ड्रेन लाइन क्षतिग्रस्त होने से हादसे का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ड्रेन लाइन से रिसाव होने के कारण पानी सड़क के नीचे जमा हो रहा है, जिससे जमीन धीरे-धीरे खोखली होती जा रही है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष प्रमोद भाटी ने बताया कि इस संबंध में कई बार प्राधिकरण से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हुआ। उन्होंने प्राधिकरण के सीईओ से मामले का संज्ञान लेकर जल्द ड्रेन लाइन की मरम्मत कराने की मांग की है। आरडब्ल्यूए के महासचिव दीवान शर्मा ने बताया कि पूरे सेक्टर में कई स्थानों पर ऐसी ही स्थिति बनी हुई है, जिसकी वजह से सेक्टर के एफ ब्लॉक में सड़क धंसी गई है। ऐसे में यहां पर कोई हादसा भी हो सकता है। प्राधिकरण से जल्द सड़क को ठीक कराने की मांग की गई है।

करंट की चपेट में आए किशोर को दरोगा ने बचाया

मोदीनगर। मोदीनगर निवाड़ी मार्ग पर पुलिस चौकी के पास वाटरकूलर में करंट उतरने से एक किशोर दुष्यंत कुमार इसकी चपेट में आ गया। चौकी प्रभारी दरोगा बृजपाल सिंह ने किसी तरह उसे बचाया और स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। नगर की लुहारपुरी कॉलोनी निवासी 17 वर्षीय दुष्यंत कुमार गुरुवार रात को निवाड़ी मार्ग पर गए थे। जब वह निवाड़ी रोड पुलिस चौकी के पास पहुंचे तो अचानक उन्हें प्यास लगी। वह चौकी के पास नगरपालिका परिषद द्वारा लगाए गए वाटरकूलर में पानी पीने चले गए। जैसे ही उन्होंने पानी पीने के लिए बटन दबाया तो करंट ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। इसी बीच वहां पर पहुंचे चौकी प्रभारी दरोगा बृजपाल सिंह ने तौलियों से युवक को किसी तरह वाटरकूलर से अलग किया। करंट की चपेट में आने से वह बेहोश हो गया। पुलिस ने किशोर को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया।

समर स्कूल प्रोग्राम के लिए विद्यार्थी रवाना

गाजियाबाद। आईएमएस गाजियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्स कैंपस के बीबीए के छात्रों को शुक्रवार को आईआईएम रांची समर स्कूल प्रोग्राम के लिए रवाना किया गया। प्रस्थान से पूर्व विद्यार्थियों के लिए विदाई और प्रेरणा समारोह का आयोजन हुआ। एक सप्ताह तक होने वाले इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को व्यावहारिक एवं समकालीन आयामों से परिचित कराया जाएगा। इसके साथ रणनीतिक प्रबंधन, नेतृत्व विकास, निर्णय क्षमता आदि विषयों पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर इंस्टीट्यूट के जनरल सेक्रेटरी सीए डॉ. राकेश छारिया और निदेशक प्रोफेसर डॉ. जसकीरण कौर ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। इसके साथ विद्यार्थियों को देशभर से आए प्रतिभागियों के साथ संवाद, नेटवर्किंग तथा विभिन्न प्रायोगिक प्रबंधन गतिविधियों में भाग लेने का अवसर भी मिलेगा।

नामी पब्लिकेशन के नाम से किताबें छापने पर केस

ट्रांस हिंडन। औद्योगिक क्षेत्र साइट चार में नामी कंपनियों के नाम से स्कूली पुस्तकें छापने का खुलासा हुआ है। पुलिस ने मौके से बड़ी मात्रा में नकली किताबें बरामद की हैं। एक आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। गीता कॉलोनी शाहदरा निवासी ललित सरदाना ने पुलिस को बताया कि वह इंटेलेक्चुअल्स और भारती भवन पब्लिशर्स, धनपत राय पब्लिकेशन और एस चंद कंपनी के अधिकृत पदाधिकारी हैं। उन्होंने बताया कि शिकायत मिली थी कि तीनों कंपनियों के नाम से नकली स्कूली पुस्तकें बाजार में बेची जा रही हैं।

ग्रेटर नोएडा में 15 दिन पहले खुला फ्लाईओवर टूटा:पहली बारिश में 100 मीटर सड़क क्षतिग्रस्त

प्रातः किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा में 130 मीटर रोड पर पैरामाउंट सोसाइटी के पास बना एक फ्लाईओवर अपनी पहली बारिश भी नहीं झेल पाया। 22 जून को लोगों की सुविधा के लिए खोला गया यह फ्लाईओवर मात्र 15 दिन में ही क्षतिग्रस्त हो गया। लगभग 100 मीटर लंबे हिस्से की सड़क टूट गई, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। यह रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) फ्लाईओवर लंबे समय से निर्माणाधीन था। लगभग 1600 मीटर लंबा यह चार लेन का फ्लाईओवर कई जांचों के बाद आवागमन के लिए खोला गया था। इसके खुलने से ग्रेटर नोएडा वेस्ट, गाजियाबाद और दिल्ली जाने वाले लोगों को काफी सहूलियत मिल रही थी और उन्हें जाम की समस्या से भी निजात मिली थी। शहर में पिछले दो-तीन दिनों से हो रही बारिश के दौरान ही फ्लाईओवर की लगभग 100 मीटर सड़क टूट गई। कई जगहों पर गड्ढे हो गए और कंक्रीट उखड़ गई। इस नए बने फ्लाईओवर के इतनी जल्दी क्षतिग्रस्त होने पर स्थानीय लोगों ने निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं। सड़क टूटने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए डीएफसीसीआईएल (Dedicated Freight Corridor Corporation of India Limited) ने क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। गुरुवार को घटनास्थल पर बैरिकेडिंग लगाकर मरम्मत कार्य शुरू किया गया। डीएफसीसीआईएल का दावा है कि एक से दो दिन में सड़क की मरम्मत कर दी जाएगी।

ग्रेटर नोएडा जनता फ्लैट्स जर्जर, 400 परिवार खतरे में

2010 में अलॉट हुए फ्लैट्स के प्लास्टर, छज्जे गिर रहे

प्रातः किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा के सेक्टर म्यू 1 स्थित जनता फ्लैट्स में रह रहे लगभग 400 परिवार जर्जर इमारतों के कारण खतरे में हैं। इन फ्लैट्स की हालत इतनी खराब है कि आए दिन प्लास्टर और छज्जे गिरते रहते हैं। हाल ही में एक छज्जे का बड़ा हिस्सा टूटकर एक मोटरसाइकिल और कार पर गिर गया, जिससे दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। ये फ्लैट्स ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा वर्ष 2010 में 30 मीटर के जनता फ्लैट के रूप में आवंटित किए गए थे। निवासियों ने अपनी जमा पूंजी लगाकर यहां आशियाना बनाया था, लेकिन महज 16 साल में ही इन इमारतों की हालत बेहद खराब हो चुकी है। लापरवाही और रखरखाव के अभाव के कारण सभी इमारतों से प्लास्टर छूट रहा है और छज्जे टूटकर गिर रहे हैं। इस स्थिति से डरे हुए निवासी अपने घरों के बाहर बैठने से भी कतराते हैं। कई निवासियों ने गिरने वाले मलबे से बचने के लिए अपने घरों के बाहर टीन शेड लगा रखे हैं। गुरुवार को बारिश के दौरान हुई यह घटना तब सामने आई जब ब्रह्मदेव शर्मा के यहां एक छज्जे का बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे खड़ी एक गाड़ी और मोटरसाइकिल पर जा गिरा। गनीमत रही कि उस समय घटनास्थल पर कोई मौजूद नहीं था, अन्यथा एक बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय आरडब्ल्यूए के सदस्य गोपाल पाठक ने बताया कि वे इस संबंध में प्राधिकरण को कई बार शिकायतें दे चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उनके अनुसार, अब तक 10 से 12 छज्जे गिर चुके हैं, जिससे वाहनों को लगातार नुकसान हो रहा है। आरडब्ल्यूए ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी सुनवाई नहीं हुई, तो वे सभी निवासी मिलकर प्राधिकरण का घेराव करेंगे।

पार्किंग कर्मचारी से मारपीट, तीन पर केस

प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा। सेक्टर-18 स्थित मल्टीलेवल कार पार्किंग में ड्यूटी कर रहे एक कर्मचारी के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-20 थाना पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ भी कर रही है। पुलिस को दी शिकायत में रविंद्र कुमार ने बताया कि वह सेक्टर-18 स्थित मल्टीलेवल कार पार्किंग में आठ जुलाई को ड्यूटी पर थे। इसी दौरान हरियाणा के गुरुग्राम निवासी आलोक और सत्यम सिंह सोलंकी वहां पहुंचे। किसी बात को लेकर दोनों का उनसे विवाद हो गया। आरोप है कि दोनों ने गाली-गलौज करते हुए रविंद्र के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी भी दी। जब दोनों आरोपी उनके साथ मारपीट कर रहे थे, तभी उनका तीसरा साथी अंकित भी मौके पर पहुंच गया।उसने भी मारपीट शुरू कर दी और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए धमकी दी। शोर सुनकर पार्किंग में मौजूद स्टाफ की कर्मचारी गीतांजलि बीच-बचाव के लिए पहुंचीं, लेकिन तीनों आरोपियों ने उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया। घटना के बाद पीड़ित ने सेक्टर-20 थाने में शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आलोक, सत्यम सिंह सोलंकी और अंकित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। तीनों आरोपी दोस्त हैं। थाना प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। पार्किंग परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जाएगी और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जाएंगे। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा में खुले नाले में गिरा युवक मौत :ड्यूटी पर जा रहे आर्यन की जान गई

प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा में बारिश के बीच एक और दर्दनाक हादसा सामने आया है। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र के सेक्टर-57 में ड्यूटी पर जा रहे 28 साल के आर्यन की मौत हो गई। परिजनों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि वह पानी से भरे खुले नाले में गिर गए, जबकि नोएडा प्राधिकरण का कहना है कि युवक की मौत करंट लगने से हुई है। दरअसल बारिश के चलते नाला पूरी तरह से ओवर फ्लो था। उसमें आर्यन गिरा। सहारा लेने के लिए उसने पोल पकड़ा। जिसमें करंट हो सकता है। इस वजह से उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, 9 जुलाई की दोपहर ग्राम चौड़ा, सेक्टर-22 निवासी आर्यन पुत्र संजय कुमार अपने साथी शुभम के साथ ड्यूटी पर जा रहे थे। सेक्टर-57 में बारिश के कारण जलभराव के बीच उनका पैर फिसल गया और वह नाले में गिर गए। शुभम उन्हें तुरंत जिला अस्पताल सेक्टर-39 लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि नाला खुला था और उसके आसपास न तो बैरिकेडिंग की गई थी और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। उनका कहना है कि यदि नाले को ढका गया होता या सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए होते तो आर्यन की जान बच सकती थी। पहले भी हो चुका है ऐसा हादसा यह घटना ऐसे समय हुई है जब हाल ही में नोएडा में युवराज नामक युवक की भी खुले नाले में गिरने से मौत हुई थी। उस हादसे के बाद प्राधिकरण ने खुले नालों को सुरक्षित करने और बारिश के दौरान विशेष निगरानी के दावे किए थे।

एडीसीपी ने सड़क हादसे में घायल को अस्पताल पहुंचाकर बचाई जान

प्रातः किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। एडीसीपी मुख्यालय सुधीर कुमार की तत्परता से एक बैंक कर्मचारी की जान बच गई। सड़क हादसे में घायल युवक को एडीसीपी खुद अपनी गाड़ी से अस्पताल लेकर पहुंचे। घायल का अस्पताल में इलाज चल रहा है। स्थिति खतरे से बाहर है।एडीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि गुरुवार की सुबह वह अपने घर से सरकारी गाड़ी में सवार होकर सूरजपुर स्थित ऑफिस आ रहे थे। उन्होंने देखा कि यामाहा कंपनी के समीप सड़क पर लोगों की भीड़ लगी थी। एडीसीपी ने तुरंत अपनी गाड़ी को रुकवाया और घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने देखा कि एक युवक घायल अवस्था में तड़प रहा था। बताया गया कि युवक बाइक से सड़क पर गिर गया है। लोग घायल को अस्पताल पहुंचाने की बजाय खड़े होकर तमाशा देख रहे थे। एडीसीपी ने बिना देरी किए अपनी सरकारी गाड़ी से तुरंत घायल को नजदीक के एक अस्पताल पहुंचाया। जहां घायल का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि घायल की स्थिति खतरे से बाहर है। एडीसीपी ने बताया कि पता चला है कि घायल युवक शिवम बिसरख क्षेत्र में रहता है। ग्रेटर नोएडा के एक बैंक में काम करता है। वह बाइक पर सवार होकर बैंक के लिए जा रहा था।

नोएडा में जलभराव से प्लाट की दीवार ढही:48 घंटे में करीब 163टट बरसात दर्ज

प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा में 2 दिनों तक बारिश के बाद अब लोगों को उमस का सामना करना पड़ रहा है। अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है। बीते 48 घंटे में करीब 163 एमएम बारिश रिकार्ड की गई। जिससे नोएडा में जलभराव हुआ है। सेक्टर-73 स्थित एवन्यू सुपरमार्ट लिमिटेड के प्लॉट में जलभराव के चलते बगल के प्लॉट की दीवार ढह गई। प्राधिकरण ने बिल्डर को कारण बताओं नोटिस जारी किया है। साथ ही प्लाट के बगल में बना नोएडा प्राधिकरण का बारात घर की दीवार भी ढह गई। इसके अलावा बारातघर को कनेक्ट करने वाली रोड पर दरार आ गई है। ऐसे में बारातघर में होने वाले सभी कार्यक्रमों को फिलहाल के लिए टाल दिया गया है। पानी का रिसाव इतना ज्यादा है कि नाला टूटने से उसका सारा पानी प्लाट में भर रहा है। यहां बड़ा हादसा हो सकता है। इसके अलावा 4 नंबर प्लाट पर बनी पेरीफेरल बाउंड्री भी टूट गई है। आईएमडी के मुताबिक शुक्रवार को हल्की बारिश के साथ वातावरण में नमी की मात्रा 80 प्रतिशत रहेगी। शनिवार को भी हल्की बारिश के साथ एक डिग्री तापमान बढ़ेगा। इसके बाद लगातार तापमान में बढ़ोतरी होगी। 12 से 15 जुलाई तक बारिश नहीं है। आसमान में आंशिक रुप से बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 36 डिग्री तक न्यूनतम तापमान 27 डिग्री तक जाएगा। ऐसे में लोगों को तेज उमस का सामना करना पड़ेगा। इसके बाद बारिश के आसार है। कई स्थानों पर हुआ बैक फ्लो बता दे बुधवार और गुरुवार को हुई बारिश ने नोएडा और ग्रेटरनोएडा दोनों जहग सड़कों पर जलभराव हो गया था। इसके अलावा कई स्थानों पर बैक फ्लो होने से लोगों के घरों में पानी भर गया था। सोसाइटी के बेसमेंट में पानी भरने से लोगों को काफी परेशानी हुई। सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रही।

जलभराव की समस्या के समाधान के लिए सीईओ को लिखा पत्र

प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा। आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 फेडरेशन ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी को पत्र लिखकर नोएडा में जलभराव व घरों में पेयजल आपूर्ति कि समस्या का समाधान करने की मांग की है। ताकि लोगों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके और लोगों को जलभराव का भी सामना नहीं करना पड़े। आरडब्ल्यूए 34 फेडरेशन के अध्यक्ष केके जैन ने बताया कि नोएडा में हुई भारी वर्षा के बाद कई सेक्टरों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। सड़कों, गलियों और आवासीय परिसरों में पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। अनेक क्षेत्रों में घरों तक नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं पहुंच सकी। उन्होंने कहा कि यह विडंबना रही कि एक ओर पूरा शहर बारिश के पानी से घिरा रहा, वहीं दूसरी ओर अनेक सेक्टरों में घरों तक नियमित पेयजल आपूर्ति नहीं पहुंच सकी। निवासी घंटों तक पानी की सप्लाई आने का इंतजार करते रहे। जलभराव के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई, जिससे पंपिंग व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाएं प्रभावित हो गईं। इसके चलते पेयजल आपूर्ति बाधित रही और लोगों को पीने, खाना बनाने और दैनिक उपयोग के लिए पानी की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा।

नोएडा स्पोर्टस कांप्लेक्स के निर्माण के लिए टेंडर जारी:71 करोड़ में बनाया जाएगा

प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-123 में प्रस्तावित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए दोबारा टेंडर जारी कर दी है। एजेंसियों को आवेदन के लिए 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस बार पर्याप्त निविदाएं प्राप्त होंगी, जिससे अगले महीने प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू किया जा सकेगा। करीब 26.65 एकड़ में बनने वाली इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 145 करोड़ रुपए है। पहले चरण में 71 करोड़ रुपए की लागत से सिंथेटिक ट्रैक, जेवलिन थ्रो मैदान, स्विमिंग पूल, फुटबॉल मैदान, दर्शक दीर्घा और बहुउद्देश्यीय हॉल का निर्माण कराया जाएगा। शेष कार्य दूसरे चरण में पूरा होगा। निर्माण के बाद इसके संचालन के लिए अलग एजेंसी नियुक्त की जाएगी। कॉम्प्लेक्स में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कुश्ती और स्क्वैश जैसी इनडोर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वहीं क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, लॉन टेनिस, खो-खो, जिम्नास्टिक, लंबी कूद, ऊंची कूद और 200 मीटर दौड़ ट्रैक सहित कई आउटडोर खेलों की व्यवस्था की जाएगी। अभी शहर में खिलाड़ियों के लिए सेक्टर-21ए स्टेडियम प्रमुख केंद्र है, जहां बढ़ती भीड़ के कारण अभ्यास में दिक्कत होती है। नया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनने से सेक्टर-119, 120, 121, 122, पर्थला, सफाबार्द और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के खिलाड़ियों व निवासियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

मदरसों की जांच के लिए अभियान चलेगा

गाजियाबाद। जिले के मदरसों में पारदशीर्ता लाने के लिए अल्पसंख्यक विभाग जांच अभियान शुरू करेगा। इसके तहत संचालित मदरसों का निरीक्षण किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों की टीम प्रत्येक मदरसे में पहुंचकर शैक्षणिक और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेगी। जनपद में संचालित मदरसों की जांच होगी। अल्पसंख्यक विभाग मदरसों की जांच कर मदरसों में बायोमैट्रिक हाजिरी, उपस्थिति रजिस्टर, पुराने रिकार्ड समेत अन्य जांच की जाएगी। जिला अल्पसंख्यक अधिकारी कैलाश चंद्र तिवारी ने बताया कि सबसे पहले शिक्षकों और कर्मचारियों की बायोमैट्रिक उपस्थिति व्यवस्था देखी जाएगी। जहां बायोमैट्रिक मशीनें स्थापित हैं, वहां उपस्थिति का सत्यापन किया जाएगा, जबकि जिन संस्थानों में यह व्यवस्था प्रभावी नहीं है, उनको नोटिस दिए जाएंगे। इसके अलावा उपस्थिति रजिस्टर का मिलान कर यह भी देखा जाएगा कि शिक्षक और छात्र नियमित रूप से उपस्थित हो रहे हैं या नहीं।

युवती को झांसा देकर आठ लाख ठगे

प्रातः किरण संवाददाता

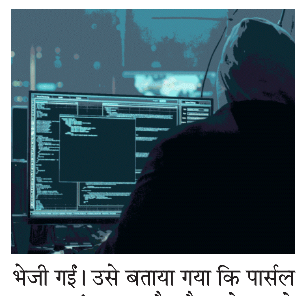

गाजियाबाद। स्नैपचैट पर दोस्ती कर खुद को पोलैंड में तैनात एयरलाइन कैप्टन बताने वाले जालसाज ने मुरादनगर क्षेत्र की एक युवती से करीब आठ लाख रुपये ठग लिए। पीड़िता ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। मुरादनगर थानाक्षेत्र निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि 11 जून को स्नैपचैट पर हेश्रॉय नाम की आईडी से उसके पास संदेश आया था। अगले दिन बातचीत शुरू हुई और कुछ दिनों बाद दोनों के बीच व्हाट्सऐप कॉल और चैट होने लगी। आरोपी ने खुद को एयरलाइन कैप्टन बताते हुए कहा कि वह इन दिनों पोलैंड में तैनात है। बातचीत के दौरान उसने विश्वास जीतने के लिए महंगे गिफ्ट भेजने की बात कही। शुरूआत में युवती ने अपना पता देने से इनकार किया, लेकिन लगातार आग्रह करने पर उसने अपना पता साझा कर दिया। पीड़िता के मुताबिक कुछ दिन बाद उसके मोबाइल पर एक अन्य नंबर से पार्सल की रसीद और तस्वीरें भेजी गईं। उसे बताया गया कि पार्सल भारत पहुंच चुका है और उसे छुड़ाने के लिए 60 हजार रुपये शुल्क जमा करना होगा। पहले उसने मना किया, लेकिन आरोपी ने पार्सल में उसके नाम के महत्वपूर्ण दस्तावेज और चेक होने का हवाला देकर उसे रुपये जमा करने के लिए तैयार कर लिया। रुपये जमा होने के कुछ घंटे बाद ही गिरोह से जुड़े अन्य जालसाजों ने नया बहाना बनाया। उन्होंने दावा किया कि पार्सल की जांच में 50 हजार पाउंड का चेक मिला है, जिसे जारी कराने के लिए भारत के वित्त मंत्रालय से अनुमति लेनी होगी। इसके लिए 2.38 लाख रुपये और जमा कराने को कहा गया। उसने परिचितों की मदद से यह रकम भी अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करा दी। पीड़िता का कहना है कि इसके बाद भी आरोपी लगातार नए-नए बहाने बनाकर रुपये मांगते रहे। कभी बैंक खाते में रकम ट्रांसफर करने की प्रक्रिया पूरी कराने, तो कभी विशेष कोड जारी कराने का हवाला देकर 30 जून को 11 अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए 4.98 लाख रुपये और जमा करा लिए। ठगों ने हर बार भरोसा दिलाया कि प्रक्रिया पूरी होते ही पार्सल और विदेशी चेक मिल जाएगा और पूरी रकम उसके खाते में स्थानांतरित कर दी जाएगी। आरोप है कि एक जुलाई को आरोपियों ने 6.26 लाख रुपये और जमा करने की मांग की। युवती का कहना है कि लगातार बढ़ती रकम की मांग पर उसे संदेह हुआ। उसने जिन लोगों के माध्यम से भुगतान कराया था, उनसे सलाह ली और तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। बाद में साइबर थाने में शिकायत दी। एसीपी क्राइम अमित सक्सेना का कहना है कि जालसाजों ने पीड़िता से 7.96 लाख रुपये ठगे हैं।

परीक्षित खटाना बने नोएडा के नए अपर आयुक्त:संदीप भागिया का ट्रांसफर

प्रातः किरण संवाददाता

प्रदेश सरकार ने गुरुवार देर रात सचिव और विशेष सचिव स्तर के 20 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए। इसके तहत संदीप भागिया को गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद में अपर आयुक्त राज्य कर के पद से स्थानांतरित कर मध्यांचल विद्युत वितरण निगम का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। परीक्षित खटाना को आजमगढ़ के मुख्य विकास अधिकारी पद से हटाकर गौतमबुद्धनगर में अपर आयुक्त राज्य कर बनाया गया है। वहीं, इटावा के मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार गौतम को गाजियाबाद प्रथम में अपर आयुक्त राज्य कर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुधा वर्मा को राजस्व विभाग में सचिव के पद से श्रमायुक्त नियुक्त किया गया है। इसके अलावा आजमगढ़, बलिया और इटावा के मुख्य विकास अधिकारियों के पदों पर भी नए अधिकारियों की तैनाती की गई है। संदीप भागिया का नाम पिछले कुछ समय से चचाओं में रहा है। उनके खिलाफ महिला अधिकारियों ने उत्पीड़न के आरोप लगाए थे और हाल में एक बैठक के दौरान सहकर्मी के साथ हुए विवाद का मामला भी चर्चा में आया था। इन मामलों में संबंधित प्रक्रियाएं अलग से चल रही हैं।

17 जुलाई को ग्रेटर नोएडा में किसान आंदोलन

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर 17 जुलाई को प्रस्तावित किसान महापंचायत और आंदोलन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार दोपहर 2 बजे दनकौर कस्बे में किसान संघर्ष मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सोरन प्रधान के आवास पर आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता श्रीकृष्ण बैंसला ने की। इसमें आंदोलन को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई। बैठक में वक्ताओं ने किसानों की लंबित मांगों पर चिंता व्यक्त की, जिनका अब तक समाधान नहीं हुआ है। इन मांगों में 10 प्रतिशत विकसित भूखंड, 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा और आबादी बैकलॉग जैसी समस्याएं शामिल हैं। वक्ताओं ने कहा कि इन समस्याओं के समाधान के लिए किसानों को एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन पूरी तरह से किसानों के अधिकारों और न्यायोचित मांगों के लिए है। उन्होंने सभी किसान संगठनों, सामाजिक संगठनों और क्षेत्र के किसानों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में महापंचायत में पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाएं।

इलेक्ट्रिक स्कूटी में आग लगने के बाद बैटरी फटी

प्रातः किरण संवाददाता

गाजियाबाद। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसाइटी में शुक्रवार सुबह इलेक्ट्रिक स्कूटी में अचानक आग लगने के बाद उसकी बैटरी फट गई। तेज धमाके की आवाज से सोसाइटी में अफरातफरी मच गई।जानकारी के मुताबिक सोसाइटी में रहने वाले गिरीश मित्तल शुक्रवार सुबह कार्यालय जाने के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटी लेने पार्किंग पहुंचे। उनकी स्कूटी सी-1 टावर के नीचे पार्किंग में खड़ी थी। जैसे ही उन्होंने स्कूटी में चाबी लगाकर उसे स्टार्ट करने का प्रयास किया, उसमें अचानक आग लग गई। कुछ ही सेकेंड में आग पूरी स्कूटी में फैल गई और बैटरी तेज धमाके के साथ फट गई। इससे पार्किंग में मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही आरडब्ल्यूए कार्यालय से राहुल त्यागी, प्लंबर अजय, अर्जुन और अमित मौके पर पहुंचे। सुरक्षा गार्डों के साथ मिलकर उन्होंने फायर पाइप की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। यदि आग समय पर नहीं बुझाई जाती तो पार्किंग में खड़े अन्य वाहन भी इसकी चपेट में आ सकते थे। आग से उठे घने धुएं के कारण सी-1 टावर के कई फ्लैटों में धुआं भर गया।

नोएडा में बारिश बनी आफत:सेक्टर-12 में 50 फीट लंबी दीवार ढही

प्रातः किरण संवाददाता

नोएडा में दो दिन तक लगातार हुई बारिश का असर अब दिखने लगा है।यहां एक और बड़ा हादसा सामने आया है। सेक्टर-12 के वाई ब्लॉक में शुक्रवार दोपहर को नोएडा प्राधिकरण के खाली प्लॉट से लगी करीब 50 फीट लंबी और 10 फीट ऊंची दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार का मलबा नीचे खड़ी 3 से 4 कारों पर आ गिरा, जिससे वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि हादसे के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। यह घटना थाना सेक्टर-24 क्षेत्र की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण दीवार कमजोर हो गई थी। कई बार इसकी जर्जर स्थिति को लेकर चिंता जताई गई थी, लेकिन समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई। शुक्रवार को आखिरकार दीवार ढह गई और लोगों की गाड़ियों को भारी नुकसान पहुंचा। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी जुट गए। लोगों ने नोएडा प्राधिकरण की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि समय रहते दीवार की मरम्मत या इसे हटाने का काम किया जाता तो नुकसान टाला जा सकता था। प्रदेश में मानसून सक्रिय होने के बाद लगातार बारिश से कई स्थानों पर पुराने और कमजोर ढांचे खतरा बनते जा रहे हैं।

क्वार्टर फाइनल में फ्रांस की शानदार जीत

बोस्टन, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराकर लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। पहले हाफ में गोल नहीं हुआ, लेकिन दूसरे हाफ में किलियन एम्बाप्पे और उस्मान डेम्बेल के गोल की बदौलत फ्रांस ने शानदार जीत दर्ज की। अब सेमीफाइनल में उसका मुकाबला बेल्जियम और स्पेन के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।फ्रांस ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पांचवें मिनट में दायोट उपामेकानो का हेडर मोरक्को के गोलकीपर यासीन बुनू ने शानदार तरीके से रोक दिया। इसके बाद फ्रांस को पेनल्टी मिली, जब नौसैर मजराउई ने एम्बाप्पे को बॉक्स के अंदर फाउल कर दिया। हालांकि, कप्तान एम्बाप्पे की पेनल्टी पर बुनू ने बेहतरीन सेव किया और पहले हाफ तक स्कोर 0-0 रहा।

60वें मिनट में एम्बाप्पे ने दिलाई बढ़त

दूसरे हाफ में फ्रांस ने दबाव बनाए रखा और 60वें मिनट में एम्बाप्पे ने बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट लगाकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह इस विश्व कप में उनका आठवां गोल रहा।

एम्बाप्पे-डेम्बेल चमके

बड़ी उपलब्धि अपने नाम करेंगे एमबाप्पे

बोस्टन, एजेंसी। फीफा विश्व कप में आज एक बेहद रोमांचक मुकाबला होने जा रहा है, जहां मौजूदा फुटबॉल दिग्गज फ्रांस का सामना क्वार्टर फाइनल में मोरक्को से होगा। इस मैच में कई बड़े रिकॉर्ड दांव पर लगे हैं, जिसमें फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे के पास एक और उपलब्धि अपने नाम करने का सुनहरा मौका रहेगा। फ्रांस और मोरक्को दोनों की ही नजरें सेमीफाइनल में पहुंचने पर टिकी हुई हैं। फ्रांस के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर एमबाप्पे इस मैच में एक नहीं, बल्कि कई बड़े कीर्तिमान अपने नाम कर सकते हैं। एमबाप्पे फीफा विश्व कप इतिहास में 20 गोल पूरे करने वाले दुनिया के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बनने से महज एक गोल दूर हैं। अगर वह मोरक्को के खिलाफ एक भी गोल दाग देते हैं, तो वह 30 साल की उम्र से पहले 20 विश्व कप गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। यदि एमबाप्पे क्वार्टर फाइनल मैच में दो गोल करने में कामयाब रहे, तो वह सर्वकालिक विश्व कप टॉप-स्कोरर्स की सूची में अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेसी को भी पीछे छोड़ देंगे।

डेम्बेल ने छह मिनट बाद जीत पर लगाई मुहर

एम्बाप्पे के गोल के छह मिनट बाद फ्रांस ने दूसरा गोल भी कर दिया। एम्बाप्पे ने शानदार पास देकर उस्मान डेम्बेल को मौका बनाया और डेम्बेल ने शांत अंदाज में गेंद को नेट में पहुंचाकर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद फ्रांस ने मैच पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा और मोरक्को को वापसी का कोई मौका नहीं दिया इस जीत के साथ दिदिएर डेशां की टीम लगातार तीसरी बार विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई। फ्रांस ने 2018 में विश्व कप का खिताब जीता था, जबकि 2022 में वह उपविजेता रहा था। अब टीम की नजर एक और फाइनल में जगह बनाने पर होगी। किलियन एम्बाप्पे ने इस विश्व कप के सभी छह मैचों में गोल किया है और गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे हैं। विश्व कप में सर्वाधिक करियर गोल करने वाले खिलाड़ियों में एम्बाप्पे (20) अब केवल लियोनेल मेसी (21) से पीछे हैं। उस्मान डेम्बेले विश्व कप के एक ही संस्करण में पांच गोल करने वाले फ्रांस के तीसरे खिलाड़ी बन गए। 18 साल 280 दिन के अयूब बुआद्दी विश्व कप में किसी अफ्रीकी टीम के लिए किशोर अवस्था में पांच मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बने।

इतिहास रचने की कगार पर मोरक्को, फ्रांस की नजरें लगातार तीसरे सेमीफाइनल पर

मोरक्को ने एक बार फिर खुद को अफ्रीकी महाद्वीप की सबसे सर्वश्रेष्ठ टीम के रूप में साबित किया है। साल 2022 में मोरक्को ने विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बनकर इतिहास रचा था। अगर मोरक्को फ्रांस के खिलाफ जीत दर्ज करता है, तो वह दो बार विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाला पहला अफ्रीकी देश बन जाएगा। हालांकि, मजबूत फ्रांस के खिलाफ यह राह आसान नहीं होगी, लेकिन मोरक्को की टीम में उलटफेर करने और बड़ी टीमों को चौंकाने का पूरा दमखम है। साल 2018 की चैंपियन और 2022 की उपविजेता फ्रांस के पास लगातार तीसरी बार फीफा विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने का सुनहरा मौका है। इस पूरे टूर्नामेंट के दौरान फ्रांस एक बार फिर खिताब की सबसे प्रबल दावेदार बनकर उभरी है। खास बात यह है कि फ्रांस ने इस टूर्नामेंट में अब तक एक भी मैच न तो हारा है और न ही ड्रॉ खेला है। किलियन एमबाप्पे की अगुआई में यह टीम इस मुकाबले में जीत की सबसे बड़ी दावेदार मानी जा रही है।

एशियन गेम्स 2026

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान

सलिमा टेटे को फिर मिली टीम की कप्तानी

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से चार अक्तूबर तक होने वाले 20वें एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। 20 सदस्यीय टीम की कमान एक बार फिर सलिमा टेटे को सौंपी गई है। सलिमा की कप्तानी में भारत ने पिछले महीने न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीता था। हाल ही में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित अनुभवी गोलकीपर सविता को टीम में जगह मिली है। उनके साथ बिचू देवी खरीबाम दूसरी गोलकीपर होंगी।

युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन

डिफेंस में सुशीला चानू पुखरंबम, ईशिका चौधरी, ज्योति, लालथांतलुआंगी और शिल्पी डबास को शामिल किया गया है। लालथांतलुआंगी और शिल्पी ने एफआईएच नेशंस कप के दौरान सीनियर टीम में पदार्पण किया था और शानदार प्रदर्शन के दम पर एशियन गेम्स टीम में जगह बनाई।

मिडफील्ड और आक्रमण में मजबूत संयोजन

मिडफील्ड में कप्तान सलिमा टेटे के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग खेलती नजर आएंगी। वहीं, फॉरवर्ड लाइन में लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसाल, नवनीत कौर, दीपिका, ईशिका, बलजीत कौर और ब्यूटी डुंगडुंग को शामिल किया गया है। मुख्य कोच स्जोएर्ड मारिज्ने ने टीम चयन पर कहा, 'हमारे पास ऐसी टीम है जिसमें युवा, अनुभवी और सीनियर खिलाड़ियों का बेहतरीन संतुलन है। सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'इस टीम ने पिछले कुछ महीनों में शानदार फॉर्म और फिटनेस दिखाई है। हमें पूरा विश्वास है कि यह टीम एशियन गेम्स की चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है।'

भारत की 20 सदस्यीय महिला हॉकी टीम

- **गोलकीपर:** सविता पूनिया, बिचू देवी खरीबाम
- **डिफेंडर:** ईशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरंबम, लालथांतलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास
- **मिडफील्डर:** निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलिमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंग
- **फॉरवर्ड:** लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसाल, नवनीत कौर, दीपिका, ईशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग

28 साल के लंबे अंतराल के बाद वर्ल्ड कप में वापसी

फीफा विश्व कप 2026

फीफा विश्व कप 2026 में नॉर्वे

- नॉर्वे 28 साल के लंबे अंतराल के बाद वर्ल्ड कप में वापसी कर रहा है। उसने फ्रांस 98 में हिस्सा लिया था।
- नॉर्वे का यह केवल चौथा वर्ल्ड कप है। क्वार्टर-फ़ाइनल में पहुँची आठ टीमों में से किसी का भी रिकॉर्ड इससे कम नहीं है।
- इस एडिशन पहले ही चार मैच जीत चुके हैं।
- नॉर्वे ने अपने पिछले तीन मैचों में सिर्फ सात गोल किए थे। वे अब तक 12 गोल कर चुके हैं।

रातों-रात यहां तक नहीं पहुंचा नॉर्वे

वाशिंगटन। नॉर्वे के पूर्व मिडफिल्डर मोर्टन गैमस्ट पेडरसन के मुताबिक नॉर्वे हमेशा 'लगभग' वाली टीम रही है। लेकिन 'लगभग' कभी काफी नहीं होता। उन्हें यह बात अच्छी तरह पता है। पेडरसन ने नॉर्वे के लिए 83 मैच खेले और तीन अलग-अलग वर्ल्ड कप क्वालिफाइंग कैंपेन (2006, 2010, 2014) देखे, जो सभी एक ही तरह से खत्म हुए, बहुत कम अंतर से चूककर। इस बार कोई 'लगभग' वाली बात नहीं थी। नॉर्वे ने ब्राजील के जबरदस्त फिनिश को रोका - हालैंड का दूसरा गोल 90वें मिनट में आया और फिर नेमार ने स्टॉपेज टाइम में एक गोल किया और पहली बार वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इससे पहले वे 28 साल पहले वर्ल्ड कप में खेले थे। उन्होंने 8 में से 8 क्वालिफाइंग मैच जीते और 37 गोल किए, जो दुनिया की किसी भी दूसरी टीम से आठ ज्यादा थे।

उस व्यक्ति से ज्यादा गर्व किसी को नहीं हो सकता जिसने अपना करियर नॉर्वेजियन फुटबॉल की 'लगभग-चूक' वाली निराशाओं के बीच बिताया हो। वह इसका श्रेय टीम की एकजुटता को देते हैं। पेडरसन ने कहा, 'यह फुटबॉलरों की एक अविश्वसनीय पीढ़ी है। बेशक एर्लिंग एक सुपरस्टार हैं, जो आसानी से गोल करते हैं और फिर उस पर हंसते हैं। लेकिन वह टीम के बाकी खिलाड़ियों की तरह ही एक विनम्र व्यक्ति भी हैं।'

पेडरसन - जो हालैंड के 'लास्ट 16' में किए गए दो गोल से पहले, एक फ्रेंडली मैच में ब्राजील के खिलाफ गोल करने वाले आखिरी नॉर्वेजियन थे, ने एक इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि कि टैलेंट से भरी इस टीम (हालैंड, मार्टिन ओडेगार्ड, अलेक्जेंडर सोरलोथ) में किसी ने भी खुद को टीम से बड़ा नहीं समझा। उन्होंने कहा, 'यही उनकी सुपर-पावर है। इस टीम को देखकर ऐसा लगता है जैसे यह लड़कों की कोई छुट्टी हो।'

हमेशा संजू को ही क्यों बाहर किया जाता है: पार्थिव

नई दिल्ली। संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टी20 टीम में शामिल किए जाने की बहस को आगे बढ़ाते हुए पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने कहा कि इस युवा बल्लेबाज को टीम में जगह देना भावनात्मक रूप से सही फैसला है, लेकिन इसके लिए सीनियर बल्लेबाज को टीम से बाहर करना तर्कहीन है। पटेल ने यह भी स्वीकार किया कि अतीत में सैमसन को प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रखने के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में उन्हें बाहर करने का कोई कारण नजर नहीं आता है।

पटेल ने जियोस्टार से कहा, 'हमेशा संजू सैमसन को ही क्यों बाहर किया जाता है। अगर आप पिछले 11-12 सालों में संजू सैमसन के करियर को देखें तो एक चीज शुरू से उनका पीछा कर रही है और वह है उनके खेल में निरंतरता का अभाव।' उन्होंने कहा, 'या तो उस खिलाड़ी को बाहर किया जाता है जो तेजी से रन नहीं बना पा रहा हो या फिर लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा हो। आप भावनाओं और तर्क दोनों के आधार पर फैसले नहीं ले सकते। इसलिए वैभव सूर्यवंशी को मौका देना भावनात्मक रूप से सही फैसला था।'

यह प्रतिभाशाली बल्लेबाज अब तक आईपीएल जैसा कमाल नहीं दिखा पाया

पार्थिव ने कहा, 'लेकिन अगर तर्क की बात करें तो यह सवाल उठता है कि संजू सैमसन को क्यों बाहर किया गया। लेकिन मुझे लगता है कि यह फैसला भावनात्मक आधार पर लिया गया।' इस साल के टी20 विश्व कप में टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए सैमसन लगातार तीन मैचों में नाकाम रहे जिसमें उन्होंने कुल मिलाकर छह रन बनाए। इसके बाद उनकी जगह पर 15 वर्षीय सूर्यवंशी को टीम में शामिल किया गया। यह प्रतिभाशाली बल्लेबाज अब तक आईपीएल जैसा कमाल नहीं दिखा पाया है। सूर्यवंशी ने आईपीएल में सर्वाधिक रन बनाए थे। भारत मौजूदा श्रृंखला में अभी इंग्लैंड से 0-3 से पीछे है। यह पहला अवसर है जबकि इंग्लैंड ने भारत से टी20 श्रृंखला जीती है।

पूर्व विकेटकीपर की लताड़: वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम ऐसे नहीं खेलती

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज सबा करीम का मानना है कि श्रेयस अय्यर को अब भारत के टी-20 कप्तान के तौर पर अपनी पहचान बनानी चाहिए। उनका कहना है कि आईपीएल में उन्होंने जो रणनीतिक समझ दिखाई थी, वह अभी तक इंटरनेशनल लेवल पर नहीं दिखी है। करीम की यह बात तब आई जब भारत को ब्रिस्टल में खेले गए चौथे टी-20 मैच में इंग्लैंड से 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पहला मैच बारिश की वजह से रद्द होने के बाद इस हार से मेजबान टीम को 5 मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त मिल गई। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारत की यह दूसरी बाइलेटरल टी-20 सीरीज हार है जबकि अभी एक मैच खेला जाना बाकी है।

करीम ने जियो हॉटस्टार से कहा, 'मुझे लगता है कि श्रेयस अय्यर के लिए कप्तान के तौर पर खुद को साबित करने का समय आ गया है। आईपीएल में हमने उनकी जो रणनीतिक कप्तानी देखी

है, वह इंटरनेशनल क्रिकेट में अभी तक नहीं दिखी है।' पूर्व नेशनल सेलेक्टर ने मैदान पर अय्यर के कुछ फैसलों पर सवाल उठाए, खासकर ब्रिस्टल में मिली हार के दौरान भारत के बैटिंग ऑर्डर पर।

उन्होंने कहा, 'उदाहरण के लिए, जब वह बीच में बैटिंग कर रहे थे, तो शिवम दुबे पांचवें नंबर पर आए। मुझे वह फैसला समझ नहीं आया। यह वह श्रेयस अय्यर नहीं हैं जिन्हें हम आईपीएलसे जानते हैं। लॉजिकली, अगर वह अभी आईपीएलमें कप्तानी कर रहे होते, तो शिवम दुबे की जगह तिलक वर्मा पांचवें नंबर पर आते।'

करीम ने इस बात पर भी जोर दिया कि पारी के अहम मौकों पर कप्तान की तरफ से बातचीत करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने आगे कहा, 'जब आप कप्तान के तौर पर बीच में बैटिंग कर रहे होते हैं, तो अपने पार्टनर को भेजे गए मैसेज बहुत अहम होते हैं। हो सकता है कि उन्हें इस भूमिका में ढलने में समय लगे।'

असम में सनसनीखेज वारदात 8 वर्षीय मासूम का अपहरण

दुष्कर्म के बाद हत्या, आरोपी दबोचा; इलाके में भारी तनाव

श्रीभूमि, एजेंसी।
असम के श्रीभूमि जिले के मदनमोहन इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आठ वर्षीय एक बच्ची का अपहरण कर दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने एक किशोर को आरोपी के रूप में गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, बुधवार को बच्ची खेलने के लिए घर से बाहर निकली थी। आरोपी, जो परिवार से परिचित था, उसे जंगल में ले गया। वहां उसने बच्ची को पहले हाथों से घोंटकर और फिर उसके ही फ्रॉक से गला घोंटकर मार डाला।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक त्रिभुवन भुयान ने बताया कि बच्ची के लापता होने पर आरोपी खुद परिवार के साथ उसे ढूंढने निकला था और अनजान बन रहा था। बाद में उसने कबूल किया कि बच्ची के पिता ने उसे कथित तौर पर प्रताड़ित किया था, जिसके बदले में उसने यह घटना की। आरोपी ने हत्या की बात तो स्वीकार की, लेकिन दुष्कर्म से इनकार किया। बच्ची का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद मामले की पूरी तस्वीर साफ होगी।

आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या), 141 (अपहरण), 65(2) (12 वर्ष से कम उम्र की बच्ची के साथ दुष्कर्म) और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी खुद को 18 वर्ष से कम उम्र का बता रहा है, जिसकी जांच चल रही है।

घटना की सूचना मिलते ही सैकड़ों स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बच्चों की सुरक्षा पर सवाल उठाए और दोषी को सख्त सजा देने की मांग की। उच्च पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद सड़कें खाली कराई गईं।

लोन के नाम पर 43 शिक्षकों से 12 करोड़ों की ठगी

कोंडागांव, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में पुलिस ने शिक्षकों को ऋण दिलाने के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले संगठित गिरोह का राजफाश किया है। इस मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। गिरोह ने 43 शिक्षकों को झांसे में लेकर लगभग 10 से 12 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। आरोपितों के पास से मोबाइल, पासबुक, चेकबुक, एटीएम और लैपटाप जब्त किए गए हैं। शिक्षकों ने शिकायत की थी कि आरोपितों ने उन्हें एक विशेष योजना का लालच देकर ऋण दिलवाया, जिसमें 40 प्रतिशत राशि उन्हें दी जाती थी और 60 प्रतिशत आरोपित अपने खातों में स्थानांतरित कर लेते थे। पुलिस को आशंका है कि पीड़ितों की संख्या और बढ़ सकती है। शिक्षकों का दावा है कि बदनामी और सामाजिक संकोच के कारण कई पीड़ित अब तक पुलिस के सामने नहीं आए हैं।

चार राज्यों की नई मतदाता सूची से एक झटके में बाहर हुए 22 लाख नाम

भुवनेश्वर/इंफाल/म्आईजोल/म्गंगटोक, एजेंसी। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण के तहत चार प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूची से लगभग 22 लाख मतदाताओं के नाम बाहर हो गए हैं।

मिजोरम, ओडिशा, मणिपुर और सिक्किम के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा सार्वजनिक किए गए आंकड़ों के अनुसार, इन चारों राज्यों के कुल मतदाताओं की संख्या में लगभग 22 लाख की कमी आई है।

इन राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले कुल 3.68 करोड़ मतदाता थे। ये अब घटकर 3.46 करोड़ रह गए हैं। सबसे अधिक 20.11 लाख नाम ओडिशा में मतदाता सूची से हटाए गए हैं।

जिन लोगों के नाम मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, उन्हें इस वर्ष बाद में प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने का अवसर मिलेगा। मिजोरम, ओडिशा, मणिपुर और सिक्किम उन 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल हैं, जहां चरणबद्ध कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण किया जा रहा है। बीते 14 मई को एसआईआर के तीसरे चरण की शुरुआत के समय इन 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मतदाताओं की संख्या 36.73 करोड़ थी। बिहार में एसआईआर प्रक्रिया की तैयारी के दौरान निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने दावा किया था कि आयोग के जमीनी स्तर के कर्मियों को राज्य में बांग्लादेश, नेपाल और म्यांमार के कई नागरिक मिले हैं। हालांकि, बाद में निर्वाचन आयोग ने ऐसे लोगों की संख्या या कोई प्रमाण सार्वजनिक नहीं किया जो मतदाता सूची में शामिल होने के पात्र नहीं थे। विपक्षी दलों ने निर्वाचन आयोग के इस दावे को भाजपा और उसके सहयोगी दलों के विरोधी माने जाने वाले मतदाताओं को निशाना बनाने के उद्देश्य से एसआईआर प्रक्रिया चलाने की एक रणनीति करार दिया।

सक्षिप्त समाचार

सिलीगुड़ी में टीएमसी कार्यालय पर गरजा बुलडोजर

सिलीगुड़ी (कोलकाता), एजेंसी। सिलीगुड़ी में नदी के बांध पर कब्जा कर बनाए गए तृणमूल कांग्रेस कार्यालय पर गुरुवार को बुलडोजर चला। आरोप है कि वार्ड नंबर 47 में पंचनई नदी के बांध पर कब्जा कर इस कार्यालय को बनाया गया था। गुरुवार सुबह से ही भारी पुलिस बल की सुरक्षा में नगर निगम के अधिकारियों ने कार्रवाई शुरू की। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि तीन जुलाई को नोटिस जारी कर स्वयं ही कार्यालय हटाने के लिए कहा गया था। समय सीमा समाप्त होने के बाद बुलडोजर कार्रवाई की गई है। भाजपा का कहना है कि पांच साल पहले इस कार्यालय का निर्माण हुआ था। उस समय एसडीओ से शिकायत की गई थी और काम रोक दिया गया था। बाद में रातों-रात निर्माण किया गया। तब तृणमूल सरकार में थी। सिलीगुड़ी के मेयर ने इसका उद्घाटन किया था।

मध्य प्रदेश के एकमात्र यहूदी कब्रिस्तान में तोड़फोड़ और कब्जे पर उठे सवाल

जबलपुर, एजेंसी। मध्य प्रदेश का एकमात्र यहूदी कब्रिस्तान अब वैश्विक चर्चा में है। जबलपुर स्थित लगभग सौ वर्ष पुराने इस ऐतिहासिक स्थल पर कथित अतिक्रमण, तोड़फोड़ और भूमि कब्जे के आरोपों का मामला मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में विचाराधीन है। इसी बीच इजरायल में बसे भारतीय मूल के यहूदियों ने भी विरासत बचाने के लिए अपनी सरकार और राजनयिक मिशनों से हस्तक्षेप की मांग की है। इसके साथ ही यह विवाद स्थानीय सीमाओं से निकलकर अंतरराष्ट्रीय महत्व का विषय बन गया है। रानीताल की खामोश जमीन पर दफन इतिहास आज अदालत में संरक्षण की उम्मीद लगाए बैठा है। यह लड़ाई केवल कुछ कब्रों की नहीं, बल्कि उस साझा सांस्कृतिक विरासत की है, जिसने कभी जबलपुर को विविध आस्थाओं का सम्मान करने वाली संस्कारधानी के रूप में पहचान दिलाई है। अब निगाहें हाई कोर्ट की सुनवाई और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। यहूदी समुदाय की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता मनीष वर्मा ने बताया कि कब्रिस्तान की सुरक्षा, अतिक्रमण हटाने और विरासत संरक्षण संबंधी याचिका हाई कोर्ट में विचाराधीन है। ब्रिटिश शासनकाल में जबलपुर में करीब 200 यहूदी परिवार रहते थे। उनके अंतिम संस्कार के लिए तत्कालीन जिला प्रशासन ने लगभग पांच हजार वर्गफीट भूमि आवंटित की थी। आज इस परिसर में 100 से अधिक कब्रें हैं।

जम्मू-कश्मीर में सरकार के एक आदेश से मचा हड़कंप

स्कूलों में पढ़ाया जा रहा था अलगाववाद

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने स्कूलों और कोचिंग सेंटरों में मौजूद किताबों को लेकर एक बड़ा और सख्त कदम उठाया है। प्रशासन ने कश्मीर और जम्मू डिविजन के सभी सरकारी व निजी स्कूलों के साथ-साथ कोचिंग संस्थानों को अपनी लाइब्रेरी और क्लासरूम में मौजूद सभी किताबों की गहन जांच करने का आदेश दिया है। इस आदेश का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी किताब में 'देशविरोधी', आपत्तिजनक या अलगाववाद को बढ़ावा देने वाली सामग्री ना हो। वहीं, इस फैसले पर राजनीतिक घमासान भी शुरू हो गया है और विपक्षी दलों ने इसे 'इतिहास मिटाने की साजिश' करार दिया है।

7 दिन का अल्टीमेटम: सभी स्कूल और कोचिंग संस्थानों के प्रमुखों को 7 दिन के भीतर चेकिंग पूरी करके एक सर्टिफिकेट देना होगा कि उनके परिसर में कोई भी आपत्तिजनक किताब नहीं है।

एलजी का कड़ा एक्शन: हाल ही में दो विवादित किताबों का मामला सामने आने के बाद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 8 शिक्षा अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। जिन किताबों पर बवाल हुआ, उनमें जम्मू-कश्मीर को 'भारत के कब्जे वाला कश्मीर बताया गया था और अलगाववादी मकबूल भट जैसे लोगों को महिमामंडित किया गया था।

यूएपीए के तहत केस: विवादित किताबों के प्रकाशकों और लेखकों को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। पुलिस की काउंटर-इंटेलिजेंस विंग ने यूएपीए के तहत एफआईआर दर्ज कर जम्मू में प्रकाशक के ठिकानों पर छापेमारी भी की है। स्कूल शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी नए आदेश के मुताबिक, सभी संस्थानों के प्रमुखों को अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाली लाइब्रेरी, स्टाफ रूम, क्लासरूम और दफ्तरों में रखी नई-पुरानी सभी किताबों की चेकिंग करनी होगी। आदेश में साफ कहा गया है कि कोई भी

ऐसा कंटेंट नहीं होना चाहिए जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाए, छात्रों के लिए अनुचित हो या जिससे राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचने की आशंका हो। साथ ही सभी सामग्री को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के दिशा-निर्देशों के अनुरूप होना चाहिए। अगर चेकिंग के दौरान कोई आपत्तिजनक किताब मिलती है, तो स्कूल प्रमुखों को किताब का शीर्षक, लेखक, पब्लिशर, छपने का साल और किताबों की संख्या की पूरी डिटेल बनाकर शीर्ष अधिकारियों को सौंपनी होगी। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। यह पूरा विवाद 'समग्र शिक्षा अभियान' के तहत स्कूलों में बांटी गई दो किताबों के सामने आने के बाद शुरू हुआ। ये किताबें हैं- पर्सनैलिटीज एंड लीजेंड्स ऑफ छ्र्य्च (हिलाल अहमद और संतोष मीणा) और ग्रेट पर्सनैलिटीज ऑफ जम्मू एंड कश्मीर (डॉ. सुशांत गिरि)। इन किताबों में अलगाववादी नेताओं को सकारात्मक रूप से पेश किया गया था। बीजेपी ने इसके खिलाफ जोरदार प्रदर्शन करते हुए इसे 'एकेडमिक जिहाद' करार दिया था। इसके बाद सरकार ने तुरंत एक्शन लेते हुए न सिर्फ इन दोनों किताबों को वापस मंगाया, बल्कि उपराज्यपाल ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश के शिक्षण संस्थानों में ऑडिट के आदेश दे दिए।

व्हाइट हाउस में ट्रंप पर आतंकी हमले की थी साजिश यूएफसी शो में ड्रोन और स्नाइपर अटैक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में व्हाइट हाउस में आयोजित यूएफसी शो पर ड्रोन और स्नाइपर के जरिए बड़े आतंकी हमले की कथित साजिश रचने के मामले में आठ लोगों पर हत्या और आतंकवाद की साजिश के आरोप लगाए गए हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, आरोपी कई सप्ताह से हथियार और विस्फोटक जुटा रहे थे तथा कार्यक्रम के दौरान ड्रोन हमला और उसके बाद भीड़ पर गोलीबारी की योजना बना चुके थे। समय रहते कार्रवाई कर इस साजिश को विफल कर दिया गया।

ओहायो में दायर आरोप पत्र के मुताबिक, सभी आठ आरोपियों पर दो अलग-अलग साजिशों के आरोप लगाए गए हैं। पहला आरोप आतंकवादियों को जरूरी संसाधन और सहायता उपलब्ध कराने का है, जबकि दूसरा आरोप संघीय सरकार के अधिकार क्षेत्र में हत्या करने और संघीय सरकार के अधिकारी की हत्या की साजिश रचने का है।

कैसे शुरू हुई थी इस हमले की तैयारी?: आरोप पत्र के अनुसार, इस साजिश की शुरुआत मई में हुई थी। जांच में सामने आया कि इस दौरान आरोपियों ने पैसे, हथियार, गोला-बारूद, बॉडी आर्मर, विस्फोटक, ड्रोन, मेडिकल उपकरण, संचार उपकरण और अन्य जरूरी सामान जुटाना शुरू कर दिया था

ताकि हमले को अंजाम दिया जा सके।

सुरक्षा एजेंसियों को खतरे की भनक कब लगी?: 10 जून को कानून प्रवर्तन एजेंसियों को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी वाले यूएफसी केज-फाइटिंग शो पर संभावित हमले की जानकारी मिली। यह सूचना मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स के इस बड़े आयोजन से चार दिन पहले मिली थी, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं।

न्याय विभाग ने पिछले महीने देश भर के सात लोगों पर संघीय आरोप लगाए थे। इनमें ओहायो, मिसौरी, वाशिंगटन, नेब्रास्का और कैलिफोर्निया के निवासी शामिल थे। अधिकारियों के अनुसार, इस समूह के सदस्य कई अजीबोगरीब साजिशी सिद्धांतों पर भरोसा करते थे और उनका मानना था कि इस हमले से अमेरिकी सरकार को अस्थिर किया जा सकता है।

हमले की योजना क्या थी?

संघीय हलफनामे के मुताबिक, आरोपियों में से एक ने जांचकर्ताओं को बताया कि उनकी योजना विस्फोटकों से लदे ड्रोन कार्यक्रम स्थल पर उड़ाने की थी। इसके बाद भगदड़ मचने पर वहां से भाग रही भीड़ पर स्नाइपर और अन्य हथियारों से गोलीबारी करने की योजना बनाई गई थी, ताकि अधिक से अधिक लोगों को निशाना बनाया जा सके। इवेंट 'फ्रीडम 250' वाले सप्ताहांत के दौरान ओहायो के डैनविले निवासी 19 वर्षीय टाइसेन सी. प्रॉपर और चार अन्य लोगों को मिसौरी, नेब्रास्का और कैलिफोर्निया से गिरफ्तार किया गया। लगभग एक सप्ताह बाद स्न्ब्रुद्ध ने वाशिंगटन और मिसौरी से दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। न्याय विभाग ने बताया कि आठवें आरोपी पर इसी सप्ताह आरोप लगाए गए हैं। आठवां आरोपी वेस्ट वर्जीनिया के चैपमैनविले का 21 वर्षीय चैंडलर डी. स्कैग्स है, जिसे उसी राज्य से हिरासत में लिया गया। हलफनामे के अनुसार, कथित तौर पर स्कैग्स को इस हमले में स्नाइपर की भूमिका निभानी थी।

लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल को नुकसान पहुंचाने के मामले में

नुकसान पहुंचाने के आरोप में पूर्व ओलंपियन ने खुद को बताया निर्दोष

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व ओलंपिक कैनो खिलाड़ी डेविड हर्न ने वॉशिंगटन डीसी की अदालत में लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल को नुकसान पहुंचाने के मामले में खुद को निर्दोष बताया है। 67 वर्षीय हर्न पर हाल ही में मरम्मत किए गए रिफ्लेक्टिंग पूल को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का आरोप है। उन पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की एक गंभीर (फेलोनी) धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह मामला इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ही बिना कोई सबूत पेश किए दावा कर चुके हैं कि रिफ्लेक्टिंग पूल को नुकसान प्रदर्शनकारियों या तोड़फोड़ करने वालों ने पहुंचाया था। वहीं हर्न और उनके वकीलों का कहना है कि उनके खिलाफ राजनीतिक कारणों से कार्रवाई की जा रही है।

डेविड हर्न का कहना है कि 19 जून को वह 103 किलोमीटर लंबी साइकिल यात्रा के दौरान लिंकन मेमोरियल रिफ्लेक्टिंग पूल के पास रुके थे। उन्होंने देखा कि

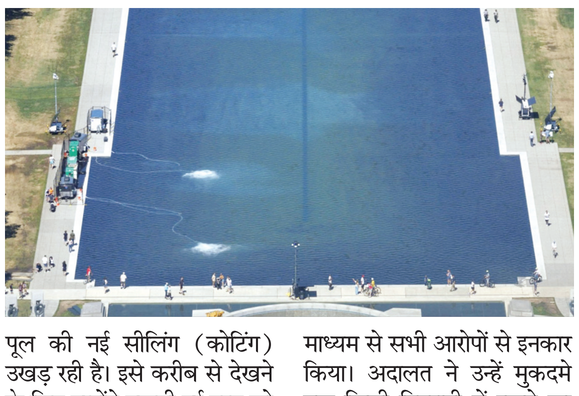

पूल की नई सीलिंग (कोटिंग) उखड़ रही है। इसे करीब से देखने के लिए उन्होंने उखड़ी हुई परत को हाथ लगाया, लेकिन जैसे ही पार्क के एक कर्मचारी ने छोड़ने को कहा, उन्होंने तुरंत उसे छोड़ दिया। हालांकि अभियोजन पक्ष का आरोप है कि हर्न ने जानबूझकर नई सीलिंग को उखाड़ा और इससे 1,000 डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ। साथ ही उन पर पार्क कर्मचारी के साथ अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप लगाया गया है। वॉशिंगटन डीसी सुपीरियर कोर्ट में सुनवाई के दौरान हर्न ने अपने वकील के माध्यम से सभी आरोपों से इनकार किया। अदालत ने उन्हें मुकदमे तक किसी निगरानी में रखने का आदेश नहीं दिया। मामले की अगली सुनवाई 5 अगस्त को होगी। सरकारी वकील ने अदालत से केवल इतना अनुरोध किया कि हर्न को कुछ स्थानों से दूर रहने का आदेश दिया जाए। वहीं हर्न की वकील मैरी डोहरमैन ने कहा कि उनके मुवक्किल एक सम्मानित नागरिक हैं और सरकार के पास उनके खिलाफ मजबूत सबूत नहीं हैं।

चीनी आक्रामकता से निपटने की तैयारी: विमानों की तैनाती

कैनबरा, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज की मौजूदगी में तीसरे भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान जारी संयुक्त रक्षा घोषणापत्र हिंद-प्रशांत और दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक सैन्य विस्तारवादी नीति का माकूल जवाब है। समुद्र में चीन के बढ़ते नौसैनिक जहाजों के जवाब में दोनों देशों ने इस समझौते के तहत बेहद व्यावहारिक कदम उठाया है। मैरीटाइम सिक्योरिटी कोलैबोरेशन रोडमैप के जरिये दोनों देश जहाजों के निर्माण, मरम्मत और रखरखाव में भी आगे बढ़ेंगे।

दोनों देशों के बीच बनी सहमति के तहत भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के जहाज जरूरत पड़ने पर एक-दूसरे के बंदरगाहों पर मरम्मत और ईंधन की सुविधाएं ले सकेंगे। भारत की भौगोलिक स्थिति और ऑस्ट्रेलिया के विशाल समुद्री क्षेत्र का यह संगम मलक्का स्ट्रेट से लेकर पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र तक बीजिंग के बढ़ते कदमों के खिलाफ एक मजबूत रणनीतिक अवरोध खड़ा करता है। एक-दूसरे के क्षेत्रों से सैन्य विमानों की तैनाती का और जहाजों की मरम्मत का फैसला चीन की भारत को घेरने की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स नीति का सीधा जवाब है। इसके तहत अब नौसेना और वायुसेना को दक्षिण प्रशांत क्षेत्र तक और ऑस्ट्रेलियाई सेना को मलक्का जलडमरूमध्य के मुहाने तक सीधी पहुंच और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट मिल जाएगा। चीन की नौसैनिक दादागिरी पर अंकुश लगाने के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया ने यह बड़ा रणनीतिक कवच तैयार किया है।

दोनों देश एक-दूसरे के क्षेत्रों से सैन्य विमानों की तैनाती और संचालन के अवसर बढ़ाने पर काम करेंगे। इसके साथ ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा हितों को प्रभावित करने वाले रक्षा घटनाक्रमों पर दोनों देश परामर्श करेंगे और सूचनाओं का आदान-प्रदान मजबूत करेंगे। दोनों देशों ने रक्षा मंत्रियों की वार्षिक वार्ता शुरू करने का फैसला भी किया है। दुनिया के किसी तीसरे देश में अचानक संकट या युद्ध की स्थिति आने पर दोनों देश मिलकर वहां से नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए काम करेंगे। साथ ही जमीनी स्तर पर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए भारतीय तटरक्षक और ऑस्ट्रेलिया के मैरीटाइम बॉर्डर कमांड के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

आतंक पर कड़ा संदेश और सैन्य कूटनीति क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद पूरी मानवता के लिए गंभीर चुनौती है और इसके खिलाफ लड़ाई साझा है। वैश्विक तनावों पर भारत ने साफ किया कि इनका समाधान केवल बातचीत और कूटनीति से ही संभव है। सैन्य कूटनीति के तहत साल 2028-2029 में भारत का एक सैन्य प्रशिक्षक ऑस्ट्रेलिया डिफेंस कॉलेज में नियुक्त किया जाएगा और शांति अभियानों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। सांस्कृतिक विरासत संरक्षण सहयोग के तहत ऑस्ट्रेलिया भारत की तीन बहुमूल्य प्राचीन कलाकृतियां वापस करेगा। इनमें तमिलनाडु से संबंधित 11वीं-12वीं शताब्दी की ग्रेनाइट से बनी भगवान शिव के वाहन नंदी की प्रतिमा, 11वीं शताब्दी की कांस्य निर्मित त्रिशूलधारी भद्रकाली प्रतिमा और 12वीं शताब्दी की बेसाल्ट पत्थर से बनी छह-मुखी स्कंद (कार्तिकेय) प्रतिमा शामिल हैं। महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षित और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखला के लिए दोनों देश मिलकर क्रिटिकल मिनरल्स कॉरिडोर बनाने पर काम करेंगे। दोनों देश इन खनिजों की सिर्फ आपूर्ति तक सीमित न रहकर निवेश, दीर्घकालिक आपूर्ति व्यवस्था और प्रसंस्करण व मूल्य संवर्द्धन की क्षमता बढ़ाने में भी सहयोग करेंगे। इसके लिए सरकारी एजेंसियों, निजी कंपनियों और शोध संस्थानों के बीच तालमेल बढ़ाया जाएगा। ठ्ठ इलेक्ट्रिक वाहनों, मोबाइल फोन, सौर पैनल और रक्षा उपकरणों के निर्माण के लिए लिथियम, कोबाल्ट और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों की भारी जरूरत होती है। वर्तमान में इन खनिजों के प्रसंस्करण और आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का एकाधिकार है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की यह रणनीतिक साझेदारी इस निर्भरता को कम करने में गेमचेंजर साबित हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया दुनिया के प्रमुख खनिज उत्पादक देशों में शामिल है। उसके पास लिथियम समेत कई महत्वपूर्ण खनिजों के बड़े भंडार हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,